Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-95

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बौखलाया अमेरिका, इमरान पर चुप क्यों!

पैसे के लिए देश पर झाड़ू लगा रहे थे सीआईए के पिट्ठू

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका को बहुत दुख हुआ था। अमेरिका ने फौरन बयान भी जारी कर दिया था। अमेरिका के दौगले रवैये को एक पत्रकार ने उजागर कर दिया। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से पत्रकार ने पूछा कि भारत में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका इतना मुखर क्यों है? और पाकिस्तान में इमरान खान की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने चुप्पी क्यों साध रखी है? पत्रकार के इस सवाल पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ऐसे फंसे कि उन्हें कोई जवाब नहीं सूझा और बेवकूफाना बयान दिया कि वे इस सवाल से सहमत नहीं हैं। मिलर ने कहा कि हम चाहते हैं कि पाकिस्तान में सभी लोगों के साथ कानून और मानवाधिकारों के मुताबिक बराबरी का व्यवहार किया जाए। जवाब से साफ था कि अमेरिकी विदेश विभाग असली जवाब से कन्नी काटने की कोशिश कर रहा था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने पर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र ने बयान जारी किया। भारत के अंदरूनी मामले में दखलंदाजी पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

इमरान खान की गिरफ्तारी पर अमेरिका चुप क्यों रहा और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर क्यों छटपटाया, इसकी गहरी वजहें हैं। आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थक होने के आरोप लगते रहे हैं। इसका ताजा सबूत हाल ही में देखने को मिला जब

सीआईए, मैगसेसे, फोर्ड फाउंडेशन और जॉर्ज सोरोस का कुचक्र

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा आंख का ऑपरेशन कराने के बहाने ब्रिटेन पहुंचे और वहां पहुंचते ही उन्होंने खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सांसद प्रीत गिल से मुलाकात की। यह किसी से छुपा नहीं है कि भारत में खालिस्तान आंदोलन को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए हवा देती रही है। अमेरिका जिस तरह से खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बचाव करती है उससे भी साफ है कि आतंकी पन्नू सीआईए का ऐसेट (एजेंट) है। बड़ा सामान्य सा सवाल है कि क्या भारत में भी अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के ऐसेट हैं? अरविंद केजरीवाल जब एक सरकारी कर्मचारी थे उसी समय से अपने एनजीओ के लिए फोर्ड फाउंडेशन से फंडिंग लेते रहे। फोर्ड फाउंडेशन को सीआईए फंडिंग करती है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल खड़ा होता है कि क्या सीआईए, फोर्ड फाउंडेशन और केजरीवाल के बीच कोई कनेक्शन है? केजरीवाल के आवास से जो संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए, वह इस ओर इशारा करते हैं कि भारत के खिलाफ बड़ी अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है।अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डिक्लासिफाइड दस्तावेज के अनुसार, फोर्ड फाउंडेशन की परियोजनाओं के वित्तपोषण में सीआईए उनका भागीदार था। परियोजनाएं राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध में शामिल हैं। जनवरी 2000 में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने एक एनजीओ संपूर्ण परिवर्तन उर्फ परिवर्तन शुरू किया। इसकी शुरुआत ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की मदद से की गई थी लेकिन ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल को फंडिंग कौन कर रहा था? फंडिंग कर रहा था फोर्ड फाउंडेशन और डीप स्टेट एजेंट जार्ज सोरोस। वर्ष 2002 में फोर्ड फाउंडेशन ने केजरीवाल के वित्त पोषित एनजीओ संपूर्ण परिवर्तन उर्फ परिवर्तन को सीधे फंड देना शुरू कर दिया। यह ध्यान रखें कि केजरीवाल उस समय भी एक सरकारी कर्मचारी थे। वर्ष 2004 में अरविंद केजरीवाल अशोका फेलो बने। अशोका में फेलोशिप का वित्तपोषण कौन करता है? उस सवाल का जवाब है अशोका की फंडिंग भी फोर्ड फाउंडेशन ही करता है। अरविंद केजरीवाल को 2006 में इमरजेंट लीडरशिप की श्रेणी में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार के लिए भी फंडिंग फोर्ड फाउंडेशन ही करता है।

इस देश की विचित्र विडंबना है कि वर्ष 2004 में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास को भी रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला। ▶9पर

भारत नेपाल सीमा पर एटीएस की बड़ी कार्रवाई

हिजबुल के तीन कुख्यात आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकियों को एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया। इनमें से दो पाकिस्तान के रहने वाले हैं और एक कश्मीर का निवासी है।

यूपी एटीएस को सुराग मिला था कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक

योजना के तहत नेपाल से भारत में घुस कर कश्मीर जा रहे थे

आईएसआई के सहयोग से नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश करने वाले हैं। एटीएस की फील्ड इकाई गोरखपुर ने सर्विलांस की मदद से रावलपिंडी के मोहम्मद अल्ताफ भट, इस्लामाबाद के सैय्यद गजनफर और जम्मू कश्मीर के नासिर अली को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की योजना के तहत आए थे। इन्हें बाकायदा आईएसआई के ट्रेनिंग कैंप में ट्रेनिंग देकर भारत भेजा गया था।आतंकी मोहम्मद अल्ताफ भट ने पूछताछ में बताया कि उसका जन्म कश्मीर में हुआ था लेकिन करगिल युद्ध के बाद वह हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी के साथ जेहाद की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान के रावलपिंडी चला गया था। अल्ताफ हमेशा से चाहता था कि कश्मीर, पाकिस्तान का हिस्सा बने। इसी उद्देश्य से अल्ताफ ने आईएसआई के निर्देशन में हिजबुल मुजाहिदीन के मुजफ्फराबाद कैंप में जेहादी प्रशिक्षण लिया। उसने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, कश्मीर स्थित आतंकी ▶9पर

तब नौकरी के नाम पर गरीबों की जमीनें लिखवा लेते थे

अब बिहार में सड़कें बन रही हैं, विकास हो रहा है: मोदी

पटना, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
आज बिहार के 85 लाख से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जमुई में ही किसानों को इस योजना के तहत 850 करोड़ रुपए से अधिक उनके बैंक खाते में पहुंचे हैं। यह घमंडिया गठबंधन की सरकार होती तो क्या आपके खाते में सीधे पैसे भेजने की योजना बनती क्या? यह लोग आपके पैसे लूट लेते और आपसे हस्ताक्षर करवा लेते कि पैसा मिल गया है। एक-दूसरे को जेल में बंद करने की मांग करने वाले आपको डरा रहे हैं कि मोदी आया! भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, यह मोदी नहीं आया। 140 करोड़ देशवासियों का गुस्सा निकल कर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन शब्दों के साथ राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को सीधा जवाब दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस जमाने में गरीबों को नौकरी देने के नाम पर जमीन लिखवा ली जाती थी। नीतीश जी भी रेल

भ्रष्टाचारियों सुन लो, अब देशवासी गुस्से में है

मंत्री थे, उनपर तो कभी ऐसा दाग नहीं लगा। जिनकी पहचान अपहरण उद्योग की रही, वह सड़क नहीं बनने देते थे। वह बिहार को लालटेन युग में रखना चाहते हैं, जबकि हम नीतीश कुमार के साथ मिल कर बिहार में सड़क और हाइवे बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में जंगलराज से लेकर राम मंदिर तक की बात की। उन्होंने कहा कि जंगलराज में बेटियां बाहर नहीं निकल पाती थीं। उठा ली जाती थीं। कुछ भी अच्छा नहीं होने दिया जाता था। अपहरण ही उद्योग था। प्रधानमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर की चर्चा करते हुए कहा कि राजद-कांग्रेस ने राम मंदिर को बनने से रोकने में पूरी ताकत लगा दी थी। आज भी यह लोग राम मंदिर का उपहास करते हैं। इन्होंने हर मौके पर बिहार और बिहार के गौरव का अपमान किया है। यही लोग कर्पूरी ठाकुर का अपमान करते थे। हमारी सरकार ने बिहार के गौरव कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया तो इन लोगों ने विरोध किया। इन्हीं लोगों ने रामनाथ कोविंद जी को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया। आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु जी को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया था।

सपा के परिवारवाद से यूपी का हो चुका है मोहभंग

बरेली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चाचा-भतीजा परिवार से यूपी का मोहभंग हो चुका है। लोकतंत्र की भलाई के लिए परिवारवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि प्रचार के दौरान पार्टी की संस्कृति और संस्कार भी मतदाताओं तक पहुंचाएं।बुधवार को तीसरे चरण के चुनाव वाली लोकसभा सीटों के बूथ अध्यक्षों के साथ वर्चुअल संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरेली के बूथ-207 के अध्यक्ष राकेश कुमार से संगठन और सरकार के कामकाज की जानकारी ली। ▶9पर

एससीओ सम्मेलन में अजित डोभाल ने विश्व का किया आह्वान

आतंकवाद के संरक्षकों और प्रायोजकों को कुचलना जरूरी

कजाखस्तान, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल किस प्रखरता के साथ अपनी बात रखते हैं और किस तरह तथ्यों के साथ उसे स्पष्ट बताते हैं, उसका एक नमूना कजाकिस्तान के अस्ताना शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सुरक्षा सम्मेलन में देखने में आया। वहां आतंकवाद के संदर्भ में डोभाल ने चीन और पाकिस्तान को खरी खरी सुनाई और कठघरे में खड़ा किया। उनका कहना था कि जो भी आतंकवाद के संरक्षक, हमदर्द और प्रायोजक हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत है।

जेहादियों और षडयंत्रकारियों के खिलाफ एकजुट कार्रवाई होनी चाहिए

अस्ताना में शीर्ष सम्मेलन में आज के वातावरण को देखते हुए आतंकवाद का विषय बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल इस सम्मेलन में विशेष रूप से भाग ले रहे हैं। उन्होंने इस सम्मेलन में सीमा पार आतंकवादी हरकतों में लगे जेहादियों और उनके साथ खड़े साजिश रचने वालों को आड़े हाथों लेते हुए विश्व समुदाय से इनके विरुद्ध एकजुट होकर कार्रवाई करने का आह्वान किया।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के खतरे को जड़ मिटाने के लिए दोहरे मापदंडों को त्यागने की जरूरत है। सुरक्षा के मुद्दे पर आयोजित इस सम्मेलन में उनका ऐसा कहना स्पष्टत: आतंकवाद के प्रायोजक पाकिस्तान और उसके समर्थक चीन की तरफ था। इस मौके पर डोभाल ने यह भी कहा कि एससीओ सदस्य देश एक दूसरे की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय ▶9पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

सैन्य सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

लद्दाख में चीन के सामने डटकर खड़े हैं सैनिक

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारतीय सेना के कमांडरों के सम्मेलन 2 अप्रैल को दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और चीन के बीच तनाव को कैसे कम किया जाए, इसको लेकर बात की। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव का शांतिपूर्ण समाधान केवल सैनिकों की वापसी और तनाव में कमी से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक पूरी मजबूती के साथ सीमा की रक्षा के लिए खड़े हैं। दूसरा पक्ष प्रॉक्सी युद्ध लड़ रहा है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने की सेना की रणनीति सीएपीएफ, पुलिस बलों और सेना के बीच तालमेल की तारीफ की।

इस मौके पर सम्मेलन में संगठनात्मक पुनर्गठन, लॉजिस्टिक्स, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्वदेशीकरण के माध्यम से ▶9पर

इंडिया-आउट प्रदर्शन पर बांग्लादेशी पीएम का करारा जवाब

अपनी पत्नियों की भारतीय साड़ियां जलाओ तो जानें

बांग्लादेश की हालत भी मालदीव जैसी न हो जाए

ढाका, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
उनकी पत्नियों के पास कितनी भारतीय साड़ियां हैं? अगर वो लोग अपने दफ्तर के बाहर अपनी पत्नियों की साड़ियां जलाएंगे तभी ये बात सिद्ध होगी कि वे लोग भारतीय सामानों का बहिष्कार कर रहे हैं। ये शब्द हैं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के, जिन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे इंडिया-आउट अभियान पर यह कटाक्ष किया।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी इस्लामिक कट्टरपंथियों के समर्थन वाली पार्टी है। देश में आम चुनावों के वक्त से बीएनपी लगातार इंडिया-आउट कैंपेन ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,227.63
+350.81 +0.47% ↑
एनएसई :22,514.65
80.00 (0.36%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 41°
न्यूनतम : 27°

बांग्लादेश में हिंदुओं और बौद्धों पर हो रहा भीषण धार्मिक अत्याचार

अपराधियों की मौत पर रोने वाले हिंदू उत्पीड़न पर चुप

बांग्लादेश में हिंदुओं और बौद्धों पर भीषण जुल्म हो रहा है। लेकिन अपराधी अतीक और मुख्तार अंसारी की मौत पर आंसू बहाने वाले नेता बांग्लादेश में हो रहे धार्मिक अत्याचार पर आपराधिक मौन साधे बैठे हैं। बांग्लादेश में सिर्फ हिंदू नागरिक ही नहीं, बल्कि उनकी सम्पत्ति और मंदिर भी भीषण खतरे में हैं। स्थिति यह है कि इस्लामी आतंक के कारण

हिंदू सम्पत्ति और मंदिरों पर हो रहा है अंधाधुंध कब्जा

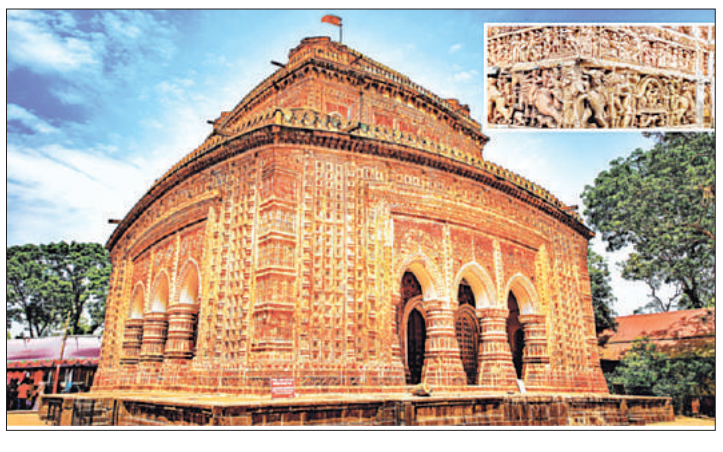

बांग्लादेश से हर साल 2,30,000 हिंदू पलायन कर रहे हैं। कट्टरपंथी मुसलमान हिंदुओं की सम्पत्ति के साथ हिंदू मंदिरों पर भी कब्जा कर रहे हैं। चटगांव जिले

शुभ-लाभ चिंता

के सीताकुंड स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ चंद्रनाथ मंदिर के बाद कट्टरपंथी अब दिनाजपुर जिले के कांतानगर में स्थित कांताजी मंदिर पर कब्जा करने का मामला सामने आया है। कांताजी मंदिर राधा-माधव संप्रदाय का मुख्य मंदिर है, जो दुनियाभर में हिंदुओं के बीच प्रसिद्ध है। जेहादी तत्व मंदिर की जमीन कब्जा कर उस पर तिमंजिला मस्जिद बना रहे हैं। हिंदुओं के विरोध के बाद जब यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठा, तो खाना-पूर्ति करते हुए प्रशासन ने 24 मार्च को मंदिर की भूमि पर सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी। लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हिंदू मंदिरों पर इस्लामी खतरे को देखते हुए अल्पसंख्यकों का प्रमुख संगठन बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 72,120/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,235/-
(प्रति किलोग्राम)

श्रीलंका से चेन्नई वापस लौटे 19 भारतीय मछुआरे भारतीय उच्चायोग ने रिहाई को लेकर कही यह बात

कोलंबो, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

श्रीलंका नौसेना द्वारा हिरासत में लिए गए करीब 19 भारतीय मछुआरों को रिहा किए जाने के बाद भारत वापस भेज दिया गया है। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए भारतीय उच्चायोग ने लिखा, घर वापसी! 19 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका से वापस लाया गया है और अब वे कोलंबो से चेन्नई जा रहे हैं। खास बात है कि 19 भारतीय मछुआरों की रिहाई कच्चातिवु द्वीप मुद्दे पर विवाद के बीच हुई है, जब भारत की सत्तारूढ़ भाजपा ने 1974 में इस छोटे से द्वीप को श्रीलंका को सौंपने के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराया था। क्या है मामला गौरतलब है कि श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले महीने के अंत में एक बयान में पुष्टि की थी कि 2024 में द्वीप राष्ट्र के जल क्षेत्र पर मछली पकड़ने के लिए 23 भारतीय ट्रॉलर और 178 भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया और उन्हें कानूनी कार्रवाई के अधिकारियों को सौंप दिया है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद विषय बता दें मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है, यहां तक कि श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की और श्रीलंकाई क्षेत्रीय जल में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। कच्चातिवु को लेकर पीएम मोदी ने लगाए थे आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कच्चातिवु द्वीप मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की भी आलोचना की। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकीर्ण पट्टी, दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मछली पकड़ने का मैदान है।

न्यूज ब्रीफ

कैलिफोर्निया पुलिस ने अपहरण पीड़िता को मारी गोली, मौत, पिता ने ही अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद अपहरण किया था

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया पुलिस ने एक 15 वर्षीय अपहरण पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अपने अपहरणकर्ता पिता से बचने के लिए पुलिस की ओर बढ़ी इस दौरान उसे गोली मार दी गई।

घटना सितंबर 2022 की बताई जा रही है जिसका वीडियो अब वायरल हो गया है जिसे देखकर लोग सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सवाना को उसके पिता एंथोनी जॉन ग्राज़ियानो ने अपनी पत्नी ट्रेसी मार्टिनेज की हत्या करने के बाद अपहरण कर लिया था। एंथोनी की कार को जब पुलिस ने रोक और नीचे कार से बाहर आने का इशारा किया जैसे ही सवाना कार से निकली और पुलिस के निदेर्शों का पालन कर रही थी तभी पुलिस अधिकारियों ने उसे गोली मार दी। जबकि एक अधिकारी लगातार विनती करता रहा, उसे गोली मारना बंद करो! वह कार में है! रुको! वह ठीक है! वह कार में है! ...रुको! वीडियो लगभग दो साल बाद जारी किया गया क्योंकि शेरिफ के प्रतिनिधियों ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने पहले दावा किया था कि 15 वर्षीय सवाना को गोली मार दी गई थी क्योंकि उसने सामरिक उपकरण पहने हुए थे और जवाबी फायरिंग की थी। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, फुटेज से यह साबित होता है कि वह कोई हथियार नहीं ली हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि सैन बर्नाडिनो काउंटी के प्रतिनिधियों ने एंथोनी ग्राज़ियानो के ट्रक को रोकने की कोशिश की, जब उनके पिता ने उन पर गोलीबारी की, जिनके पास अर्ध-स्वचालित हथियार था। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने दावा किया कि सवाना वाहन से गोलीबारी भी कर रही होगी। 15 साल की सवाना फिर कार से बाहर निकलती है और एक अधिकारी रेडियो पर कहता है, लड़की बाहर है। वह नीचे झुकती है लेकिन तेजी से अधिकारियों की ओर बढ़ने लगती है तभी अचानक गोली चलने की आवाज आती है और फुटेज में ग्राजियानो का शरीर धुंधला हो जाता है। एक नए हवाई फुटेज से पता चलता है कि सवाना धीमी गति से चल रही थी और उसकी पोशाक स्पष्ट नहीं थी।

जिंदगी को पटरी पर लाने की कवायदः भूकंप के बाद ताइवान में बचाव कार्य तेज, गिराई जा रहीं क्षतिग्रस्त इमारतें

ताइवान । ताइवान में तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यहां 25 वर्षों में आए सबसे भीषण भूकंप में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 1,038 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, भूकंप के कारण 52 लोग लापता भी हो गए हैं। भूकंप के कारण हुए नुकसान के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। पार्क या अन्य जगहों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों में भेजने के लिए बचावकर्मी ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए लोगों की तलाश कर रहे हैं। बड़ी-बड़ी इमारतें धराशायी हो गईं हुलिएन और पूर्वी तट के किनारे बचाव कार्य जारी है। यहां भूकंप के झटकों के कारण निचली मंजिलें ढह जाने के कारण दर्जनों इमारतें धराशायी हो गए। ब्रिज और टनल नष्ट हो गए और भूस्खलन के कारण सड़के भी क्षतिग्रस्त हो गईं। बचाल दल के कर्मी हुलिएन शहर में क्षतिग्रस्त इमारतों को गिरा रहे हैं। भूकंप के झटके ने ताइपे में चिंता बढ़ा दी भूकंप के कारण 2.3 करोड़ की आबादी वाले देश में इमारतें झुक गईं, विद्यार्थियों को स्कूल से निकाल कर खेल के मैदान में ले जाया गया। ताइवान के भूकंप निगरानी एजेंसी के अधिकारी कम तीव्रता वाले झटके की उम्मीद कर रहे थे, जिस वजह से अधिकारियों ने अलर्ट जारी नहीं किया था। हालांकि, 7.4 की तीव्रता से भूकंप के झटके ने राजधानी ताइपे में चिंता बढ़ा दी। यहां की इमारते बुरी तरह से हिल गई थी।

एआई इनफ्लूएंसर से लोगों में मची खलबली, लग रहा एआई से नौकरियां गंवाने का डर

मैड्रिड । स्पेन के एक टीवी शो में एल्बा रेनाई नाम की एक आकर्षक डिजिटल इन्फ्लूएंसर को लोकप्रिय रियलिटी शो सर्वाइवर के स्पेनी संस्करण के खास हिस्से का प्रस्तुतकर्ता बनाया जा रहा है। यह लोकप्रिय इन्फ्लूएंसर वास्तव में कोई इंसान नहीं है, बल्कि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस से तैयार की गई है। इससे लोगों लगने लगा है कि एआई लोगों की नौकरी खाने वाला है। एल्बा को पिछले साल के अंत में टेलीविजन की बड़ी कंपनी मीडियासेट स्पेन के उपक्रम बी अ लायन ने बनाया था। हाल ही में उसकी लोकप्रियता बहुत ही अधिक बढ़ गई है और वह इंटरनेट सेलिब्रिटी बन गई है। पूरी तरह से इंसान दिखाई देने वाली इस इंफ्लूएंसर को एक ऐसे अवतार के तौर पर बनाया गया है जो ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित कर सके। प्रयोग पूरी तरह से सफल रहा है और एल्बा के एक हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया मंच पर एल्बा ने ऐलान किया कि वह स्पेनिश टीवी पर आर रही है।

बोत्सवाना की धमकी- जर्मनी में भेज देंगे 20 हजार हाथी

राष्ट्रपति बोले- ये लोगों को कुचल रहे जर्मनी ने कहा था-इनका शिकार बैन हो

गैबोरोन, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बोत्सवाना के राष्ट्रपति मोकग्वेत्सी मासीसी ने जर्मनी को 20 हजार हाथी भेजने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है, जर्मनी के लोगों को भी हाथियों के साथ मिलकर रहने का अनुभव लेना चाहिए, जैसा वो हमें करने के लिए कह रहे हैं। हम जर्मनी को यह तोहफा देना चाहते हैं और हम न नहीं सुनेंगे।

दरअसल, इस साल की शुरुआत में जर्मनी के पर्यावरण मंत्री ने हाथियों के संरक्षण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि इसके लिए बोत्सवाना जाकर हाथियों का शिकार करने और फिर उसे इम्पोर्ट करने पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

इसी का विरोध करते हुए बोत्सवाना के राष्ट्रपति ने जर्मनी को यह धमकी दी है। राष्ट्रपति मासीसी ने कहा, संरक्षण की कोशिशों की वजह से बोत्सवाना में हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वे देश में फसलें बर्बाद कर रहे हैं, लोगों और खासकर छोटे बच्चों को कुचल रहे हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे अफ्रीकी लोग भूखे मर रहे हैं।

हाथियों के **शिकार के बदले फीस लेती है बोत्सवाना की सरकार** - दरअसल, दुनिया में हाथियों की आबादी का एक तिहाई हिस्सा बोत्सवाना में रहता है। यहां इनकी संख्या 1 लाख 30 हजार से ज्यादा है। यह भारत में हाथियों की आबादी से 4 गुना ज्यादा है। पश्चिमी देशों और खासकर जर्मनी से लोग बोत्सवाना जैसे कई अफ्रीकी देशों में हाथियों के शिकार के लिए जाते हैं। इसके लिए यहां की सरकारें शिकारियों से हजारों डॉलर की फीस वसूलती हैं।

इन पैसों का इस्तेमाल हाथियों की सुरक्षा और क्षेत्रीय लोगों की जीविका के लिए किया जाता है। हाथियों का शिकार करने के बाद विदेशी इनके सिर और खाल को ट्रॉफी की तरह अपने देश वापस ले जाते हैं। इन्हें हंटिंग ट्रॉफी कहा जाता है। हालांकि, कई एनिमल राइट्स ग्रुप इस व्यवस्था का विरोध करते हुए इस पर प्रतिबंध की मांग करते हैं।

ब्रिटेन को भी 10 हजार हाथी भेजने की धमकी दी थी - ब्रिटेन में भी 2019 के चुनाव के दौरान पीएम सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी ने दूसरे देश जाकर हाथियों के शिकार पर बैन लगाने के मुद्दे को अपने चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा बनाया था। इसके बाद इस साल मार्च में ब्रिटिश सांसदों ने हंटिंग ट्रॉफी पर बैन लगाने से जुड़ा एक बिल पास किया था।

इस पर बोत्सवाना के वन्यजीव मंत्री मथिम्खुलु ने पिछले महीने ब्रिटेन को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था, हम लंदन के हाइड पार्क में 10 हजार हाथी भेज देते हैं। इससे वहां के लोगों को भी पता चलेगा कि हाथियों के साथ रहना कैसा होता है। बोत्सवाना के कुछ इलाकों में लोगों से ज्यादा हाथी रहते हैं। ये अपने रास्ते में आने वाली फसलों के साथ ही छोटे बच्चों को भी कुचल देते हैं।

बोत्सवाना के साथ ही जिम्बाब्वे और नामीबिया जैसे देशों ने हाथी के दांत को बेचने की भी इजाजत मांगी है, जिससे वो हाथियों से परेशान अपने नागरिकों को पैसे कमाने का एक और जरिया दे सकें।

बोत्सवाना ने हाथियों के शिकार के लिए कोटा तय किया - बोत्सवाना में साल 2014 में हंटिंग ट्रॉफी पर बैन लगा दिया गया था। इसके बाद हाथियों की तादाद तेजी से बढ़ने लगी। क्षेत्रीय समुदायों की तरफ से दबाव बढ़ने के बाद साल 2019 में इस व्यवस्था को फिर शुरू किया गया। अब बोत्सवाना में हाथियों के शिकार के लिए सालाना एक कोटा तय किया जाता है।

देश में हाथियों की आबादी पर कंट्रोल करने के लिए कुछ समय पहले ही बोत्सवाना ने पड़ोसी देश अंगोला को 8 हजार हाथी दिए थे। इसके अलावा उन्होंने मोजाम्बीक को भी सैकड़ों हाथी देने की पेशकश की है। हाथियों के संरक्षण की मांग के बीच अब तक ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और बेल्जियम ऐसे देश हैं जो इनके शिकार और ट्रेड पर बैन लगा चुके हैं।

प्रेमी के साथ मिलकर बच्चे का दुष्कर्म करने वाली शिक्षिका पर लगा प्रतिबंध, अब कभी नहीं पढ़ा सकेगी

लंदन, 04 अप्रैल ।

ब्रिटेन की जेल में बंद एक पूर्व शिक्षिका को बड़ी सजा सुनाई गई है। अब वह फिर से कभी पढ़ा नहीं सकेगी। उसे स्थायी रूप से शिक्षण पेशे में लौटने से रोक दिया गया है। दरअसल, एक प्राथमिक स्कूल में उप प्रमुख के रूप में काम करने के दौरान शिक्षिका ने एक बच्चे का दुष्कर्म किया था। सेफगार्डिंग का काम करती थी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जूली मॉरिस उस वक्त टाइल्डस्ले में सेंट जॉर्ज सेंट्रल प्राइमरी स्कूल में सेफगार्डिंग लीड के तौर पर काम करती थी, जब उसने अपने प्रेमी डेविड मॉरिस के साथ मिलकर इस कृत्य को अंजाम दिया था। टीचिंग रेगुलेशन एजेंसी के पास गया मामला मॉरिस को दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के बाद इस मामले को टीचिंग रेगुलेशन एजेंसी (टीआरए) को भेजा गया था। मामले की समीक्षा के लिए इस साल 19 फरवरी को तीन व्यक्तियों का एक पैनल बुलाया गया था। इसलिए लिया फैसला वहीं, जूली ने कार्यवाही को सार्वजनिक न कराने का अनुरोध किया था। इस पर उसके बिना उपस्थित हुए कार्यवाही हुई। पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि मॉरिस की हरकतें एक शिक्षक होने के साथ मौलिक रूप से असंगत थीं। इसके बाद फैसला लिया गया कि वह अब फिर कभी शिक्षण पेशे में नहीं लौट सकती है। पैनल ने एक रिपोर्ट में कहा, जूल एक सेफगार्डिंग के तौर पर स्कूल में काम कर रही थीं। इससे उनका अपराध और अधिक चौंकाने वाला है। भले ही स्कूल में इस कृत्य को अंजाम नहीं दिया गया था। मगर उनका काम बच्चों को सुरक्षा देना था, तब वह खुद एक बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करने में लगी हुई थी।

फिर से दोहरा सकती है अपमानजनक व्यवहार

यह भी पाया कि अगर मॉरिस फिर से अपने पेशे में लौटती हैं तो फिर वह ऐसे अपमानजनक व्यवहार को दोहरा सकती हैं। उनका फिर से वापस स्कूल में लौटना खतरनाक हो सकता है। साथ ही पैनल ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि उससे जबरन ऐसा कृत्य कराया जा रहा था। पैनल में शामिल डेविड ओटले ने रिपोर्ट में कहा, उसके खिलाफ साबित हुए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मैंने फैसला किया है कि मॉरिस फिर से पढ़ाने के लिए अपनी पात्रता की बहाली के लिए आवेदन करने की हकदार नहीं होंगी।

इमरान खान की रिहाई को लेकर होने वाली पीटीआई की रैली रद्द, पार्टी ने बताई वजह

इस्लामाबाद, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ इस्लामाबाद में 6 अप्रैल को एक विशाल रैली का आयोजन करने वाली थी। अब खबर आई है कि पार्टी ने अपनी ये रैली रद्द कर दी है। पार्टी ने रैली रद्द करने की वजह धार्मिक बताई है। पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गौहर अली खान ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि रैली के समय लैलत उल कद्र का दिन पड़ रहा है, जिसकी वजह से पार्टी ने रैली रद्द करने का फैसला किया है। लैलत उल कद्र की रात का रमजान के महीने में विशेष धार्मिक महत्व है।

हाईकोर्ट ने दी थी रैली की मंजूरी

बैरिस्टर गौहर अली खान ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिहाई के लिए दुआ करें। पीटीआई ने इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर विशाल रैली आयोजित करने का एलान किया था। इमरान खान को बीते साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। पीटीआई ने इस रैली के लिए इस्लामाबाद हाईकोर्ट से मंजूरी भी ले ली थी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने भी प्रशासन को पीटीआई की रैली के लिए इंतजाम करने का निर्देश दिया था।

तोशाखाना मामले में राहत मिलने के बाद पीटीआई ने रद्द की रैली

हाईकोर्ट ने कहा था कि पीटीआई को रैली करने का अधिकार है और किसी भी पार्टी से उसका ये अधिकार नहीं छीना जा सकता। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की जेल की सजा को बर्खास्त कर दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के दो दिन बाद ही पीटीआई ने इस्लामाबाद में होने वाली अपनी रैली रद्द कर दी। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को बीती 31 जनवरी को तोशाखाना मामले में 14 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

ईरान के चाबहार में आतंकी हमला, 27 की मौत, इनमें 11 सुरक्षाकर्मी भी शामिल

तेहरान, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के चाबहार और रस्क शहर में आतंकी हमला हुआ है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 11 सुरक्षाकर्मियों और 16 आम नागरिकों की मौत हुई है। वहीं करीब 10 सिक्योरिटी अधिकारी घायल हुए हैं। ईरान के स्टेट मीडिया ने बताया कि हमला बुधवार रात को हुआ था। हालांकि इसकी जानकारी अब सामने आई है। हमले को जैश-अल-अदल के आतंकियों ने अंजाम दिया। मरने वालों में 2 पुलिस अधिकारी, 2 बॉर्डर गार्ड्स और 7 सैनिक शामिल हैं। ईरान के डिप्टी आंतरिक मंत्री माजिद मीराहमादी ने बताया कि आतंकी चाबहार में मौजूद बॉर्डर गार्ड्स के हेडक्वार्टर पर कब्जा करना चाहते थे।हालांकि वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। ईरान के मीडिया आईआरएनए ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अब तक 15 आतंकियों को मार गिराया है। ईरान में हुए हमले की पाकिस्तान ने निंदा की है। पाकिस्तानी राजदूत मुदस्सिर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, ईरान पर हुए 2 आतंकी हमलों में कई सुरक्षा अधिकारी मारे गए। हम आतंक के खिलाफ लड़ाई में ईरान के साथ हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ लगी ईरान की सीमाओं पर लंबे समय से आतंकी हमले होते रहे हैं। इस दौरान कई बार ईरान के सैनिकों की सुन्नी आतंकवादियों और ड्रग्स तस्करों से झड़प भी हुई है। पिछले साल दिसंबर में आतंकियों ने ईरान के रस्क शहर में ही एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। इसमें 11 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। ईरान ने 16 जनवरी को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जैश-अल-अदल आतंकी संगठन के 2 ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस हमले में 2 बच्चों की मौत हो गई। इस हमले के अगले ही दिन पाकिस्तान ने ईरान में बलूच लिबरेशन आर्मी के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाक ने दावा किया था कि सिस्तान-बलूचिस्तान में एयरस्ट्राइक में कई आतंकी मारे गए। ईरान एक शिया बहुल देश है। ऐसे में पाकिस्तान के सुन्नी संगठन ईरान का विरोध करते रहे हैं। इन्हीं में से एक है बलूचिस्तान का जैश अल अदल संगठन।

बाइडन को पीछे छोड़ते दिखाई दे रहे ट्रंप, सात में से छह राज्यों की पसंद बने पूर्व राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर है। इस बीच सामने आए एक ओपिनियन पोल ने चौंकाने वाला दावा किया है। बताया जा रहा कि बाइडन सात में से छह राज्यों में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी ट्रंप से पीछे चल रहे हैं।

इन राज्यों में ट्रंप लोगों की पसंद

वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा कराए गए सर्वे में पता चला है कि मतदाता बड़ी संख्या में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। इसके अलावा, यहां के लोगों को बाइडन की क्षमता पर भी संदेह हैं। डोनाल्ड ट्रंप छह राज्यों पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, एरिजोना, जॉर्जिया, नेवाडा और नॉर्थ कैरोलिना में दो से आठ प्रतिशत अंकों से आगे चल रहे हैं। हालांकि, विस्कॉन्सिन में बाइडन तीन अंक आगे चल रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति को यहां पसंद नहीं किया गया था

इतना ही नहीं सर्वे में सामने आया है कि हर राज्य में राष्ट्रपति बाइडन के काम को पसंद नहीं करने वाले ज्यादा लोग हैं। वहीं, इसके उलट ट्रंप जब राष्ट्रपति थे तब उन्हें केवल एक राज्य एरिजोना में पसंद नहीं किया जाता था। रियल क्लियर पॉलिटिक्स के अनुसार, ट्रंप और बाइडन के बीच कड़ी टक्कर है। प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत से पता चलता है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप बाइडन से 0.8 प्रतिशत अंक आगे हैं।

दोनों के बीच कड़ी टक्कर

बाइडन और ट्रंप दोनों पिछले महीने आसानी से अपनी पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए थे, लेकिन प्रत्येक उम्मीदवार को 2020 के मुकाबले में एक लंबे और कठिन अभियान का सामना करना पड़ेगा।

डोनाल्ड ट्रंप देते रहते हैं विवादित बयान

इससे पहले, ओहायो के डायटन में एक रैली को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, हम सीमा पार आने वाली हर कार पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने जा रहे हैं और अगर मैं चुना जाता हूं तो आप उसे बेच नहीं पाएंगे। अगर अब मैं चुना नहीं जाता हूं तो यहां खून-खराबा होगा। कम से कम यह होगा ही। खून-खराबा देश के लिए होने जा रहा है।

हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के इस बयान का क्या आशय था। दरअसल, जिस समय उन्होंने यह चेतावनी दी उस सनय वह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति वाहन उद्योग के बारे में शिकायत कर रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह फिर से चुने जाते हैं तो चीन अमेरिका में आयातित किसी भी वाहन को बेचने में सक्षम नहीं होगा।

बाइडन के अभियान का हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रचार अभियान के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान की निंदा की थी। साथ ही इस बात पर जोर दिया था कि अमेरिका की जनता उन्हें राष्ट्रपति चुनाव नहीं जिताएगी। सिंगर ने कहा था, अमेरिकी जनता उन्हें नवंबर में एक और चुनावी हार देने जा रही है क्योंकि वे उनके चरमपंथ, हिंसा के प्रति उनका प्यार और बदला लेने की उनकी आदत को खारिज करते रहेंगे।

संजय निरुपम ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया, तब पार्टी ने निकाला

मुंबई, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद संजय निरुपम ने गुरुवार को पार्टी से निकाले जाने को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष किया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने ऐसा उनकी ओर से अपना इस्तीफा भेजने के बाद किया गया। पार्टी को कार्रवाई के लिए ए-4 साइज का पेपर बर्बाद करने की जरूरत नहीं थी। इससे पहले अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानों की शिकायतों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार देर शाम निरुपम को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने का फैसला किया था।

इसके बाद गुरुवार सुबह मुंबई कांग्रेस के पूर्व प्रमुख निरुपम ने कहा, ऐसा लगता है कि कल रात मेरा इस्तीफा पत्र मिलने के तुरंत बाद उन्होंने मेरा निष्कासन जारी करने का फैसला किया। ऐसी तत्परता देखकर अच्छा लगा। इससे पहले खड़गे को लिखे पत्र में निरुपम ने कहा था कि मैंने आखिरकार आपकी बहुप्रतीक्षित इच्छा को पूरा करने का फैसला किया है। मैं एलान करता हूं कि मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

संजय निरुपम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस आलाकमान पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मैंने कल एक घोषणा की और लगभग 10:40 बजे मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेज दिया। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई पार्टी है और पार्टी के नेताओं ने भी कहा है कि इसकी विचारधारा दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी में एक पावर सेंटर हुआ करता था, लेकिन इस समय कांग्रेस पार्टी में पांच पावर सेंटर हैं और पांचों की अपनी लॉबी है जो आपस में टकराती रहती है। इन पांचों सेंटर में सबसे पहले सोनिया गांधी हैं, दूसरे सेंटर में राहुल गांधी, तीसरे में प्रियंका गांधी, चौथे में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और आखिरी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल हैं। यह सब अपने प्रकार से राजनीति कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि संजय निरुपम मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे। हालांकि, आगामी संसदीय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) ने इस सीट से अपने उम्मीदवार का एलान कर दिया था। इसके बाद निरुपम ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान मुंबई की सीटें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को देने के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना शुरू कर दी। इस पर बुधवार को कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची से निरुपम का नाम हटा दिया।

इसके बाद निरुपम ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है, इसलिए उसे खुद को बचाने के लिए स्टेशनरी और ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। मुंबई उत्तर से पूर्व सांसद ने यह भी कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को शिवसेना (यूबीटी) द्वारा खुद को कमजोर नहीं होने देना चाहिए।

मुंबई उत्तर से पूर्व सांसद निरुपम ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) द्वारा मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से चार पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद बयान दिया था। निरुपम ने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को खुद को शिवसेना (यूबीटी) के सामने झुकने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। संजय निरुपम ने शिव-सेना की सूची पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा था वे मुंबई में पांच सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और एक दान के रूप में कांग्रेस के लिए छोड़ देंगे। यह निर्णय मुंबई में कांग्रेस को खत्म करने के लिए है। मैं इस निर्णय की निंदा करता हूं।

निरुपम ने कहा कि ठाकरे ने एकतरफा उम्मीदवारों की घोषणा करके गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया। कांग्रेस नेता ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से अमोल कीर्तिकर को प्रत्याशी बनाए जाने का भी विरोध किया। अमोल खिचड़ी ठेका घोटाले में आरोपी हैं और इसके लिए ईडी द्वारा उनकी जांच की जा रही है। पूर्व शिवसैनिक निरुपम ने 2005 में शिवसेना छोड़ दी। उन्होंने उत्तर भारतीय फेरीवालों का मुद्दा उठाया और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। 2009 में उन्होंने मुंबई उत्तर सीट से चुनाव लड़ा और जीते। निरुपम 2014 में उसी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के गोपाल शेट्टी के खिलाफ चुनाव हार गए थे।

राष्ट्रपति ने लॉन्च की कैंसर की स्वदेशी सेल थेरेपी

मुंबई, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। पवई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कैंसर के इलाज के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सीएआर टी-सेल थेरेपी की शुरुआत की। आईआईटी बॉम्बे और टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा विकसित यह जीन-आधारित थेरेपी विभिन्न प्रकार के कैंसर को ठीक करने में मदद करेगी।

द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में साल 2019 में लगभग 12 लाख नए कैंसर के मामले और 9.3 लाख मौतें दर्ज की गई थीं। भारत, एशिया में इस बीमारी के बोझ वाल दूसरा सबसे बड़ा देश है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि सीएआर टी-सेल थेरेपी से कैंसर के उपचार में मदद मिल सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में तकनीक विकास और एआई के चलते कैंसर के इलाज में बड़ी सफलता मिली है, हालांकि आम लोगों तक इसकी पहुंच अधिक लागत के कारण मुश्किल रही है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इन नई थेरेपी की मदद से कैंसर का इलाज आसान हो सकेगा। थेरेपी के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति ने कहा, हमारे पास अपने-अपने क्षेत्रों में भारत के दो अग्रणी अनुसंधान संस्थान हैं, जो मानवीय उद्देश्य के लिए उद्योग के साथ हाथ मिलाकर काम रहे हैं। इस स्वदेशी थेरेपी के बारे में नई बात यह है कि इसकी लागत अन्य जगहों पर उपलब्ध थेरेपी की तुलना में 90 प्रतिशत कम है। यह दुनिया की सबसे सस्ती सीएआर-टी सेल थेरेपी है। इसके अलावा, यह मेक इन इंडिया पहल का भी एक उदाहरण है जो आत्मनिर्भर भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि इस थेरेपी की मदद से आने वाले समय में कैंसर से मुकाबले के लिए देश को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बताया गया है कि यह थेरेपी देश भर के प्रमुख कैंसर अस्पतालों में उपलब्ध होगी, जिससे रोगियों और उनके परिवारों को नई आशा मिलेगी। इसके अलावा, यह किफायती उपचार दुनियाभर के सभी रोगियों के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। यह हमारे वसुधैव कुटुंबकम के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। कैंसर से मुकाबले के लिए हमें एकजुटता और दृढ़ संकल्प की जरूरत है, हमें उम्मीद है कि इस तरह के नवाचार से हमारे लक्ष्य में मदद मिल सकेगी।

वायुसेना के हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग, पायलट सुरक्षित

लेह, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को लद्दाख में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान उतार-चढ़ाव वाले इलाके और अधिक ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्टर को नुकसान पहुंचा है। हालांकि इसमें सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। वायुसेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार को हुई।

वायुसेना ने घटना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। आईएएफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, आईएएफ के अपाचे हेलीकॉप्टर ने 3 अप्रैल को लद्दाख में एक परिचालन प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एहतियाती लैंडिंग की। इस लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान, उतार-चढ़ाव वाले इलाके और उच्च ऊंचाई के कारण इसे नुकसान हुआ। इसमें कहा गया, विमान पर सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें निकटतम एयरबेस पर ले जाया गया है। कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।

कच्चातिवु को लेकर जयशंकर ने डीएमके पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कच्चातिवु को लेकर दिए गए बयान के बाद से ही राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई है। तमाम दलों के बीच बयानबाजी का दौरा शुरू हो गया है। इस बीच डीएमके पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने दावा किया कि तत्कालीन केंद्र सरकार के साथ डीएमके ने पांच दशक पहले बातचीत की थी, बाद में जो निर्णय लिया गया उसमें भी उन्होंने सहमति दिखाई थी।

डीएमके पर कटाक्ष करते हुए जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि जो सबसे खास है वह यह है कि तमिलनाडु के लोगों को सच्चाई पता होनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आखिर क्या हुआ था। कच्चातिवु द्वीप को लेकर जो भी निर्णय लिया गया, उसे पूरी तरह से गुप्त रखा गया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि डीएमके पूरी तरह से इस निर्णय में शामिल थी।

आरटीआई के जरिए सार्वजनिक हुए दस्तावेजों का हवाला देते हुए जयशंकर ने कहा कि सब जानते है कि गुप्त रूप से जो समझौता उन्होंने किया था, वो सार्वजनिक रूप से उसे स्वीकार नहीं करेंगे। तमिलनाडु में मछुआरों की दशा के लिए डीएमके और तत्कालीन केंद्र सरकार ही जिम्मेदार है। द्वीप का मुद्दा अक्सर संसद में उठाया जाता है और केंद्र और राज्य सरकार के बीच लगातार पत्राचार का विषय रहा है।

इससे पहले 01 अप्रैल को जयशंकर ने दावा किया था कि कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर उदासीनता दिखाई जैसे कि उन्हें इसकी परवाह नहीं थी और इसके विपरीत कानूनी विचारों के बावजूद उन्होंने भारतीय मछुआरों के अधिकारों को छोड़ दिया। उनका कहना था कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने समुद्री सीमा समझौते के तहत 1974 में श्रीलंका को दिए गए कच्चातिवु को छोटा द्वीप और छोटी चट्टान करार दिया था और कहा था कि यह मुद्दा अचानक नहीं उठा है। हमेशा एक जीवंत मामला था।

केजरीवाल सीएम बने रहेंगे, दूसरी याचिका भी खारिज

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें केजरीवाल को दिल्ली के सीएम पद से हटाने की मांग की थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की मांग वाली एक अन्य जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। दलीलों के दौरान, दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है। हिंदू सेना नामक संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर याचिका में दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए उन्हें सीएम पद से हटाने की मांग की गई थी।

हालांकि, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि यह केजरीवाल का निजी फैसला होगा कि उन्हें मुख्यमंत्री बने रहना है या नहीं। फिर भी, पीठ ने एक सूक्ष्म संकेत जरूर दिया।

इसमें टिप्पणी की गई कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है लेकिन यह उनका (केजरीवाल का) निजी फैसला है। न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले पर निर्णय नहीं ले सकता है। इस मुद्दे पर निर्णय लेना दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) या भारत के राष्ट्रपति पर निर्भर है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें हमारी सलाह की जरूरत नहीं है। एलजी कानून के अनुसार ही काम करेंगे। याचिका दाखिल करने वाले विष्णु गुप्ता ने कोर्ट में कहा कि अब वो इस याचिका को वापस लेना चाहते हैं। अब उपराज्यपाल के पास अपनी अपील दाखिल करेंगे।

अरविंद केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल फिलहाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। बुधवार को केजरीवाल की याचिका पर तीन घंटे तक सुनवाई चली। हालांकि हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट इस पर आज फैसला कर सकता है कि केजरीवाल को जमानत दी जाए या नहीं।

पीएम की सुरक्षा चूक में पूर्व सीएम चन्नी का हाथ!

लुधियाना, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस को अलविदा कह भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला रोके जाने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने इसके पीछे कांग्रेस का हाथ होने की बात कही है।

बिट्टू ने दावा किया कि पांच फरवरी 2022 को फिरोजपुर के प्यारेआणा गांव के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफिला रुकवाना पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी की शरारत थी। उनके ही इशारे पर 15 से 20 लोगों का काफिला सड़क पर धरना लगाने गया था और वहां से पीएम मोदी का काफिला वापिस घुमाना पड़ा था।

बिट्टू के इस दावे से पूर्व सीएम चन्नी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चन्नी लगातार पीएम की सुरक्षा चूक की बात को ही दरकिनार करते रहे हैं। बिट्टू ने यह भी कहा कि उस दिन अगर पीएम को नहीं रोका जाता तो हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेशों की तरह पंजाब को बॉर्डर स्टेट के नाते इंडस्ट्री में छूट मिलने वाली थी। पीएम मंडी गोबिंदगढ़ को इंडिया का स्टील हब बनाना चाहते थे। मोहाली में आईटी हब बनना था लेकिन चन्नी की वजह से पंजाब का नुकसान हो गया।

उल्लेखनीय है कि पांच फरवरी 2022 को पीएम नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर में रैली करने जाते समय कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया था।

पीएम मोदी 15-20 मिनट फ्लाईओवर पर फंसे रहे। भाजपा ने इसे पीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक बताया था। बाद में बठिंडा एयरपोर्ट पर पीएम ने अफसरों से कहा था कि अपने सीएम को धन्यवाद कहना कि मैं जिंदा लौट पाया। गृह मंत्रालय ने इस मामले में पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था।

मामले के बाद तत्कालीन सीएम चन्नी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जान को खतरा बताने का मकसद राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराना है। चन्नी ने कहा था कि जब प्रदर्शनकारी उनसे एक किलोमीटर से ज्यादा दूर थे तो पीएम की जान को खतरा कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहां पीएम का काफिला रुका, वहां एक नारा भी नहीं लगा, न ही कोई पत्थर उछाला गया और न ही कोई उनके पास पहुंचा तो उनकी जान को खतरा कैसे हो गया।

देश का विचित्र कानून : छेड़खानी करने पर बड़ा अफसर ट्रांसफर, सिपाही बर्खास्त

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के दो बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ में तकरीबन एक जैसे दो मामले सामने आए हैं। दोनों मामले यौन शोषण से जुड़े हैं।

दोनों मामलों में की गई कानूनी कार्रवाई परस्पर-विरोधी है। सीआरपीएफ के एडीजी और उत्तर प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस बिनोद कुमार सिंह को केवल इतनी सजा मिली कि तो उन्हें निर्धारित समय से पहले उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया। अब बात आती है बीएसएफ के सिपाही की। बीएसएफ की समरी सिक्योरिटी फोर्स कोर्ट ने आरोपी सिपाही श्रीनिवास को नौकरी से ही बर्खास्त कर दिया।

राजस्थान के बाड़मेर में बीएसएफ की 76वीं बटालियन में तैनात सिपाही जीडी श्रीनिवास, पर आरोप लगा था कि उसने महिला सिपाही कुक के साथ छेड़छाड़ की और उसे आई लव यू कहा। बीएसएफ ने इसे यौन शोषण का केस माना। बीएसएफ एक्ट 1968 सेक्शन 46, रीड विद् 354ए (1) आईपीसी के तहत कार्रवाई कर दी गई।

सीमा सुरक्षा बल की समरी सिक्योरिटी फोर्स कोर्ट ने आरोपी सिपाही श्रीनिवास को नौकरी से निकाल दिया। जानकारों का कहना है कि अगर इस मामले में आईपीसी की धाराएं लगाई गई हैं, तो उस स्थिति में साक्ष्य अधिनियम लागू होता है। ऐसे मामले में आरोप को साबित करना बेहद मुश्किल होता है। सिपाही को नौकरी से निकाले जाने के आदेश में महिला कर्मी द्वारा शिकायत देने का कहीं कोई जिक्र नहीं है। हालांकि सिपाही श्रीनिवास को यह छूट दी गई है कि वह आईजी बीएसएफ गुजरात सेक्टर के दफ्तर में अपील कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस बिनोद कुमार सिंह, जो सीआरपीएफ में नॉर्थ ईस्ट जोन के एडीजी थे, उनसे जुड़ा है। उन पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा। आरोप में कहा गया है कि गुवाहाटी के एलजीबीआई एयरपोर्ट पर सीआरपीएफ एडीजी ने महिला कर्मी को जबरदस्ती खींचकर आलिंगन किया था। उन्होंने महिला कर्मी की मुस्कान, दांत और होठों को लेकर टिप्पणी की। एलजीबीआई एयरपोर्ट गुवाहाटी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में मामला सही पाया गया। जब इस मामले की दिल्ली तक पहुंची, तो केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस को उनके मूल कैडर में भेज दिया।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड ने डीआरडीओ के साथ मिलकर नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण ओड़ीशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप पर कल शाम करीब सात बजे किया गया। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत अग्नि प्राइम मिसाइल को देश ही में विकसित किया गया है। इससे पहले बीते साल 7 जून को भी डीआरडीओ ने अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के दौरान अग्नि प्राइम मिसाइल ने अपने सभी मानकों और उद्देश्यों को पूरा किया। परीक्षण के दौरान विभिन्न सेंसर लगाए गए थे, जिनमें मिसाइल परीक्षण से संबंधित डाटा इकट्ठा किया गया। मिसाइल परीक्षण के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान, स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड के प्रमुख समेत डीआरडीओ के

कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अग्नि मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, स्ट्रैटेजिक फोर्सेस को बधाई दी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइल के सफल परीक्षण से सुरक्षा बलों को मजबूती मिलेगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान और डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने भी अग्नि प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर बधाई दी।

अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल एक मध्यम दूरी की मिसाइल है, जिसकी रेंज करीब 1200-2000 किलोमीटर के बीच है।

यह मिसाइल अपनी सटीकता के लिए जानी जाती है। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल पर 1500 से 3000 किलो तक वॉरहेड ले जाए जा सकते हैं। इस मिसाइल का वजन करीब 11 हजार किलोग्राम है। अग्नि मिसाइल सीरीज की यह सबसे नई और छठी मिसाइल है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत इस मिसाइल को विकसित किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, नाग और आकाश जैसी मिसाइलें विकसित की गई हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे।
आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार-मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों- और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफ़ी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं ।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 05 अप्रैल 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:31 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 06:07 तक
योग : साध्य प्रात: 09:54 तक
करण : बालव दोपहर 01:31 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रात: 07:13 तक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पापमोचनी एकादशी व्रत, पंचक आरंभ प्रात: 07:13 से, खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ भाजपा में शामिल

मैं सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकता

उदयपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और थोड़ी देर बाद ही भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज जिस प्रकार से दिशाहीन होकर आगे बढ़ रही है, उसमें मैं खुद को सहज महसूस नहीं कर पा रहा। मैं न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकता हूं और न ही सुबह-शाम देश के वेल्थ क्रिएटर्स को गाली दे सकता। इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में वल्लभ ने लिखा, नमस्कार! भावुक हूं। मन व्यथित है। काफी कुछ कहना चाहता हूं। लिखना चाहता हूं। बताना चाहता हूं, लेकिन मेरे संस्कार ऐसा कुछ भी कहने से मना करते हैं, जिससे दूसरों को कष्ट पहुंचे। फिर भी मैं आज

अपनी बातों को आपके समक्ष रख रहा हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि सच को छिपाना भी अपराध है और मैं अपराध का भागी नहीं बनना चाहता।

गौरव वल्लभ ने लिखा, महोदय, मैं वित्त का प्रोफेसर हूं। कांग्रेस पार्टी की सदस्यता हासिल करने के बाद पार्टी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया। कई मुद्दों पर पार्टी का पक्ष दमदार तरीके से देश की महान जनता के समक्ष रखा, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पार्टी के स्टैंड से असहज महसूस कर रहा हूं। जब मैंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया तब मेरा मानना था कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, जहां पर युवा, बौद्धिक लोगों की, उनके आइडिया की कद्र होती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुझे यह महसूस हुआ कि पार्टी का मौजूदा स्वरूप नए आइडिया वाले युवाओं के साथ खुद को एडजस्ट नहीं कर पाता। पार्टी का ग्राउंड लेवल कनेक्ट पूरी तरह से टूट चुका है, जो नए भारत की आकांक्षा को बिल्कुल भी नहीं समझ पा रही है। जिसके कारण न तो पार्टी सत्ता में आ पा रही और न ही मजबूत विपक्ष की भूमिका ही निभा पा रही हैं। इससे मेरे जैसा कार्यकर्ता हतोत्साहित होता है।

राहुल के कारण कांग्रेस नेताओं का हो रहा मोहभंग

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ के पार्टी छोड़ने के बाद भाजपा ने राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा का मानना है कि राहुल गांधी अपने विचारों को समझाने में असफल हो रहे हैं, जिस वजह से कांग्रेस नेताओं का पार्टी से मोहभंग हो रहा है। गौरव वल्लभ ने पार्टी छोड़ने से पहले कहा कि वह सनातन धर्म के खिलाफ नारेबाजी के लिए तैयार नहीं थे।

गौरव वल्लभ के इस्तीफे के बाद भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वल्लभ की यह सोच मूल रूप से कांग्रेस नेता एके एंटनी की चिंता थी। 2014 में कांग्रेस की हार के बाद एंटनी ने एक ही धर्म के पक्ष में झुकाव को लेकर कांग्रेस को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी ने 2014 में कांग्रेस की हार के बाद एक समिति की अध्यक्षता की थी। उन्होंने इस दौरान निष्कर्ष निकाला था कि कांग्रेस की हार का कारण एक ही धर्म के पक्ष में अधिक झुकाव था।

मार्बल व्यवसायी से 10 लाख हड़पने का मामला

तीन आरोपी अहमदाबाद, पालनपुर और गुजरात से गिरफ्तार

सिरोही,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिरोही में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा करीब एक पखवाड़े पूर्व आंगड़िया कारोबारी बनकर शहर में एक मार्बल व्यवसायी के साथ धोखाधड़ी करने और 10 लाख रुपये हड़पने वाली गैंग का पर्दाफाश किया गया है। मामले में तीन आरोपियों को अहमदाबाद, पालनपुर और गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से हड़पी गई राशि एवं अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ जारी है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में गत 20 मार्च 2024 को रीको कॉलोनी, आबूरोड निवासी धीरज यादव द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई कि एक अज्ञात व्यक्ति आंगड़िया कारोबारी बनकर व्यापार के रुपये आगे व्यापारी के पास पहुंचाने के संबंध में पिछले चार महीनों से उसे कॉल कर रहा था। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता के मद्देनजर पुलिस की चेकिंग अधिक होने के कारण कैस पहुंचाने में समस्या हो रही थी। उसने आंगड़िया कारोबारी बनकर कॉल

करने वाले व्यक्ति से संपर्क किया तो उसने 19 मार्च 2024 को उसके ऑफिस पर एक व्यक्ति को भेजा, जिसको उसने जयपुर में उसकी पार्टी के पास 10 लाख रुपये पहुंचाने के लिए दिए थे। इसके कुछ समय बाद उसको कॉल किया तो मोबाइल आ रहा था। तब उसने जयपुर में उसकी पार्टी से संपर्क किया तो उसने रुपये नहीं पहुंचना बताया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कुमार बेनीवाल द्वारा त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस पर आबूरोड रीको पुलिस थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में गठित टीम द्वारा तकनीक सहायता व मुखबिर तंत्र से अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपियों को ट्रैस आऊट करने व उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम ने गुजरात में पालनपुर, मेहसाणा व अहमदाबाद व अन्य कई स्थानों पर कई दिनों तक कैंप किया। इस दौरान वारदात को अंजाम देने वाली गैंग के आरोपियों को ट्रैस आउट किया गया।

युवक ने बीएससी छात्रा से किया दुष्कर्म

भरतपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

भरतपुर के भुसावर थाना इलाके में एक युवक ने बीएससी स्टूडेंट के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लड़की के सहेली का भाई बनकर पीड़ित से दोस्ती की और उसके साथ दुष्कर्म रहा। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल करवा दिया है।

पीड़ित लड़की ने 23 मार्च को महिला थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाते हुए बताया था कि, सुनील (23) निवासी दयापुर थाना भुसावर ने उससे उसकी सहेली का भाई बनकर दोस्ती की।सुनील के फोन आने लगे, जिसके बाद सुनील ने अपने झांसे में ले लिया और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। सुनील लड़की को बार-बार ब्लैकमैल करने लगा, जिसके बाद लड़की ने महिला थाने में आरोपी

के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार पुलिस ने आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी का आरबीएम अस्पताल में मेडिकल करवाया।

ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर नदीम ने की हत्या

जोधपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

जोधपुर शहर के चौपासनी बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर 11 में किराए के मकान में रहने वाली शोभा (45) की हत्या के मामले में गुरुवार को 24 घंटे में पुलिस ने पर्दाफाश कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शोभा की हत्या करने वाला बॉयफ्रेंड नदीम (45) ने ही की थी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर उसने चुन्नी से गला घोंटकर शोभा को मार डाला। शोभा ने उससे भतीजी की शादी के लिए 30 हजार रुपये की डिमांड की थी। जोधपुर पश्चिम डीसीपी राजेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मर्डर के मामले का खुलासा किया।

जोधपुर पश्चिम डीसीपी राजेश यादव ने बताया, हाउसिंग थाने में शोभा लालवानी (45) की हत्या की रिपोर्ट उसके भाई पप्पू ने दी थी। इसमें बताया था कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर 11 में उसकी बहन शोभा किराए का मकान लेकर रहती थी। शोभा 15 साल से तलाकशुदा थी और पिछले तीन-चार साल से सेक्टर 11 में रह रही थी और रेडीमेड कपड़ों का काम करती थी। बुधवार सुबह जब शोभा को फोन किया तो फोन नहीं उठाया। दोपहर करीब डेढ़ बजे बहन के किराए के घर पर गया और घर के बाहर से आवाज लगाई। लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा अंदर गया तो शोभा का शव बेड पर पड़ा मिला था, जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि शोभा पांच साल पहले मोती चौक में ही रहती थी। इसी दौरान दोनों का संपर्क हो गया था। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ गई और साथ में पार्टी करते थे। दो साल पहले दोनों के बीच यह दोस्ती अवैध संबंध में बदल गई। इसके बाद से ही शोभा नदीम से हर महीने 5 से 10 हजार रुपयों की डिमांड करती रहती थी। नहीं देने पर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने की धमकी देती थी, जिससे नदीम परेशान होकर उसने चुन्नी से गला घोंटकर शोभा को मार डाला।

टीचर ने स्टूडेंट को डंडे से पीटा

पैरों पर निशान बने, प्रिंसिपल बोले- होमवर्क नहीं किया था

झुंझुनू,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

छात्र के पिता मुरारीलाल स्वामी ने बताया कि उसका 12 वर्षीय पुत्र अभय स्वामी कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। शिक्षक प्रमोद प्रजापत ने प्रश्न का उत्तर नहीं बताने पर डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी।

टीचर ने बच्चे के परिवार से मांगी माफी

इसके बाद अभय घर पहुंचा, लेकिन उसने डर के मारे किसी को इस बारे में नहीं बताया। लेकिन थोड़ी देर बाद जब दर्द असहनीय हुआ तो रोने लगा। तब उसकी मम्मी व पिता ने उससे पूछा तो उसने सारी बात बता दी।

छात्र के पैरों पर डंडे से चोट के निशान बन गए। पुलिस ने रिपोर्ट लेकर छात्र का मेडिकल करवाया है। इधर, स्कूल के प्रिंसिपल मुकेश कुमार का कहना है कि बच्चे को होमवर्क था। वह करके नहीं लाया, इसलिए टीचर ने डंडे से पीट दिया। टीचर ने बच्चे के परिवार से माफी मांग ली है।

इंदौर में मिली कोटा से लापता हुई शिवपुरी की छात्रा

रची थी खुद के अपहरण की चौंकाने वाली कहानी

कोटा,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोटा में लगभग एक महीने पहले हुए कोचिंग छात्रा के अपहरण मामले में कोटा पुलिस अपहृत छात्रा और उसके दोस्त इंदौर से दस्तयाब करके कोटा लेकर आई है। अपहरण का पूरा मामला फर्जी था। छात्रा ने खुद ही अपने घर वालों को अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी और 30 लाख की फिरौती मांगी थी।

पूरे मामले का खुलासा करते हुए कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि (शिवपुरी) जिले की निवासी छात्रा काव्या धाकड़ कोटा में कोचिंग करने के लिए अपनी मां के साथ आई थी। काव्या के माता-पिता उसे डॉक्टर बनाना चाहते थे। लेकिन काव्या पढ़ाई में इतनी इंटेलिजेंट नहीं थी। कोटा आने के बाद छात्रा ने कोटा में पढ़ाई नहीं की और अपने पुराने के पास इंदौर चली गई।

दोस्त के साथ दोनों ने मिलकर विदेश से एमबीबीएस करने का प्लान बनाया। इसके लिए छात्रा काव्या धाकड़ के दोस्त ने काव्या के घरवालों को हाथ पैर और मुंह बांधे हुए फोटो सेंड किए और दोस्त ने 30 लाख की फिरौती की मांग की। बाद छात्रा और उसका दोस्त कोटा जयपुर चंडीगढ़ और इंदौर में फरारी काटते रहे। पुलिस काव्या धाकड़ और उसके दोस्त के एक साथी को गिरफ्तार कर चुकी थी और लगातार ट्रैस करते हुए इंदौर पुलिस की मदद से छात्रा काव्या धाकड़ और उसके दोस्त को गिरफ्तार करके कोटा लाया है। एसपी अमृता दूहन ने सभी युवाओं से अपील की है कि वह अपने माता-पिता का कहना माने, कोई परेशानी हो तो उनके साथ साझा करें और मेहनत से जी नहीं चुराए। इस घटना से कोटा का नाम तो जुड़ा है, लेकिन इस घटना से कोटा का कहीं कोई नहीं है।

जन्म देने के दस दिन बाद बेटे की गला रेतकर हत्या

यमुनानगर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के यमुनानगर के नगर थाना क्षेत्र की शिवपुरी बी कॉलोनी में नवजात बच्चे की हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। नवजात बच्चे की गला रेत कर हत्या कर दी गई। बच्चा कपड़े की गठड़ी में बंधा हुआ मिला। नवजात के पिता ने उसे जन्म देने वाली मां पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

वहीं, बच्चे की मां ने अपने पति पर आरोप जड़े हैं। पुलिस कार्रवाई के डर से परिजनों ने आनन फानन बच्चे को दफना दिया। घटना दो अप्रैल की है। गुरुवार को मृतक बच्चे के पिता ने पुलिस को शिकायत दी।

जिसके बाद मामला पुलिस ने बच्चे के पिता की शिकायत पर उसकी मां के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को मजिस्ट्रेट के सामने बच्चे को शव को निकालकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। शिवपुरी बी कॉलोनी निवासी सुमित कुमार ने गांधी नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पांच साल पहले अंबाला के आधोई गांव निवासी कोमल के साथ शादी हुई थी। इस शादी से उनके पास दो वर्ष का बेटा है। पत्नी दूसरी बार गर्भवती हुई। दो मार्च को उसकी पत्नी कोमल ने सिविल अस्पताल में बेटे को जन्म दिया था। उसके बेटे का जन्म आठवें में ही हो गया था। जिसके चलते डॉक्टरों की निगरानी में 22 मार्च तक उसके नवजात बच्चे को सिविल अस्पताल में रखा गया। 24 मार्च को सिविल अस्पताल से उसे छुट्टी मिल गई थी। इसके बाद वह अपनी पत्नी व नवजात बच्चे को अस्पताल से घर लेकर आ गया वे तीनों एक ही कमरे में सोते हैं।

दो अप्रैल की सुबह जब वह उठा तो उसकी पत्नी उसके पास लेटी हुई थी, लेकिन बच्चा लापता था। जब उन्होंने उसकी तलाश की वह पुराने कपड़ों की गठड़ी में मृत हालत में बंधा हुआ मिला। बच्चे की नाक, मुंह व में रूई ठूंसी हुई थी। उसके गले पर काटने के निशान थे। इसके बाद वह और उसके परिवार सदस्य उसे ससौली स्थित श्मशान घाट में दबाकर आ गए थे। अब उसे पता चला है कि उसके नवजात बच्चे की हत्या उसकी पत्नी कोमल ने की है। गांधी नगर थाना ने सुमित की शिकायत पर उसके नवजात बेटे की हत्या के आरोप में पत्नी कोमल पर हत्या व शव को खुर्द बुर्द करने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुमित का आरोप है दो अप्रैल की रात को उसकी पत्नी कोमल ने ही उसके नवजात बेटे को गला रेतकर मारा। सुबह होने पर उसने बच्चे के गुम होने का झूठा शोर मचा दिया। जब तलाश की तो बच्चे का शव कपड़ों में लिपटा मिला। बच्चे की नाक, मुंह व कान में रूई हुई थी। वहीं पत्नी का आरोप है कि उसका पति सुमित नशे का आदी है। वह अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। दो अप्रैल की रात को वह कमरे में सोई थी। रात करीब तीन बजे उसने अपने बेटे को दूध पिलाया। इसके बाद उसे बेड पर लिटा दिया। जब आंख खुली बेड पर उसका बच्चा नहीं था। उन्होंने उसकी तलाश की। इधर उधर देखा तो बच्चे का शव कपड़ों की गठड़ी में लिपटा हुआ मिला।

सीएम फ्लाइंग ने खांडा खेड़ी की सीएचसी में मारा छापा

35 कर्मचारी में से 2 गैर हाजिर मिले

बास,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सरकारी अस्पताल हो या सरकारी स्कूल व अन्य दफ्तर कर्मचारियों का समय पर नहीं पहुंचना आम बात हो गई है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने गांव खांडा खेड़ी की सीएचसी में वीरवार की सुबह करीब 10 बजे सीएम फ्लाइंग की टीम ने रेड मारी। मौके पर 10 कर्मचारी गैर हजिर मिले। खांडा खेड़ी सीएचसी में 24 पक्के और 35 कर्मचारी कौशल रोजगार निगम के तहत लगे हुए हैं।

खांडा खेड़ी सीएचसी की बार-बार कर्मचारियों के समय पर न पहुंचने की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद वीरवार को मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की एक टीम का गठन किया गया। टीम में सीएम फ्लाइंग हिसार के सब इंस्पेक्टर व एएसआई राकेश कुमार व कृषि विभाग हांसी के एसडीओ शमशेर ढुल की सयुक्त टीम तैयार की गई। टीम सुबह करीब सवा 9 बजे खांडा खेड़ी सीएचसी में पहुंची। टीम ने निरीक्षण किया और हाजिरी रजिस्टर चेक किया तो खांडा खेड़ी सीएचसी में कुल 24 कर्मचारी व अधिकारी नियुक्त गए।

जिसमें से एसएमओ डॉ नवदीप जैन, मेडिकल ऑफिसर डॉ अंकित सिहाग, दंत चिकित्सक डॉ मिनाक्षी, सुदेश पुनियां, नर्सिंग आफिसर सपना, एएनएम पिन्की, अस्सिटेंट अकाउंटेंट दिनेश कुमार, व टिन्कू सहित 8 कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए व स्कीम के तहत 5 कर्मचारी तैनात पाये गये जिनमें से 4 एक आकस्मिक अवकाश पर पाया गया।

उसके कौशल रोजगार निगम के रजिस्टर का निरीक्षण किया गया तो रजिस्टर के मुताबिक कौशल रोजगार निगम की सिक्योरिटी गार्ड सुमित्रा व प्लंबर कृष्ण भी गैर हाजिर पाए गए। मोनू वार्ड सर्वेन्ट पीएचसी पुठठी व शमशेर स्वीपर पीएचसी बास में अस्थाई तौर पर पर दर्शाए गए मिले हैं। उसके बाद सक्षम अधिकारी व मुख्यमन्त्री उड़नदस्ते के कर्मचारियों द्वारा सीएचसी खांडा खेड़ी की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया जो सफाई व्यवस्था अच्छी पाई गई व सभी कर्मचारी ड्रेस कोड में पाए गए। खाडा खेडी सीएचसी की बायोमैट्रिक हाजरी व मैनुवल हाजरी रजिस्टर मिलान किया गया तो मिलान सही नहीं पाया गया। टीम द्वारा मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

जल्द खत्म हो सकता है विस्तारा का संकट, पायलट्स की शिकायत- बहुत ज्यादा थकान की वजह से हो रहे बीमार

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । विस्तारा एयरलाइंस का संकट जल्द ही खत्म हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते के अंत तक एयरलाइंस की उड़ानें भी सामान्य हो सकती हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने ही इसके संकेत दिए हैं। विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और इसके चलते हाल के दिनों में बड़ी संख्या में विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट्स या तो कैंसिल हुई हैं या फिर उनमें देरी हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

पायलट्स की इन बातों को लेकर है शिकायत – विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर – डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

न्यूज ब्रीफ

अगले दो दशकों तक कोयला ही भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ रहेगा, आईआईएम की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । कोयला आने वाले दो दशकों तक भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ बना रहेगा। आईआईएम अहमदाबाद की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयले के इस्तेमाल को कम करने के लिए सही नीतियां बनाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के बिना साल 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं होगा। कोयला अभी भी बना रहेगा भारत के ऊर्जा क्षेत्र का केंद्र आईआईएम अहमदाबाद ने नेट जीरो के लक्ष्य को पाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव और समन्वय पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट को भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कई गणमान्य लोगों जैसे नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. एके मोहंती और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्बन उत्सर्जन नेट जीरो करना आसान नहीं है और इसके लिए कई रास्ते अपनाने पड़ेंगे। कोयले का इस्तेमाल अगले दो दशकों तक जारी रहेगा और यही भारत के ऊर्जा सेक्टर की रीढ़ बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2070 में भारत का कार्बन उत्सर्जन करीब 0.56 अरब टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड से लेकर 1.0 अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के बीच रहने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च, फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी

नई दिल्ली । भारत में चाइनीज कंपनी रियलमी ने रियलमी 12 सीरीज़ में अपना लेटेस्ट बजट स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च किया है। रियलमी ने इस फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी है। ये फोन अब कंपनी के रियलमी 12 सीरीज का सबसे किफायती फोन बन गया है। ग्राहक इस फोन को ट्विलाइट पर्पल और वुडलैंड ग्रीन कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं। इसकी पहली सेल 5 अप्रैल को है। डिवाइस को दो साल का एंड्रॉयड अपडेट और तीन साल का सिक्योरिटी अपडेट मिलेगा। स्पेसिफिकेशंस के तौर पर रियलमी 12एक्स 5जी में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.72-इंच फुल एचडी+ आईपीएस एलसीडी है ।रियलमी 12एक्स 5जी कंपनी के रियलमी यूआई 5.0 के साथ बॉक्स से बाहर एंड्रॉयड 14 पर काम करता है।

भारत बनाएगा अपना वाणिज्यिक क्रूड रणनीतिक भंडार, आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मिलेगी सहायता

नई दिल्ली । दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत क्रूड का अपना पहला वाणिज्यिक रणनीतिक भंडार बनाने की योजना बना रहा है। इस कदम से किसी भी आपात स्थिति में आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकार ने देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार करने और उसके परिचालन के लिए विशेष इकाई इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) का गठन किया है। इस इकाई ने कर्नाटक के पादुर में 25 लाख टन भूमिगत भंडारण बनाने के लिए बोलियां मंगाईहैं। निविदा दस्तावेज के मुताबिक, आईएसपीआरएल ने पहले चरण में तीन स्थानों पर 53.3 लाख टन का भंडारण बनाया था। ये तीन जगह आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (13.3 लाख टन) कर्नाटक में मंगलूरू (15 लाख टन) और पादुर (25 लाख टन) हैं। दूसरे चरण के तहत, पादुर-दो में 5,514 करोड़ रुपये की लागत से वाणिज्यिक सह-रणनीतिक भूमिगत पेट्रोलियम भंडार बनाने की योजना है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल है। बोलीदाताओं से कहा गया है कि वे भंडारण के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय अनुदान या उस प्रीमियम/शुल्क का बताएं, जो वे प्राधिकरण को देना चाहते हैं। बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है।

मजबूत मांग के कारण मार्च में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 वर्ष के हाई पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । मजबूत मांग के कारण मार्च में देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 साल की सबसे मजबूत वृद्धि दर में से एक रही। एचएसबीसी इंडिया सर्विसिज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.2 पर पहुंच गया।परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल द्वारा लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के एक पैनल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया गया है।

मांग बढ़ने से बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई – रिपोर्ट में कहा गया है, भारत की सेवाओं का पीएमआई फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में बढ़ा और मजबूत मांग के कारण बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए सेवा प्रदाताओं ने अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से हायरिंग में वृद्धि की।

सर्वेक्षण के अनुसार बिक्री में तेजी का मुख्य कारण मांग में बेहतर स्थिति, दक्षता में वृद्धि और बिक्री में सकारात्मक वृद्धि है। कंपनियों ने मार्च के दौरान नए ऑर्डर इंटेक में काफी सुधार का संकेत दिया। वृद्धि की दर जून 2010 के बाद से सबसे अच्छी देखी गई।

सितंबर 2014 में शृंखला शुरू होने के बाद से नया निर्यात कारोबार सबसे तेज दर से बढ़ा। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व से लाभ की सूचना दी। सेवा कंपनियों ने संकेत दिया कि नए कारोबार की मात्रा में भारी तेजी ने उनकी क्षमताओं पर दबाव डाला। इस कारण, सेवा प्रदाताओं ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की।

प्रतिस्पर्धी दबाब की चिंताओं के बावजूद, अनुकूल रुझान बने रहने की उम्मीद – सर्वेक्षण में कहा गया है, इनपुट लागत तेज दर से बढ़ी है, इसके बावजूद सेवा प्रदाता उच्च आउटपुट मूल्य वसूलकर मार्जिन बनाए रखने में सक्षम हैं। आगे चलकर सेवा क्षेत्र की कंपनियों को मांग का रुझान अनुकूल बने रहने की उम्मीद है और विपणन प्रयासों को भी वृद्धि के अवसर

के रूप में देखा जा रहा है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि हालांकि प्रतिस्पर्धी दबाव को लेकर कुछ चिंताएं हैं।

इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 पर पहुंच गया। कंपोजिट पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण और सेवा पीएमआई सूचकांकों के भार का औसत है। जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारांश विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाता है। मार्च के आंकड़ों से पता चलता है कि पूरे भारत में कुल उत्पादन में तेज वृद्धि हुई है, क्योंकि माल उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं दोनों ने वृद्धि में तेजी दर्ज की है।

आरबीआई के प्रतिबंधों से मुद्रा वायदा सौदों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों से पैदा हुई ऊहापोह के कारण एक्सचेंज में कारोबार होने वाले करेंसी डेरिवेटिव सौदों की मात्रा घट सकती है। नए कायदों के कारण करेंसी डेरिवेटिव में खुदरा निवेशकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी बरकरार रहने पर भी संशय खड़ा हो गया है। यह डर भी जताया जा रहा है कि मुद्रा खरीदे या उसके लिए अनुबंध किए बगैर ही ली गईं पोजिशन पहले निपटानी पड़ेंगी। आरबीआई ने इस बारे में 5 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया था, जो 5 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर रुपये में होने वाले करेंसी अनुबंधों के लिए मुद्रा यानी एक्सपोजर होना जरूरी है। 10 करोड़ डॉलर तक की पोजिशन के लिए ट्रेडरों को ऐसे एक्सपोजर का सबूत नहीं देना होता मगर एक्सपोजर होने की पुष्टि करना जरूरी है। मुद्रा वायदा में ज्यादातर लेनदेन खुदरा श्रेणी में होते हैं, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बाजारों में लेनदेन नहीं कर सकते थे। इन बाजारों में बैंक आम तौर पर मुद्रा होने यानी एक्सपोजर होने का सबूत मांगते थे। मुद्रा वायदा में 60 फीसदी ज्यादा लेनदेन खुदरा कारोबार से ही आते हैं और करेंसी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर तरलता बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका है। अगस्त 2008 में जब मुद्रा वायदा कारोबार शुरू हुआ था तब आरबीआई ने विदेशी विनिमय दर से जुड़े जोखिमों से बचाव के लिए डॉलर या रुपया मुद्रा वायदा में लेनदेन की अनुमति दी थी।

किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट किए पेश, ऑटोमैटिक वेरिएंट हुआ अब और भी सस्ता

नई दिल्ली,04 अप्रैल ।

कार बनाने वाली कंपनी किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट को पेश कर दिया है। कंपनी का यह कदम न केवल खरीदारों के लिए ऑप्शन को बढ़ाता है। बल्कि ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में रुचि रखने वालों के लिए एंट्री पॉइंट को भी नीचे लाता है।

पहले, सीवीटी और टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स हाई एचटीके ट्रिम तक सीमित थे। अब, एचटीके प्लस ट्रिम में इन ऑप्शन्स की शुरूआत के साथ, किआ ने पेट्रोल सीवीटी के लिए प्राइस बैरियर को 1.18 लाख रुपये और डीजल-एटी वर्जन के लिए 1.28 लाख रुपये कम कर दिया है। इस रणनीतिक कदम से सेल्टोस लाइनअप में ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करने की उम्मीद है। सेल्टोस रेंज के बीच अपनी लोकप्रियता के लिए मशहूर एचटीके प्लस ट्रिम को नए फीचर्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। खरीदार अब पैनोरमिक सनरूफ, ड्राइव और ट्रैक्शन मोड और पैडल शिफ्टर्स, एलईडी-कनेक्टेड टेल लैंप और लेदरेट-लिपटे स्टीयरिंग व्हील जैसी अतिरिक्त सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। किआ ने एक नया एक्सटीरियर कलर, ऑरोरा ब्लैक पर्ल भी पेश किया है। किआ एचटीके प्लस ट्रिम के साथ ही अन्य ट्रिम्स में भी अपडेट जारी किए गए हैं। हाई-एंड एचटीएक्स, एचटीएक्स प्लस , जीटी लाइन और एक्स लाइन ट्रिम्स में अब सभी चार विंडो के लिए एक ऑटो अप/डाउन फंक्शन की सुविधा है। एचटीके ट्रिम को एलईडी डीआरएलएस, कीलेस एंट्री और पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा, बेस एचटीई ट्रिम अब ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हुए पांच एडिशनल कलर ऑप्शन उतारे गए हैं। 10.90 लाख रुपये से 20.35 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत के साथ, सेल्टोस अपने सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनी हुई है, जो क्रेटा और ग्रैंड विटारा जैसे मॉडलों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रही है। किआ सेल्टॉस एचटीके प्लस पेट्रोल-सीवीटी वेरिएंट अब 15.40 लाख रुपये में और डीजल-एटी वेरिएंट 16.90 लाख रुपये में उपलब्ध है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिके 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स , वाहन पंजीकरण ग्रोथ 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंचा

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के महीने भर के अंदर में 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुके हैं। कंपनी के वाहनों का पंजीकरण वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी के 1,52,741 वाहन पंजीकृत हुए थे। कंपनी ने यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 119,310 वाहन पंजीकृत हुए जो तीसरी तिमाही के 84,133 वाहनों की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। ओला के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'मार्च में 53 हजार पंजीकरण के आंकड़े को छूकर पहली बार 50 हजार को पार किया। वित्त वर्ष 2024 में ईवी उद्योग में 30 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और मार्च में ईवी वाहनों का अनुपात नौ प्रतिशत से अधिक हो गया। एस1 एक्स (4 केडब्ल्यूएच) के लॉन्च के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार छह

प्रोडक्ट्स एस1 प्रो, एस1 एयर, एस1 एक्स+, एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच) तक कर लिया है। इनकी कीमतें अलग- अलग हैं जो विभिन्न रेंज की आवश्यकताओं वाले ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा, 'फैक्ट यह है कि हमने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ को जारी रखना और देश की इलेक्ट्रिफिकेशन जर्नी में और योगदान देना है।

जुलाई-दिसंबर में प्रीपेड कार्ड से लेनदेन 30 फीसदी घटा, डेबिट कार्ड में भी गिरावट

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके उलट, कार्ड के प्रति लोगों का आकर्षण कम हो रहा है। खासकर डेबिट कार्ड के प्रति। हालांकि, क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्ल्डलाइन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही यानी जुलाई-दिसंबर अवधि में देश में कुल 1.78 अरब क्रेडिट कार्ड जारी हुए। यह आंकड़ा जुलाई-दिसंबर, 2022 की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से 2023 की दूसरी छमाही में क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन 11 फीसदी बढ़कर 9.39 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके उलट, डेबिट कार्ड के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 में लेनदेन मूल्य के

लिहाज से सालाना आधार पर 16 फीसदी घटकर 3.02 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में कुल 1.15 अरब डेबिट कार्ड जारी हुए, जो जुलाई-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 34 फीसदी कम हैं। वहीं, प्रीपेड कार्ड के जरिये मूल्य के लिहाज से लेनदेन सालाना आधार पर 30 फीसदी घटकर 241 अरब रुपये रह गया। औसत टिकट साइज : नेटबैंकिंग का सबसे ज्यादा मूल्य व संख्या के लिहाज से दिसंबर, 2023 में यूपीआई लेनदेन के मामले में फोनपे, गूगल पे और पेटीएम का दबदबा रहा। संख्या के लिहाज कुल यूपीआई लेनदेन में तीनों एप की संयुक्त हिस्सेदारी 94.8 फीसदी से बढ़कर 95.4 फीसदी पहुंच गई। मूल्य के हिसाब से इन तीनों एप की कुल यूपीआई लेनदेन में संयुक्त हिस्सेदारी 93 प्रतिशत पहुंच गई। दिसंबर, 2022 में यह 92.2 फीसदी थी। कार्ड संख्या में 34 प्रतिशत गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही में कुल 3.70 अरब कार्ड (क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड) जारी हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 7 फीसदी कम है। इसकी प्रमुख वजह जारी डेबिट कार्ड की संख्या में बड़ी गिरावट है। जुलाई-दिसंबर, 2023 में क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड के जरिये कुल 12.66 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 13 फीसदी ज्यादा है। नेटबैंकिंग : 505 लाख करोड़ नेटबैंकिंग के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 अवधि में 505.5 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.25 अरब लेनदेन हुए।

फोर्ब्स की लिस्ट में आधी आबादी का जलवा

35.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ ये हैं भारत की सबसे अमीर महिला

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । भारतीय महिलाएं व्यापार की दुनिया में उल्लेखनीय प्रगति कर रही हैं। इनमें से कई महिलाओं का नाम फोर्ब्स की ओर से जारी अरबपतियों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में भारत से 200 अरबपतियों का नाम है। पिछले इस इस सूची में भारत से 169 अरबपतियों का नाम शामिल किया गया था। साल 2024 की सूची में भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति बढ़कर 954 अरब डॉलर हो गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 41 फीसदी अधिक है। आइए जानते हैं फार्ब्स के अरबपतियों की 2024 की सूची में शामिल टॉप पांच भारतीय महिलाएं कौन-कौन हैं

1. सावित्री जिंदल, नेट वर्थ – 35.5 अरब डॉलर – जिंदल परिवार की मुखिया के रूप में, सावित्री जिंदल 35.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की सूची में सबसे ऊपर हैं। इस

तरह वह सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। वह स्टील, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के कारोबार से जुड़े समूह जिंदल समूह की अध्यक्ष हैं।

2. रेखा झुनझुनवाला, नेट वर्थ – 8.5 अरब डॉलर – भारत के वॉरेन बफेट कहे जाने वाले दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को अपने पति से एक मूल्यवान स्टॉक पोर्टफोलियो विरासत में मिला है, झुनझुनवाला अपने निवेश कौशल के लिए जाने जाते हैं। फार्ब्स की लिस्ट के अनुसार वह भारत की दूसरी सबसे अमीर महिला हैं।

3. विनोद राय गुप्ता, नेट वर्थ – 5 अरब डॉलर – फोर्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार हैवेल्स इंडिया में अपनी होल्डिंग के कारण विनोद राय गुप्ता तीसरी सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। हैवेल्स एक अग्रणी कंपनी है जो अपने इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपकरणों के लिए जानी जाती है। गुप्ता के मार्गदर्शन में, हैवेल्स इंडिया एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में विकसित हुआ है जो लाइटिंग फिक्सचर, पंखे, रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करता है।

4. रेणुका जगतियानी, कुल संपत्ति- 4.8 अरब डॉलर – फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार चौथी सबसे अमीर भारतीय महिला रेणुका जगतियानी हैं। वह लैंडमार्क ग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ हैं। यह दुबई में एक बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता समूह है, जिसकी स्थापना उनके पति मिकी जगतियानी ने की थी, उनकी मई 2023 में मृत्यु हो गई थी। लैंडमार्क ग्रुप रेणुका जगतियानी की अगुवाई में 50,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

5. स्मिता कृष्णा गोदरेज, कुल संपत्ति – 3.8 अरब डॉल – गोदरेज परिवार की स्मिता कृष्णा गोदरेज की परिवार की संपत्ति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। फार्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार वह भारत की पांचवीं सबसे अमीर महिला हैं। गोदरेज परिवार गोदरेज समूह को नियंत्रित करता है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

सांसद को जमानत

दिल्ली के शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे। उन पर कई आरोप हैं, लिहाजा उनकी जमानत याचिकाएं खारिज भी की गईं, लेकिन इस पूरे अंतराल में रिश्वत का कोई पैसा बरामद नहीं हुआ। कुछ जब्ती बगैरह भी नहीं की गई। मनी ट्रेल भी साबित नहीं की जा सकी, लिहाजा इस बार संजय सिंह ने याचिका दाखिल की, तो कमोबेश जस्टिस संजीव खन्ना ने कुछ सवाल किए। पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले भी शामिल थे। बहरहाल सवाल किया गया कि यदि कोई रिश्वत लेता है, तो क्या पीएमएलए में आपराधिक कार्यवाही शुरू करने से पहले रिश्वत की राशि कुर्क होनी चाहिए? न्यायिक पीठ की निर्णायक टिप्पणी यह थी कि याचिकाकर्ता लगभग 6 महीने से जेल में है। तथ्य यह है कि दिनेश अरोड़ा के पहले 9 बयानों में कुछ नहीं है। क्या अब भी संजय सिंह की हिरासत की जरूरत है? यदि केस की मेरिट पर जाएं, तो यदि हमें लगता है कि निर्देशों की आवश्यकता है, तो हम जरूर देंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हमें कानून की धारा 45 के अनुसार याची के पक्ष में निरीक्षण करना है। इसके निहितार्थ को समझें। यह सुनवाई का ऐसा मोड़ था, जहां पीठ ने ईडी को चेतावनी दी थी। उसके बाद लंच का समय हो गया। दरअसल अदालत ने कहा था कि यदि ईडी जमानत का विरोध करता है, तो वह पीएमएलए के तहत अर्जी पर विचार करेगी। ऐसे में यदि अदालत जमानत देती है, तो शराब नीति का पूरा केस कमजोर हो जाता है। लिहाजा लंच के बाद ईडी के वकील एसवी राजू ने मेरिट पर गए बिना ही कह दिया कि संजय सिंह को जमानत देने में ईडी को कोई आपत्ति नहीं है। न्यायिक पीठ ने भी जमानत दे दी, लेकिन यह भी कहा कि यह आदेश 'मिसाल' के तौर पर नहीं है। चूंकि संजय सिंह राजनीति से जुड़े व्यक्ति हैं, लिहाजा वह अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं, लेकिन इस केस से जुड़ा बयान न दें। बहरहाल 'आप' जश्न के मूड में है और इस न्यायिक फैसले को 'सत्य की जीत' करार दे रही है। संजय सिंह उस वक्त जेल से बाहर आए हैं, जब दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तिहाड़ जेल में कैद हैं। वे सभी 'आप' के संस्थापक और शीर्ष नेताओं में शामिल हैं। अब संजय सिंह जेल से मुक्त हुए हैं, तो कहा जा सकता है कि पार्टी पर एक बड़े नेता का साया और संरक्षण रहेगा। यह महत्वाकांक्षा भी जाग सकती है कि संजय खुद को पार्टी के 'नंबर दो' नेता के तौर पर स्थापित करे। 'आप' में सत्ता-संघर्ष भी छिड़ सकता है। संजय सिंह खुद को लोकसभा चुनाव का 'स्टार प्रचारक' भी घोषित कर सकते हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में ईडी को चुनौती दी है और अपनी गिरफ्तारी को गलत करार दिया है। फैसला बुधवार को ही आना था। मनीष सिसोदिया की याचिका पर भी 6 अप्रैल को अदालत में सुनवाई है।

> सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं

इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

> विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं।

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी। इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खत्म हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक हैं। इस रैली में अनेक मुद्दे

उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मज़बूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है। यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरूरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है, इंडिया गठबंधन के राजनैतिक क्षितिज पर जो वरिष्ठ राजनेता हैं उनकी आवाज व किरदार भारतीय जीवन को प्रभावित नहीं कर रहा है। इंडिया गठबंधन से जुडे.दलों की केन्द्र एवं प्रांतों की सरकारों के शासन-काल में तो अपराध, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, आतंकवाद, प्रांतवाद, जातिवाद की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगलता रहा है। सब अपनी जातियों और ग्रुपों को मजबूत करते रहे हैं-- देश को नहीं। प्रथम पंक्ति का नेता ही नहीं है जिसे मोदी के मुकाबले में खड़ा किया जा सके। भारत के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। दो तरह के नेता होते हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो आज भी वे भारत को विकास की नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इंडिया गठबंधन की चोटी से लेकर प्रांत स्तर पर, समाज स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में भी बने भारत मंडपम

लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में निर्मित प्रगति मैदान भारत के सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों में से एक है और दिल्ली में प्रदर्शनियों और सम्मेलनों के लिए महत्वपूर्ण स्थल है। भारत ने जी-20 के आयोजन के दृष्टिगत वास्तुशिल्प की अनूठी उपलब्धि को जोड़ते हुए प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एक नए कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम का निर्माण करवाया है जो आधुनिकता का परिचायक भी है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम, आर्कोप एसोसिएट्स और एडास सिंगापुर द्वारा पुनः डिजाइन किया गया एक प्रतिष्ठित भवन है जो देश की वास्तुकला को परिभाषित करता है और उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति और ज्ञान केंद्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। यहां बड़े प्रदर्शनी स्थल और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ 4800 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) की पार्किंग सहित अन्य संबंधित सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इसी के साथ इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर बनाने की दृष्टि से भारत सरकार की एक प्रमुख परियोजना है जो आकार और गुणवत्ता में, अंतरराष्ट्रीय और साथ ही राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और व्यापार शो के लिए एक कुशल और गुणवत्तापूर्ण आयोजन स्थल की पेशकश करता है। 25703 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से यह परियोजना सेक्टर-25, द्वारका में विकसित की जा रही है और इसे लगभग 303000 वर्ग मीटर के साथ केंद्रीय व्यापार जिले (सीबीडी) के पैमाने पर बनाने की कल्पना की गई है। प्रदर्शनी स्थल का क्षेत्रफल 60000 वर्ग मीटर है, जबकि सम्मेलन क्षेत्र का क्षेत्रफल 50000 वर्ग मीटर है। यहां बहुउद्देश्यीय क्षेत्र के साथ-साथ खुदरा, वाणिज्यिक कार्यालयों, आतिथ्य उपयोगकर्ताओं के लिए मनोरंजन और जीवन शैली को दर्शाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त स्थान है। यह सुविधा देश में अपनी तरह की पहली होगी जिसमें प्रदर्शनी हॉल में बड़े कॉलम मुक्त स्थान होंगे और बड़े पैमाने पर रक्षा और एयरोस्पेस प्रदर्शनियों की मेजबानी करने की क्षमता होगी। कन्वेंशन सेंटर परिसर में 11000 प्रतिनिधियों के बैठने की क्षमता होगी और 6000 लोगों की क्षमता वाला एक विश्वस्तरीय हॉल होगा। आज आवश्यकता है कि केंद्र सरकार छोटे स्तर पर पर ही सही, भारत मंडपम की तर्ज पर प्रत्येक राज्य के दो-तीन महत्वपूर्ण शहरों में आधुनिक एवं सुविधाओं से परिपूर्ण प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण करवाए, ताकि नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों की तरह के आयोजनों को राज्यों के नागरिक भी निकटता से देख सकें। पिछले दिनों 7 मार्च से 11 मार्च 2024 तक भारत की एक महत्वपूर्ण प्रदर्शनी 'आहार मेले' का आयोजन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया। आहार खाद्य और आतिथ्य में एशिया का सबसे प्रसिद्ध ब्रांड है। मैं स्वयं इस प्रदर्शनी को देखने के लिए दिल्ली में मौजूद था। हर वर्ष की तरह इस मेले में पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। इस आहार मेले में देश-विदेश के 1800 से ज्यादा एग्जीबिटर्स हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। आहार प्रदर्शनी में रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर बिजनेस की कई महत्वपूर्ण जानकारियां वहां आने वाले लोगों को मिलीं। अलग तरह के चॉकलेट बॉक्सेस से लेकर घर के पर्दे, किचन हैक्स का सामान और विदेशी खानपान भी चखने को मिले। पिज्जा, चाइनीज ड्राइफ्रूट्स, डिजाइनर क्रॉकरी और फूड इंडस्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली अत्याधुनिक मशीनों का भी वहां प्रदर्शित किया गया। कई स्टॉलों में लोगों को कई स्वादिष्ट डिश भी चखने को दी गईं। जिन लोगों को ऐसे इवेंट्स में जाना पसंद हो और समयाभाव के कारण बड़े शहरों का रुख नहीं कर पाते हैं, उनकी सुविधा के लिए छोटे राज्यों में भी प्रगति मैदान की तर्ज पर कम से कम 2-3 हॉल वाले प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण आज के दौर की मांग है और वैसे भी दिल्ली जैसे बड़े एवं महंगे महानगर में रहना आम आदमी के बलबूते से बाहर की बात है। यह सर्वविदित है कि सूरजकुंड और दिल्ली हाट जैसे मेला आयोजन स्थलों में भी लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी रहती है। दो वर्ष पूर्व मंडी में एफएसएसएआई द्वारा एक दिवसीय 'ईट राइट' मेले का आयोजन इंदिरा मार्केट की खुली छत पर किया गया था। जाहिर है कि हिमाचल के नित बदलते मौसम के दृष्टिगत खुली जगहों में ऐसे आयोजन में भाग लेने वाले व्यापारियों के साथ-साथ दर्शकों को भी असुविधा होती है। इस मेले में मंडी जिला के विभिन्न स्थानों से आए महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों ने लोकल खाद्य उत्पादों के स्टॉल लगाए थे और इसके साथ ही विभागीय प्रदर्शनियों को भी लोगों की जानकारी के लिए लगाया गया। इनके जरिए लोगों को अच्छे भोजन के बारे में जागरूक और पौष्टिक भोजन की आदत बारे प्रेरित किया गया। हिमाचल सरकार शिमला में हिमाचल हाट बनाने जा रही है। हिमाचल हाट बनने से शिमला में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को प्रदेश के हर जिला का पारंपरिक भोजन हर समय उपलब्ध रहेगा और वह कभी भी इसका आनंद ले पाएंगे। इसी प्रकार हर जिला मुख्यालय पर जगह उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वह अपने उत्पादों की वहां बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त हिमाचली धाम और अन्य पारंपरिक व्यंजनों के पेटेंट के संबंध में भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वर्तमान दौर में अब भारतीय बड़ी संख्या में भारत के अन्य राज्यों में पर्यटन हेतु आ-जा रहे हैं और विदेशी भी भारत घूमने आ रहे हैं, लिहाजा ऐसे भव्य मंडपों का निर्माण और एक छत के ही नीचे सभी जानकारियों का प्रदर्शन न केवल राज्यों की प्राचीन संस्कृति, इतिहास एवं शिल्पकला आदि को रेखांकित करेगा, अपितु स्थानीय लोगों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे बदलावों से अवश्य ही अवगत और अद्यतन रखेगा।

कुछ अलग

ढाई आखर प्रेम का

हमारे संतों, ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने सीख दी है कि मनुष्यों से ही नहीं, सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों तक से प्रेम करो। इस सृष्टि की हर वस्तु से प्रेम और पूर्ण समर्पण और विश्वास के साथ भक्ति, अध्यात्म की महत्वपूर्ण सीढियां हैं। गुरू नानक देव जी, संत कबीर, संत रविदास, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, योगी राज प्रभु राम लाल जी, गुरुदेव ओम स्वामी जी आदि की शिक्षाओं का सार भी यही है। ये सब दिव्य आत्माएं हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं। यह एक कड़वा सच है कि बहुत बार अपने ज्ञान के अभिमान में विशेषज्ञों का नजरिया संकुचित हो जाता है और वे अपनी किताबी सीख से आगे नहीं जा पाते, और जीवन की कई सच्चाइयों को अस्वीकार करके उनसे अनभिज्ञ रह जाते हैं। विज्ञान की बात तो छोड़िए, विभिन्न धर्मों में भी गहरे मतभेद हैं। कोई धर्म जन्म-जन्मांतर की बात करता है तो कोई पुनर्जन्म को ही नहीं मानता। धर्म फिर एक शारीरिक चीज है, कर्मकांड है, अध्यात्म उससे कहीं आगे की बात है। यही कारण है कि ऋषियों मुनियों ने धर्म की नहीं बल्कि अध्यात्म की बात की है। पुनर्जन्म की ही बात करें तो बहुत से धर्म इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं, लेकिन सच यह भी है कि पुनर्जन्म के बहुत से साक्ष्य दुनिया भर में उपलब्ध हैं और उन पर कोई विवाद नहीं है। यही हाल विज्ञान का भी है। यही कारण है कि एक सीमा के बाद विज्ञान आगे नहीं बढ़ पाता, तो फिर हमें अध्यात्म का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म बहुत सहज है, बहुत सरल है, उसे समझना भी कठिन नहीं है, परंतु आधुनिकता के चक्कर वाले व्यक्ति के लिए उसकी थाह पाना कठिन है। प्रतियोगिता के युग में जी रहा व्यक्ति समझ ही नहीं पाता कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। बस हमें यह समझना जरूरी है कि आध्यात्मिक होने के लिए, बोध पाने के लिए घर, निर्वाण के लिए या परमात्मा को पाने के लिए घर, परिवार, दुनिया छोड़ कर संत बन एकमात्र रास्ता नहीं है। यह कोई नहीं कहता कि संत बन जाना गलत है। यह कोई नहीं कहता कि कर्मकांड गलत है। यह कोई नहीं कहता कि दुनिया छोड़ कर हिमालय पर कठिन तपस्या करना गलत है। पर सच यही है कि बुद्ध हो जाने के बहुत से रास्तों में से यह भी एक रास्ता है। चूंकि बोधिसत्व प्राप्त करने के कई रास्ते हैं, इसलिए किसी अन्य मत की आलोचना नहीं होनी चाहिए। परमात्मा एक है, पर परमात्मा तक पहुंचने के रास्ते कई हैं। 'सहज संन्यास मिशन' के अनुगामी के रूप में मेरा मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। सहज संन्यास के अनुयायियों की एक और मान्यता यह है कि हर व्यक्ति की स्थितियां अलग हैं।

देश दुनिया से

कोचिंग राष्ट्र बनने की दिशा में देश

> भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है।

शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2023, ग्रामीण भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2022 ने बताया कि कक्षा एक से आठवीं तक के 30.5 फीसदी ग्रामीण छात्र सशुल्क निजी कोचिंग कक्षाएं ले रहे थे। स्कूली शिक्षा में मूलभूत कौशल और गहन सोच कौशल की कमी के कारण निजी कोचिंग पर निर्भरता जरूरी हो गई है। जैसे-जैसे छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग पर निर्भरता बढ़ती जाती है। भारत एक कोचिंग राष्ट्र में बदल गया है, न केवल महानगरीय शहरों में, बल्कि छोटे शहरों में भी। सरकारी नौकरियों की इच्छा, जो सामाजिक सुरक्षा के साथ आती है, शायद ग्रामीण छात्रों को आगे बढ़ने के लिए यही एकमात्र रास्ता हो। भारत के 91 फीसदी कार्यबल अनौपचारिक रोजगार में है, जिसे सामाजिक बीमा के बिना रोजगार के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात वृद्धावस्था पेंशन, मृत्यु/विकलांगता बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ इत्यादि से वंचित रोजगार। वर्ष 2022-23 में स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 13.4 फीसदी और स्नातकोत्तर और उससे ऊपर के लोगों के लिए 12.1 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत बेरोजगारी दर 3.2 फीसदी (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) से लगभग चार गुना है। भारत में बेरोजगारी की स्थिति एक प्रमुख सामाजिक मुद्दा बनी हुई है। अगर नौकरियां नहीं मिलेंगी, तो छात्र कहां जाएंगे? वर्ष 2017-18 से 2022-23 की अवधि में कृषि क्षेत्र में छह करोड़ श्रमिकों की वृद्धि हुई है! आखिरी पीएलएफएस जुलाई, 2022 और जून, 2023 के बीच भी 80 लाख श्रमिकों को कृषि में जोड़ा गया था। निजी नौकरियों में रोजगार की अनिश्चितता को देखते हुए यह उनकी मजबूरी ही थी। अधिकांश सरकारी नौकरियों के लिए भी परीक्षा में अंग्रेजी कौशल मुख्य घटकों में से एक है। जबकि आबादी की मुख्य भाषा और स्कूली शिक्षा का माध्यम हिंदी बनी हुई है। प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अंग्रेजी कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए कोचिंग अपरिहार्य हो जाती है। माता-पिता की उम्मीदें ऊंची बनी हुई हैं और उम्मीदवारों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। सफलता और विफलता को परिभाषित करने में कोचिंग एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकती है। सभ्य गैर-कृषि रोजगार की अनुपलब्धता, रुकी हुई सरकारी नौकरियां और सीमित सरकारी नौकरियों के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा है, जिसने छात्रों को

ट्यूशन और कोचिंग में धकेल दिया है। कुल मिलाकर, शिक्षा का मौलिक अधिकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार में तब्दील नहीं हुआ है, इसलिए निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थान तेजी से बढ़ रहे हैं। कोचिंग संस्थान लंबे समय तक एक अनियमित बाजार बने रहे, और कई शिकायतों और छात्रों की आत्महत्याओं के बाद ही सरकार कोचिंग सेंटरों को संचालित करने के लिए दिशा-निर्देश लेकर आई है। 'कोचिंग सेंटर का पंजीकरण और विनियमन, 2024' दिशा-निर्देश कोचिंग सेंटरों को भ्रामक वादे करने या सफलता की गारंटी देने से रोकते हैं। हालांकि, इसका उपाय स्कूली शिक्षा, उच्च अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की नींव में सीखने के परिणामों में सुधार करना है। इसके अलावा, हर कोई कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकता और सरकारी नौकरी की आकांक्षा नहीं कर सकता। गैर-औद्योगिकीकरण और संरचनात्मक परिवर्तन के उलट होने की स्थिति में जो कुछ बचा है, वह है गिग इकनॉमी, जो बिना किसी सामाजिक सुरक्षा जाल के कार्यबल को केवल निर्वाह प्रदान करती है। इस प्रकार, समकालीन भारत में नौकरियों को पुनर्जीवित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आप का नजरिया

कुछ जलवे, कुछ शिकार

हिमाचल में लोकसभा चुनाव के साथ नत्थी विधानसभा उपचुनाव की तासीर में या तो जलवे करेंगे कमाल या अति महत्त्वाकांक्षा हो जाएगी शिकार। पहले जलवों का जिक्र करें, तो भाजपा की रणनीति में केंद्रीय ताकत का एहसास, आत्मविश्वास और अपनी संगठनात्मक मशीनरी का प्रदर्शन है। पार्टी कांग्रेस से कहीं आगे संगठन के साथ साज बजा रही है। उसके अधिकांश उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस से आए पूर्व विधायक अपने साथ जो सामान लाए हैं, उसका प्रदर्शन परिचय दे रहा है। धर्मशाला में सुधीर शर्मा का परिचय सम्मेलन अपनी धाक में कांग्रेस की खोपड़ी में प्रश्न पैदा जरूर कर रहा है, क्योंकि पार्टी की हर तह में अब कोई न कोई उम्मीदवार टर्रा रहा है। सदमें में भाजपा के भी कई तीर हैं, लेकिन चुनावी योजना में यह पार्टी जलवों का शृंगार करने में माहिर है। हम इसी आधार पर राजेंद्र राणा के मार्फत सुजानपुर के दुर्ग में हलचल देख सकते हैं। यह दीगर है कि भाजपा के कई गवाह अब कांग्रेस में गोटियां फिट कर रहे, तो यह भी देखा जाएगा कि किस क्षेत्र में कौन अपने जलवे का हल जोत रहा है। बहरहाल जलवे से उम्मीदवारों का चयन संभव है, तो मंडी से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत में यह खासियत राष्ट्रीय चर्चा का विषय है। उम्मीदवार घोषित होने से पहले ही कंगना के बयान-कंगना के विवाद, इतने अधीर तो रहे ही हैं कि भाजपा के नाम पर कहीं भी पत्थरबाजी हो जाए। शायद इसलिए बयानों-विवादों का एक मुकाबला उनके और सुक्खू सरकार के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बीच शुरू हो चुका है। जलवा इसी लोकसभा क्षेत्र में वीरभद्र सिंह के परिवार का भी रहा है, लेकिन अब यहां धीरे-धीरे कंगना बनाम प्रतिभा सिंह के बीच पार्टियों के संघर्ष से कहीं अधिक दोनों नेत्रियों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आकर टिकेगा, तो सारी परिपार्टियां फिर से लिखी जाएंगी। कंगना का बड़बोलापन और हाजिरजवाबी पर मतदाता फिदा होता है या वीरभद्र सिंह के परिवार की गरिमा चुनाव के सिर पर सवार रहती है, यह देखना रोचक होगा। कांगड़ा से लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले, लेकिन भाजपा की ओर से डा. राजीव भारद्वाज की पेशकश में वयोवृद्ध नेता शांता कुमार का जलवा जरूर देखा जा रहा है। यह दीगर है कि अब तक जलवा दिखा चुके त्रिलोक कपूर की दावेदारी पर विराम लगाकर, उनके सदा नजदीक रहे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा नए अवतरण में हैं। प्रदेश के सामर्थ्य में राजनीतिक जलवे का स्वाभाविक पुरुषार्थ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आशावान है और अगर वह इन चुनावों में पचास फीसदी भी सफलता हासिल कर पाते हैं, तो कांग्रेस की अग्रिम पंक्ति में भविष्य की अगवाई करते हुए देखे जाएंगे। इन चुनावों में हिमाचल के असली शिकारी का भी पता चलेगा। विधायकों के इस्तीफों के माध्यम से कौन किसका शिकार कर गया, इसका पता भी चुनाव की सारी कसरतें बताएंगी। शिकार की टोह में हिमाचल की राजनीति आज भी जहां खड़ी है, वहां कई चाबुक व तलवार लटके हैं।

सोमवती अमावस्या 8 को

दान पुण्य करने से मिलता है अक्षय पुण्य

सोमवार 8 अप्रैल को चैत्र मास की अमावस्या है। सोमवार को अमावस्या होने से इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि सोमवती अमावस्या की तिथि पर पितरों का तर्पण करना बहुत शुभ होता है। इस दिन पितरों को तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को तड़के 3:11 बजे शुरू होगी और 8 अप्रैल को ही रात 11:50 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के कारण सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि जब सोमवार के दिन आती है। तब इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवती अमावस्या की तिथि पर दुर्लभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बेहद महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है। महिलाएं सोमवती अमावस्या के दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। पितृ दोष निवारण के लिए दिन अत्यंत शुभ माना गया है। इस अमावस्या पर किए गए दान-पुण्य और तीर्थ स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है। मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। इस तिथि पर अपने-अपने क्षेत्रों की पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए और क्षेत्र के पौराणिक महत्व वाले तीर्थों के, मंदिरों के दर्शन करना चाहिए। पूजा-पाठ आदि शुभ काम करना चाहिए।

अगर हम किसी नदी में स्नान करने नहीं जा पाते हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाएं और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान करें। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और सूर्यदेव को चढ़ाएं। ऐसा करने से भी तीर्थ और नदी स्नान के बराबर पुण्य मिल सकता है। स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज और गोशाला में धन, हरी घास का दान करें। अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। घर में दोपहर करीब 12 बजे गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उसके अंगारों पर गुड़-घी डालें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्घ्य अर्पित करें। किसी शिव मंदिर में दीपक जलाएं, शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जाप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।

इंद्र योग

कई वर्षों के बाद चैत्र अमावस्या पर दुर्लभ और शुभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग शाम 06:14 बजे तक रहेगा। इस योग में पूजा-पाठ और शुभ कार्य किए जा सकते हैं।

शिव वास

सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव आदिशक्ति मां पार्वती संग रात 11:50 बजे तक साथ रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव की पूजा की जाए तो हर मनोकामना पूरी होती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जब भगवान शिव माता पार्वती के साथ हों, तो रुद्राभिषेक करने से कई गुना फल प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या

8 अप्रैल को तड़के 3.21 बजे शुरू
8 अप्रैल को ही रात 11.50 बजे समाप्त

गंगाजल से स्नान

इस दिन गंगाजी या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत पुण्यकारी माना गया है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिवत स्नान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

चैत्र अमावस्या होता है हिन्दू वर्ष का अंतिम दिन

चैत्र अमावस्या विक्रम संवंत वर्ष का अंतिम दिन होता है। विक्रम संवंत को आम भाषा में हिन्दू कैलेंडर के नाम से भी जाना जाता है। चैत्र अमावस्या तिथि की समाप्ति के बाद चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि आती है जो हिन्दू वर्ष का पहला दिन होता है। कहते हैं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना की थी। नवरात्र भी हिन्दू नवर्ष की पहली तिथि से प्रारंभ होता है।

अमावस्या का ज्योतिषीय महत्व

अमावस्या तिथि के दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। जहां सूर्य आग्नेय तत्व को दर्शाता है तो वहीं चंद्रमा शीतलता का प्रतीक है। सूर्य के प्रभाव में आकर चंद्रमा का प्रभाव शून्य हो जाता है। इसलिए मन को एकाग्रचित करने का यह कारगर दिन होता है। इसलिए अमावस्या का दिन आध्यात्मिक चिंतन के लिए श्रेष्ठ होता है। अमावस्या को जन्म लेने वाले की कुंडली में चंद्र दोष होता है।

सूर्य को प्रदान करें अर्घ्य

पदमपुराण के अनुसार पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्री हरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है। इसलिए पूर्व जन्म और इस जन्म के सभी पापों से मुक्ति और भगवान सूर्य नारायण की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य को नियमित सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य अवश्य प्रदान करना चाहिए।

पीपल के वृक्ष में पितरों का वास

माना जाता है कि अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। इस दिन पीपल और भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लक्ष्मी जी की कृपा पाने के लिए इस दिन मीठे जल में दूध मिलाकर चढ़ाएं, क्योंकि इस दिन पीपल के पेड़ पर मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। पूजन के बाद पीपल की यथा शक्ति परिक्रमा करके जीवन में आने वाली सभी समस्याएं खत्म होने के लिए प्रार्थना करें।

दान करने से मिलेगा पुण्य

इस दिन अन्न, दूध, फल, चावल, तिल और आवंले का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। गरीबों, साधु, महात्मा तथा ब्राह्मणों को भोजन करवाना चाहिए। स्नान- दान आदि के अलावा इस दिन पितरों का तर्पण करने से परिवार पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

पितरों को करें प्रसन्न

सोमवती अमावस्या के दिन पितरों के नाम जल में तिल डालकर दक्षिण दिशा में तर्पण करें। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दिन तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है और वे आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा करें। दूध चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा लगाएं। पीपल के नीचे दीपक जलाएं। ऐसा करने से परिवार में खुशहाली आती है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। इस दिन पितरों के निमित्त गीता के सातवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। पितरों का ध्यान करते हुए सोमवती अमावस्या के दिन दान करें। सोमवती अमावस्या के दिन पीपल का एक पौधा लगाएं। ऐसा करने से पितर खुश होते हैं। वह आर्थिक स्थिति सुधरती है।

करें उपाय

अमावस्या के दिन तिल को आटे में मिलाकर रोटी बनाए और गाय को खिलाएं। इससे घर में सुख-शांति आएगी। अमावस्या के दिन स्नान के बाद आटे की गोलियां बनाएं। इस गोलियों को मछलियों को खिलाएं। इस उपाय से कई परेशानियां दूर होती हैं। अमावस्या के दिन पितरों का ध्यान करते हुए जरूरतमंद या गरीब को दान करें। अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त गीता का सातवां अध्याय का पाठ करें। अमावस्या के दिन जल में तिल मिलाकर उसे दक्षिण दिशा की ओर तर्पण करें। ऐसा करने से पितर आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन दूध में अपनी छाया देखें। इस दूध को काले कुत्ते को पिलाएं। इससे मानसिक तनाव दूर होता है। अमावस्या के दिन शाम के समय ईशान कोण में दीपक जलाएं। बत्ती के लिए लाल रंग के धाते का इस्तेमाल करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। अमावस्या के चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

चैत्र नवरात्रि से एक दिन पहले लग रहा है सूर्य ग्रहण

इस साल 9 अप्रैल 2024 चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है। इससे एक दिन पहले 8 अप्रैल को चैत्र अमावस्या पर साल का पहला सूर्य ग्रहण लग रहा है। सूर्य ग्रहण को अशुभ माना जाता है।

इस दौरान सूर्य की किरणें ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहण के समय राहु का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे हमारे जीवन से जुड़ी हर चीज पर प्रभावित होता है। इसके लिए ग्रहण के समय पर शुभ कार्य करने की मनाही होती है। जानें सूर्य ग्रहण में क्या करें, क्या न करें।

सूर्य ग्रहण में न करें ये गलतियां

ग्रहण में अन्न क्यों नहीं खाते

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य या चंद्रमा किसी भी ग्रहण के वक्त भोजन नहीं करना चाहिए। पुराणों के माना जाता है कि जो व्यक्ति ग्रहण के दौरान अन्न खाता है उसे नरक की यातनाएं भोगनी पड़ती है। सूर्य ग्रहण के सूतक काल में ही अनाज में तुलसी दल डाल देना चाहिए।

इन पेड़ों को स्पर्श नहीं करें

तुलसी, पीपल के पेड़ को पूजनीय माना गया है। सूर्य ग्रहण के समय में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए। तुलसी में मां लक्ष्मी और पीपल में विष्णु जी का वास होता है। सूर्य ग्रहण में इन पेड़ों का स्पर्श नहीं करना चाहिए। इससे धन की देवी मां लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

देवी-देवता की मूर्ति न छुएं

सूर्य ग्रहण के समय भूलकर भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को स्पर्श न करें, पूजा न करें। इससे दोष लगता है। इस समय में मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं। सारा दिन पाठ करें, इससे ग्रहण के दुष्प्रभाव खत्म होते है।

गर्भवती महिलाएं बरतें ये सावधानी

सूर्य ग्रहण के दिन गर्भवती महिलाएं खास ख्याल रखें। सावधानियां बरतें। सूतक शुरू होने से ग्रहण खत्म होने तक घर से बाहर न निकलें। नुकीली वस्तुओं जैसे सुई, कैंची, चाकू आदि का उपयोग किसी काम में नहीं करना चाहिए।

खरीदारी है निषेध

हिन्दु मान्यताओं के अनुसार सूतक काल के समय पृथ्वी का वातावरण दूषित होता है। सूतक के अशुभ दोषों से सुरक्षित रहने के लिए अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण और सूतक के दौरान कोई भी शुभ कार्य पूजा, खरीदारी नहीं करना चाहिए। कुंडली में शुभ ग्रहों का प्रभाव कम होने लगता है।

नया काम शुरू न करें

सूर्य ग्रहण के दौरान नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है, इसलिए इस दौरान किसी भी नए काम की शुरुआत या मांगलिक कार्य न करें। साथ ही ग्रहण के दौरान नाखून काटने और कंघी करने से भी बचें।

सूर्य ग्रहण में क्या करें

सूर्य ग्रहण का सूतक काल लगने से पहले मंदिर के पट बंद कर दें। ग्रहण के बाद गंगाजल से स्नान और दान करें। भगवान को भी गंगाजल से स्नान कराएं। इसकी समाप्ति पर पूरे घर में गंगाजल छिड़कर शुद्धिकरण करें। ग्रहण के समय महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण या फिर तमोमय महाभीम सोमसूर्यविमर्दन। हेमताराप्रदानेन मम शान्तिप्रदो भव।। या विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिकानन्दनाच्युत। दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद्भयात्।।2।। मंत्र जाप से ग्रहण के अशुभ प्रभाव

आत्मकारक ग्रह का ज्योतिष में क्या अर्थ है

जानें ये हमारे जीवन पर कैसा प्रभाव डालता है

आत्मकारक ग्रह वह ग्रह होता है जो किसी जन्मकुंडली में व्यक्ति की व्यक्तित्व और भविष्य को प्रभावित करता है। इन ग्रहों के माध्यम से व्यक्ति की स्वाभाविक गुण, प्रवृत्ति, और व्यवहार का विश्लेषण किया जाता है और उनके जीवन में होने वाले घटनाओं का पूर्वानुमान किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में,आत्मकारक ग्रह वह ग्रह होता है जो आपकी जन्म कुंडली में सबसे अधिक अंश प्राप्त करता है। यह ग्रह आपके जीवन पर सबसे मजबूत प्रभाव डालता है और आपके व्यक्तित्व, आत्मा और जीवन के उद्देश्य को दर्शाता है।

आत्मकारक ग्रह की गणना कैसे करें:

आत्मकारक ग्रहों की गणना करने के लिए, व्यक्ति की जन्मकुंडली बनानी पड़ती है। जन्मकुंडली में आत्मकारक ग्रहों की स्थिति का पता लगाने के लिए, ज्योतिषियों द्वारा नक्षत्र, राशि, और ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण किया जाता है। इस प्रक्रिया में जन्म तिथि, समय, और स्थान के आधार पर गणना की जाती है और फिर व्यक्ति के आत्मकारक ग्रहों का पता चलता है। यह गणना ज्योतिष विज्ञान के तरीके और सिद्धांतों के आधार पर की जाती है। अपनी जन्म कुंडली में सभी ग्रहों की अंशों की गणना करें। सबसे अधिक अंश प्राप्त करने वाले ग्रह को आत्मकारक ग्रह माना जाता है।

आत्मकारक ग्रह का प्रभाव:

सूर्य: अगर सूर्य आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप आत्मविश्वासी, नेता, और ऊर्जावान होते हैं।

चंद्रमा: अगर चंद्रमा आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप भावुक, संवेदनशील, और रचनात्मक होते हैं।

मंगल: अगर मंगल आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप साहसी, ऊर्जावान, और महत्वाकांक्षी होते हैं।

बुध: अगर बुध आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप बुद्धिमान, जिज्ञासु, और संवादात्मक होते हैं।

बृहस्पति: अगर बृहस्पति आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप ज्ञानी, दयालु, और आशावादी होते हैं।

शुक्र: अगर शुक्र आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप सुंदर, आकर्षक, और कलात्मक होते हैं।

शनि: अगर शनि आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप अनुशासित, कर्मठ, और जिम्मेदार होते हैं।

राहु: अगर राहु आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप रहस्यमय, आकर्षक, और महत्वाकांक्षी होते हैं।

केतु: अगर केतु आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप आध्यात्मिक, रहस्यमय, और अंतर्मुखी होते हैं।

आत्मकारक ग्रह का महत्व:

आत्मकारक ग्रह आपके व्यक्तित्व, आत्मा और जीवन के उद्देश्य को दर्शाता है।

यह आपके जीवन में होने वाली घटनाओं और आपके द्वारा किए जाने वाले निर्णयों को प्रभावित करता है।

यह आपको यह समझने में मदद कर सकता है कि आप कौन हैं और आप जीवन में क्या चाहते हैं।

14 अप्रैल को मनाई जाएगी यमुना छठ

जानिए शुभ मुहूर्त और इसकी महिमा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, साल में दो बार छठ पूजा की जाती है। चैत्र माह में मनाए जाने वाली छठ को चैती छठ और कार्तिक माह में मनाई जाने वाली छठ को कार्तिकी छठ कहा जाता है। चैती छठ को यमुना छठ के रूप में भी जाना जाता है, जो हर साल चैत्र माह की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर मनाई जाती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति अटूट श्रद्धा को दर्शाता है।

यमुना छठ शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 13 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 04 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, इसका समापन 14 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यमुना छठ का पर्व 14 अप्रैल 2024 रविवार को मनाया जाएगा।

यमुना छठ का महत्व

माना जाता है कि चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर ही देवी यमुना पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। इसलिए इस दिन को यमुना छठ या यमुना जयंती के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गोलोक में जब श्री हरि ने यमुना जी को पृथ्वी पर जाने की आज्ञा दी तब यमुना जी पृथ्वी पर जाने को अवतरित हुईं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुना छठ के दिन यमुना जी में स्नान-दान करना है और पूरे विधि-विधान से पूजा आदि करता है, उसे भविष्य में यम और शनि का भय नहीं सताता।

यमुना छठ पूजा विधि

अगर संभव हो तो यमुना छठ के दिन सुबह के समय यमुना में डुबकी लगाकर व्रत का संकल्प लें।

इस दिन श्रीकृष्ण की विधि-विधान पूर्वक पूजा करें।

संध्या की पूजा करते समय यमुना अष्टक का पाठ करें।

मां की आरती और कथा का पाठ करें और भोग लगाएं।

अपने सामर्थ्यनुसार यमुना छठ पर दान-पुण्य करें।

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी को मिली रिलीज तारीख

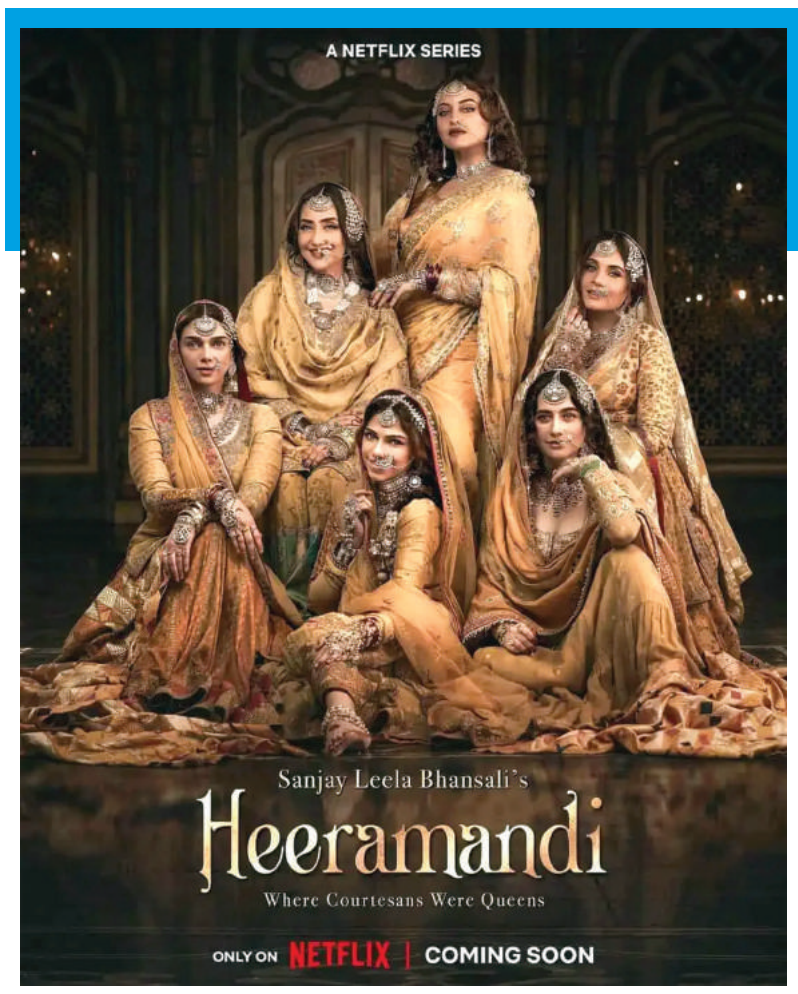

1 मई नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी वेब सीरीज

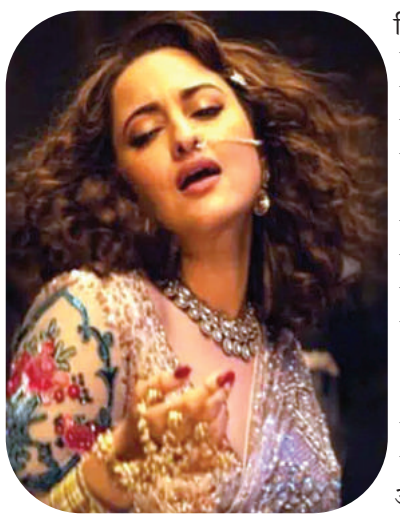

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक संजय लीला भंसाली वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यह सीरीज पिछले लंबे समय से चर्चा में है।हीरामंडी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने को तैयार है। अब निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।हाल ही में एक कार्यक्रम ने निर्माताओं ने खुलासा किया कि हीरामंडी का प्रीमियर 1 मई, 2024 से होगा।हीरामंडी मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों से सजी है।इस सीरीज की कहानी संजय ने मिताक्षरा कुमार, विभु पुरी, स्नेहिल दीक्षित मेहरा, मोईन बेग और दिव्य निधि शर्मा के साथ मिलकर लिखी है।हीरामंडी प्यार, ताकत और आजादी की जंग के बीच जूझने वाली हीरामंडी की तवायफों की कहानी है।इससे पहले भंसाली देवदास और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों के जरिए तवायफों के जीवन को दिखा चुके हैं।हीरामंडी के अलावा भंसाली मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर को लेकर चर्चा में हैं।इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आएगी। विक्की कौशल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा होंगे।यह फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। भंसाली की यह फिल्म युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प प्रेम कहानी होगी।इस साल नवंबर से भंसाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

90 में टॉप एक्टर हुआ करते थे गोविंदा

दर्जनभर से भी ज्यादा मूवीज ने नहीं देखा सिनेमाघरों का चेहरा

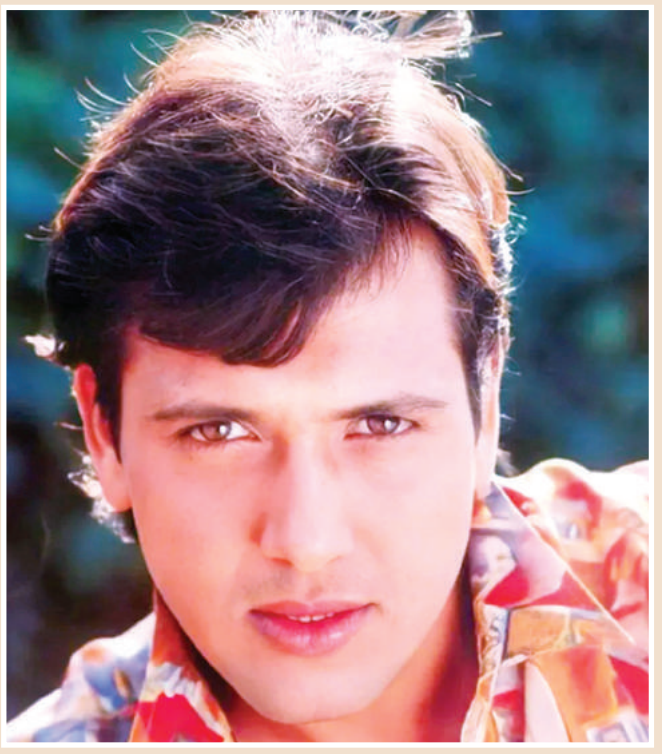

80 के दशक में अपनी कॉमिक टाइमिंग, जबरदस्त डांस और शानदार एक्टिंग के दम पर फैंस के दिलों पर राज करने वाले गोविंदा ने अपने दौर में ढेर सारी हिट फिल्में दी हैं। गोविंदा ने अपने दम पर शोहरत हासिल की और एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने दौर की लगभग हर बड़ी हीरोइन के साथ काम किया और उनकी फिल्में आज भी खूब चाव से देखी जाती हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि गोविंदा की कुछ ऐसी भी फिल्में रही हैं जो बनने के बावजूद बॉक्स ऑफिस तक का सफर तय नहीं कर पाईं। चलिए आज गोविंदा की उन फिल्मों के बारे में जानते हैं जो रिलीज ही नहीं हो पाईं।

गोविंदाकी ये फिल्में नहीं देख पाईं थिएटर का मुंह

1987 में गोविंदा और मिथुन चक्रवर्ती को लेकर मेहुल कुमार ने मूवी बनाई थी जो रिलीज नहीं हो पाई।

1986 में साउथ के निर्देशक प्रयाग राज ने गोविंदा को लेकर एक मूवी प्लान की थी जो रिलीज नहीं हो पाई।

1998 में मुकुल आनंद ने गोविंदा को लेकर ऑस्कर नाम की फिल्म बनाई। इस फिल्म की कहानी में हीरो बॉलीवुड से हॉलीवुड जाता है।लेकिन मुकुल आनंद की मौत होने की वजह से फिल्म बनने के बावजूद रिलीज नहीं हो पाई।

1990 में गोविंदा, जितेंद्र और जया प्रदा को लेकर फिल्म तांडव अनाउंस की गई थी। इसकी 13 रील की शूटिंग हो चुकी थी और इसके बाद फिल्म डिब्बे में बंद हो गई। इस फिल्म में गोविंदा का डबल रोल था।

1988 में गोविंदा के साथ विनोद खन्ना, डिंपल कपाड़िया, संजय दत्त, अनीता राज को लेकर फिल्म फैसला अनाउंस की गई। लेकिन बाद में इस फिल्म को रोक कर महासंग्राम नामक फिल्म की शूटिंग की गई।

1987 में गोविंदा और नीलम को लेकर फिल्म मेरे पास मां है, अनाउंस की गई। लेकिन ये फिल्म भी रिलीज नहीं हो पाई।

1992 में कुर्बानी की कीमत में भी गोविंदा को लिया गया था। ये फिल्म भी रिलीज नहीं हो पाई।

1988 में गोविंदा और ऋषि कपूर को लेकर भी एक अनाम फिल्म अनाउंस की गई थी जिसके डायरेक्टर कल्पतरु थे, लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

1995 में गोविंदा और राजेश खन्ना को लेकर एक फिल्म कागज घोषित की गई लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

1993 में महेश भट्ट ने गोविंदा को लेकर फिल्म गुजारिश अनाउंस की। इस फिल्म में गोविंदा के साथ सुनील शेट्टी, अजय देवगन और दिव्या भारती थे लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

2011 में गोविंदा को लेकर फिल्म शोमैन की घोषणा की गई, इस फिल्म में गोविंदा के साथ जिमी शेरगिल और रिमी सेन थे। इसके डायरेक्टर तिग्मांशु धूलिया थे लेकिन फिल्म रुक गई।

1986 में गोविंदा को लेकर फिल्म रामा ओ रामा अनाउंस हुई लेकिन गोविंदा के पास काफी प्रोजेक्ट थे और इसलिए वो इस फिल्म को डेट नहीं दे पाए। उनकी जगह आसिफ शेख को लिया गया।

1992 में रुखसार के साथ गोविंदा को लेकर फिल्म कोहिनूर अनाउंस हुई लेकिन ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस तक नहीं पहुंच पाई। 1988 में गोविंदा और चंकी पांडे को लेकर बारबर की टक्कर नामक फिल्म अनाउंस हुई लेकिन ये फिल्म बन नहीं पाई।

सलमान खान के शो बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी आशी सिंह?

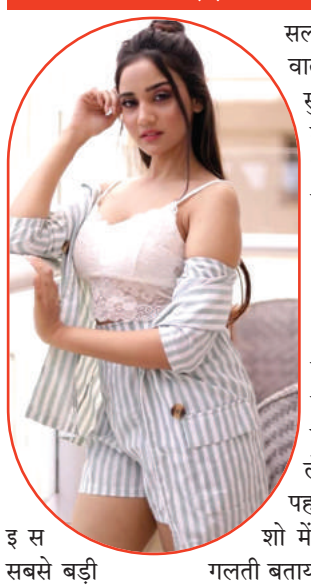

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला रियलिटी शो बिग बॉस 18 सुर्खियों में बना हुआ है। इस शो में जाने वाले कंटेस्टेंट के नाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। मेकर्स लगातार सेलेब को अप्रोच कर रहे हैं। हाल ही खबर आई है कि मेकर्स ने टीवी एक्ट्रेस आशी सिंह को अप्रोच किया है। अब एक्ट्रेस ने इस अफवाह पर चुप्पी तोड़ी है।बिग बॉस 18 को फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है। इस शो में आकर कई से-लेब्स ऐसे हैं जिन्हें खास पहचान मिली। वहीं कुछ स्टार्स ने इ स शो में आने के बाद अपने करियर की सबसे बड़ी गलती बताया था। अब रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान खान के शो में मीत फेम आशी सिंह एंट्री ले सकती हैं। आशी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। अब एक्ट्रेस ने शो में जाने को चुप्पी तोड़ी है उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस शो में बहुत ही लड़ाई-झगड़ा है। मुझे नहीं पता कि मैं कभी बिग बॉस करुंगी क्योंकि मेरा नेचर बहुत ही शांत है। मैं कभी भी अपने घरवालों से दूर नहीं रही हूं और मुझे नहीं पता कि परिवार के बिना शो में मैं रह भी पाउंगी या नहीं।आशी ने एक और कारण भी बताया कि क्यों वह रियलिटी शो से दूर रहना ही बेहतर समझती हैं।

थम्मुडु के बाद नितिन की नई फिल्म रॉबिनहुड का किया ऐलान

हीरो नितिन अपनी अगली रिलीज में रॉबिनहुड के रूप में रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन वेंकी कुदुमुला कर रहे हैं, जिन्होंने पहले उन्हें ब्लॉकबस्टर भीष्म प्रदान की थी। मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस हास्यपूर्ण एक्शन एडवेंचर के टीजर में अभिनेता एक डाकू के रूप में दिखाई दिए। वेंकी कुदुमुला ने निथिन के चरित्र को अपनी तरह के पहले तरीके से दिखाया।नितिन के 41वें जन्मदिन के खास मौके पर रॉबिनहुड के निर्माता एक नया पोस्टर लेकर आए हैं। फिल्म में ट्रेंडी लुक में नजर आने वाले नितिन ने बर्थडे स्पेशल पोस्टर में अपना बेजोड़ स्वैग और स्टाइल दिखाया है। ब्लूटूथ डिवाइस पर बात करते हुए और शानदार ढंग से चलते हुए, नितिन को अपनी पैंट में हथियार डाले हुए देखा जाता है। वह एक एजेंट की तरह दिखता है और टी-शर्ट पर नाम लिखा है: एजेंट आरएच (रॉबिनहुड)। ब्लैक शेड्स और घड़ी पहने नितिन पोस्टर में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। नितिन के प्रशंसकों के लिए यह एक सुखद आश्चर्य है।नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर फिल्म के निर्माता हैं जिसमें विभिन्न शिल्पों का ध्यान रखने वाले शीर्ष तकनीशियन होंगे। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जीवी प्रकाश कुमार का संगीत है, जिन्होंने झलक के लिए आकर्षक स्कोर प्रदान किया है। साई श्रीराम सिनेमैटोग्राफी संभालते हैं, जबकि प्रवीण पुडी संपादक हैं और राम कुमार कला निर्देशक हैं। फिल्म में नाता किरीटी राजेंद्र प्रसाद और वेनेला किशोर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दिशा पाटनी का स्टायलिश आउटफिट में दिखा किलर लुक

अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के लिए मशहूर एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें की हैं, जो सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने के लिए काफी हैं। दिशा पाटनी ने पिंक कलर का सेक्सी आउटफिट पहना है। ग्लोइंग मेकअप के साथ बालों को खास अंदाज में संवारा है। मैंचिंग ईयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं और कैसरे के सामने सेक्सी पोज दे रही हैं। देखते ही फैंस दीवाने हो गए हैं और एक्ट्रेस की हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों मे दिशा पाटनी बेहद हॉट लग रही हैं। फैंस सोशल मीडिया पर कमेंट सेक्शन में उनके इस कातिलाना लुक की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। पर एक यूजर ने लिखा- दिशा आपका लुक कमाल है। वहीं दूसरे यूजर ने एक्ट्रेस से पूछा उनकी नई फिल्म कब आने वाली है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर मात्र कुछ घंटों में लाखों लाइक्ट और कमेंट्स की बौछार हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस की फिल्म योद्धा पर्दे पर रिलीज हुई थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा अच्छी कमाई नहीं कर पाई थी।

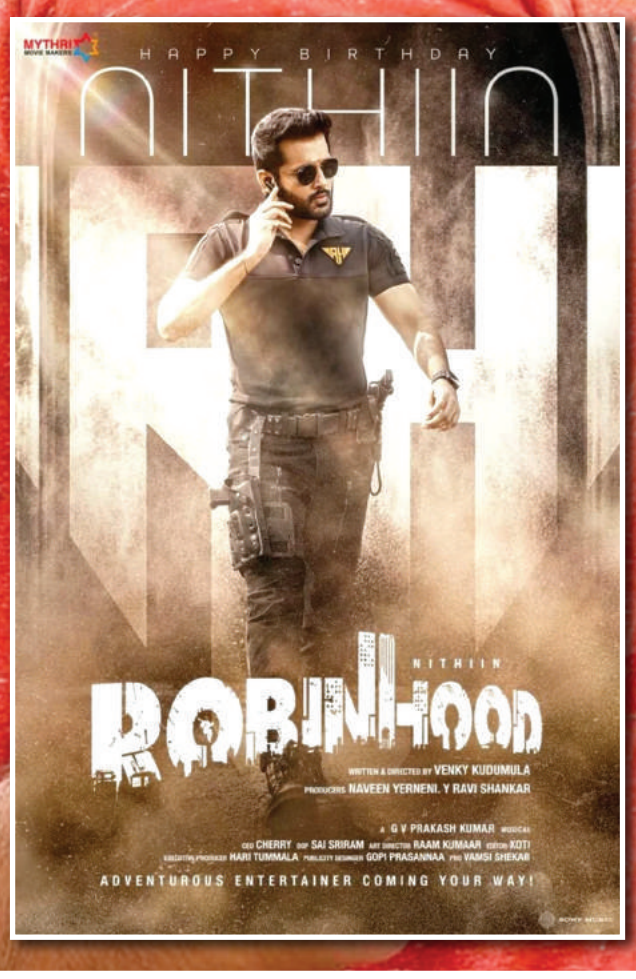

करोड़ों की फिल्म दे चुकी एक्ट्रेस 15 रुपए की साड़ी में आई नजर

'द केरल स्टोरी' एक्ट्रेस अदा शर्मा ने अपने स्टाइल और फैशन स्टेटमेंट से सभी को चौंका दिया। एक तरफ जहां फिल्म स्टार्स महंगे-महंगे कपड़ों और एक्सेसरीज के लिए चर्चा में हैं तो वहीं अदा शर्मा ने इस लाइन से हटकर कुछ किया। यकीन मानिए कि अदा की साड़ी की कीमत सुनकर तो आपका दिमाग भी चकरा जाएगा कि आखिर अदा ने ये साड़ी खरीदी कहां से? चलिए बता देते हैं। अदा मुंबई में बाहर निकलीं और पैपराजी की नजर तो वो उनके लुक की तारीफ किए बिना नहीं रह पाए। पैपराजी तारीफ करने लगे तो अदा ने बताया कि उनकी साड़ी महज 15 रुपये की थी।

अदा ने जैसे ही बताया कि उनकी साड़ी 15 रुपये की है तो पैपराजी भी हैरान रह गए। उन्होंने फिर पूछा कि में क्या साड़ी की कीमत इतनी कम है। इस पर अदा ने बताया कि ये साड़ी उन्होंने काफी समय पहले खरीदी थी। इसलिए उन्हें ये बहुत सस्ती पड़ी। खैर अदा की साड़ी की कीमत ने तो सोशल मीडिया यूजर्स को भी हैरान कर दिया। अदा की साड़ी की कीमत सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ये कौनसा मीशो चलाती हैं भई। एक ने लिखा, पहले जमाना कुछ और था आज कुछ और। एक बोला, अरे सरोजनी नगर गई होंगी। एक यूजर ने इसे अदा की नानी की साड़ी बताया। उन्होंने लिखा, अदा की का ड्रेसिंग सेंस अच्छा था। हो सकता है कि ये अदा की नानी की ही साड़ी हो। इसे लेकर कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

रोनाल्डो ने 72 घंटे में ली दूसरी हैट्रिक, अल नासेर ने अभा पर 8–0 से दर्ज की जीत

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) । पुर्तगाली स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 72 घंटे के अंतराल में दूसरी हैट्रिक लगाकर अपने क्लब अल नासेर को सऊदी प्रो लीग में अभा पर 8–0 से बड़ी जीत दिलाई। पांच बार के बैलन डि ओर विजेता रोनाल्डो ने मुकाबले में तीन गोल किए और दो गोल करने में सहायता की। रोनाल्डो ने तीनों गोल पहले हाफ में दागे। नौ बार की सऊदी अरब चैंपियन अल नासेर के लिए इस सत्र में रोनाल्डो की यह तीसरी हैट्रिक है।

29 गोल कर सऊदी लीग में शीर्ष गोल स्कोरर हैं रोनाल्डो

उन्होंने अल ताई पर 5–1 से मिली जीत में भी हैट्रिक लगाई थी। लीग के इस सत्र में उनके कुल 29 गोल हो गए हैं। वह लीग में इस वक्त शीर्ष गोल स्कोरर हैं। उनसे पीछे लीग में शीर्ष पर चल रहे अल हिलाल के अलेक्जेंडर मित्रोविच हैं। उन्होंने 22 गोल किए हैं, लेकिन चोट के कारण वह पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। क्रिस्टियानो ने माने के गोल में की मदद अल नासेर अभी भी दूसरे स्थान पर है और अल हिलाल से 12 अंक पीछे है, जबकि आठ मैच लीग में अभी खेले जाने बाकी हैं। रोनाल्डो के पहले दो गोल फ्री किक पर आए। 11वें मिनट में उन्होंने जमीनी शॉट लगाकर गोल भेदा। 10 मिनट बाद उन्होंने खिलाड़ियों की दीवार के ऊपर से बाएं छोर से किक लगाकर गोल किया। उन्होंने फिर सादियो माने के गोल में मदद की। पहला हाफ खत्म होने से तीन मिनट पहले रोनाल्डो ने अपनी हैट्रिक पूरी की। हालांकि मध्यांतर के बाद वह मैदान पर नहीं उतरे।

दूसरे हाफ में हुए तीन गोल

अलसुलाहिम ने पहले हाफ से एक मिनट पहले गोलकर अल नासेर की बढ़त 5–0 की। सुलेमान ने यह गोल भी रोनाल्डो के पास पर किया। रोनाल्डो के मैदान पर नहीं होने के बावजूद नासेर ने दूसरे हाफ में भी गोल किए। अब्दुलरहमान गरीब ने छठा गोल किया, जबकि स्थानापन्न अब्दुलअजीज अल अलाइवा ने बाकी दो गोल किए।

न्यूज़ ब्रीफ

क्रिकेट जगत में फैली शोक की लहर, 33 की उम्र में इस क्रिकेटर ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। पापुआ न्यू गिनी की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैया अरुआ की 33 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से पूर्वी एशिया-प्रशांत क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। अरुआ ने साल 2010 में पहली बार पापुआ न्यू गिनी के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। महिला फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट के विकास के दौर में, अरुआ ने फाल्कन्स के लिए 2022 और 2023 में फेयरब्रेक टूर्नामेंट में भी भाग लिया था। शानदार ऑलराउंडर कैया अरुआ पहली बार 2010 में पूर्वी एशिया-प्रशांत ट्रॉफी में सानो में मेजबान जापान के खिलाफ पहली बार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलती हुई दिखाई दीं थी। इसके बाद वह टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गईं। साल 2017 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। इससे पहले अरुआ विभिन्न पूर्वी-एशिया प्रशांत के कई मैचों में और प्रशांत खेल क्रिकेट में पापुआ न्यू गिनी का प्रतिनिधित्व कर चुकी थीं। पापुआ न्यू गिनी की संभाली थी कमान अरुआ ने 2018 टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में आयरलैंड के खिलाफ मैच में पीएनजी की कप्तानी संभाली और उसी साल उन्हें आईसीसी महिला वैश्विक विकास टीम में नामित किया गया। अरुआ ने 2019 पूर्वी एशिया-प्रशांत टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में स्थायी आधार पर कप्तानी संभाली, जिससे उनकी टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिली और 2019 आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर और 2021 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर दोनों टूर्नामेंटों के लिए

शशांक सिंह की तूफानी पारी, आखिरी ओवर में जीता पंजाब, गुजरात के जबड़े से छीनी जीत

अहमदाबाद, 04 अप्रैल (एजेंसियां) । सांस थाम देने वाले रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस के जबड़े से जीत छीन ली। पंजाब की इस जीत के हीरो अनकैप्ड शशांक सिंह रहे, जिन्होंने छठे नंबर पर आकर 29 गेंद में 61 रन की नाबाद पारी खेली। 200 रन के चैलेंजिंग टोटल के सामने एक वक्त सिर्फ 111 रन पर पंजाब की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सारे दिग्गज डगआउट में बैठे हुए थे। यहां से शशांक सिंह ने साहसिक पारी खेलते हुए पंजाब किंग्स को हैरतंगेज जीत दिला दी। शशांक सिंह ने पांचवें विकेट के लिए सिकंदर रजा के साथ 22 गेंद में 41, छठे विकेट के लिए जितेंद्र शर्मा के साथ 19 गेंद में 39 और इम्पैक्ट डेब्यूटेंट अनिरुद्ध शर्मा के साथ सातवें विकेट के लिए 22 गेंद में 43 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। पंजाब किंग्स की यह चार मैच में दूसरी जीत है तो गुजरात टाइटंस की चार मैच में दूसरी हार।

ऑक्शन में पंजाब ने शशांक को गलती से खरीदा था

जी हां! आज मैच में जिस शशांक सिंह ने पंजाब किंग्स की लाज बचाई, इस सीजन के लिए पिछले साल हुई नीलामी में उसे बेइज्जती झेलनी पड़ी था। पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा ने ये कहकर शशांक सिंह को अपनी टीम में जोड़ने से इनकार कर दिया था कि वह तो इसी नाम के किसी दूसरे प्लेयर से धोखा खा गए। टीम 19 साल वाले शशांक को खरीदना चाहती थी, लेकिन खरीद लिया 32 साल वाले शशांक सिंह को। मगर अब जिस अंदाज में उनका बल्ला चल रहा है टीम मैनेजमेंट को अपनी गलती पर अब ज़रा भी दुख नहीं होगा।

बेकार गई शुभमन गिल की 89 रन की पारी

अपने होमग्राउंड यानी दुनिया के सबसे बड़े नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर गुजरात टाइटंस ने 199 रन का मजबूत टोटल खड़ा किया था। शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 48 गेंद में चार छक्के और छह चौके की मदद से नाबाद 89 रन की पारी खेली थी। वह सीजन के पहले शतक से सिर्फ दो शॉट से चूक गए थे। उन्होंने साई सुदर्शन (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी भी की। उन्होंने राहुल तेवतिया (आठ गेंद में नाबाद 23) के साथ 14 गेंद में 35 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के करीब पहुंचाया। पंजाब की ओर से कागिसो रबाडा और हर्षल पटेल दोनों ने चार-चार ओवर में समान 44 रन लुटाए। रबादा को दो जबकि हर्षल को एक विकेट मिला।

वर्ल्ड कप क्वालीफायर तक पुरुषों के मुख्य कोच बने रहेंगे स्टिमैक

नई दिल्ली,04 अप्रैल । सीनियर भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे दौर के क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी भूमिका जारी रखेंगे। फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशिया कप 2027 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने की अपनी कोशिश में भारत को एक गंभीर झटका लगा, जब टीम पिछले महीने अफगानिस्तान से 1–2 से हार गई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे द्वारा स्टिमैक के साथ चर्चा करने के लिए गठित समिति ने 2 अप्रैल को मुख्य कोच के साथ एक आभासी बैठक की। बैठक में मेनला एथेनपा, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति, अनिलकुमार प्रभाकरन, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति, एम सत्यनारायण, कार्यवाहक महासचिव, एआईएफएफ उपस्थित थे। बैठक के दौरान, स्टिमैक से फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने में भारत के विफल होने पर इस्तीफा देने के अपने हालिया बयान को स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। एआईएफएफ वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, स्टिमैक ने कहा कि उनकी टिप्पणी एक सवाल के जवाब में की गई थी। कोच ने कहा, एक साल पहले, मैंने कहा था कि हम राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे और वर्तमान में हम ग्रुप में दूसरे स्थान पर हैं और दो टीमें क्वालीफाई करती हैं। हम 6 जून 2024 को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद इस मुद्दे पर आगे चर्चा करेंगे। 6 जून को कुवैत के खिलाफ मैच भारतीय फुटबॉल में सबसे बड़े दिनों में से एक होगा, क्योंकि एक जीत पहली बार राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की हमारी संभावनाओं को काफी हद तक उवल कर देगी। स्टाफ और खिलाड़ी सभी इस ऐतिहासिक क्षण से अवगत हैं। स्टिमैक ने बैठक में कहा, हम जीतने के लिए अपनी क्षमता से सब कुछ करेंगे। एआईएफएफ समिति के सदस्यों के साथ सार्थक चर्चा हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पैसे के लिए...

बाद में नाटकीय तरीके से एल रामदास आम आदमी पार्टी के आंतरिक लोकपाल बन गए। बड़ा दिलचस्प तथ्य है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता एल रामदास की बेटी कविता रामदास फोर्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष की वरिष्ठ सलाहकार हैं। कविता रामदास पहले कई वर्षों तक भारत में फोर्ड फाउंडेशन के भारतीय प्रतिनिधि के रूप में काम कर चुकी है। कविता ने अमेरिका के कुख्यात धनपशु जार्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ भी काम किया है।केजरीवाल को 2006 में एड-इंडिया एनजीओ द्वारा एड-साथी के रूप में चुना गया था। एड-साथी को बिना किसी विशिष्ट परियोजना के धन, प्रचार और समर्थन प्राप्त होता है। इस एनजीओ को भी फोर्ड फाउंडेशन से ही फंड मिलता था। मेधा पाटकर को भी एड-इंडिया फंडिंग कर रही थी। केजरीवाल उसके काम को बढ़ावा देने में पूरी तरह शामिल थे। एक समय गुजरात में मेधा पाटकर को आम आदमी पार्टी की मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की भी बात चल रही थी। मेधा पाटकर भी आम आदमी पार्टी की प्रबल समर्थक रही हैं। अगस्त 2005 में अरविंद केजरीवाल ने अपने एनजीओ परिवर्तन के स्थान पर एक और एनजीओ कबीर शुरू किया। दिलचस्प बात यह है कि कबीर को पहले दिन से ही फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया गया था।वर्ष 2008 में इंफोसिस के नारायण मूर्ति भी फोर्ड फाउंडेशन के भरोसेमंद बन गए। 2014 में इंफोसिस के पूर्व निदेशक बालाकृष्णन आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। तथ्यों के मुताबिक केजरीवाल के एनजीओ कबीर को 1999 में दिल्ली में पंजीकृत किया गया था। कबीर का पता उसी इमारत में था जहां उस समय एमनेस्टी इंटरनेशनल काम कर रही थी। एमनेस्टी वही एनजीओ है जो अब भारत में प्रतिबंधित है और इसे फोर्ड फाउंडेशन से करोड़ों का अनुदान मिलता रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए, फोर्ड फाउंडेशन और मैग्सेसे पुरस्कार के बीच संबंध के पक्के सबूत मिल चुके हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के कई दस्तावेज हैं, जो स्पष्ट रूप से सीआईए, फोर्ड फाउंडेशन और मैग्सेसे पुरस्कार के बीच संबंध दिखाते हैं। भारत में आम चुनाव 2024 की घोषणा के बीच राघव चड्ढा का लंदन में होना और ब्रिटिश सांसद प्रीत गिल से मुलाकात भी चौंकाने वाली है। अलगाववाद और खालिस्तान का समर्थन करने वाले तत्वों से इस मुलाकात पर सवाल उठ रहे हैं।

हिजबुल के...

संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर भारत में आतंक फैलाने के उद्देश्य से भारतीय लोगों को अपने नेटवर्क से जोड़ रहा है।अल्ताफ को एचएम के मुजाहिदों से हिदायत मिली थी कि वो खुफिया तौर पर नेपाल के रास्ते भारत में घुस कर जम्मू-कश्मीर पहुंचे, जहां उन्हें आगे के प्लान के बारे में बताया जाएगा। वह नेपाल के काठमांडू में ही नासिर से मिला जिसने अल्ताफ और गजनफर को फर्जी आधार कार्ड उपलब्ध करवाए और नासिर ने ही इन दोनों को शेख फरीदा गांव के रास्ते भारत आने के लिए बताया था।नासिर अली कश्मीर का रहने वाला है और वाट्स एप के जरिए उसका संपर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के सलीम नामक व्यक्ति से हुआ। सलीम ने नासिर को बताया कि तुम्हारे मामा गजनफर के साथ एक और व्यक्ति को पाकिस्तान से भेजा जा रहा है, जो काठमांडू में मिलेगा, जिसके साथ उसे जम्मू-कश्मीर जाना है। खुफिया एजेंसियां पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ कर रही हैं। यूपी एटीएस के अधिकारियों का कहना है कि आतंकी कोई बड़ी योजना के तहत आए थे। इसे लेकर एनआईए के अधिकारी भी पूछताछ की प्रक्रिया में शामिल होने वाले हैं।

सपा के ...

राकेश ने बताया कि भाजपा सरकार बनने के बाद से यूपी गुंडई और भ्रष्टाचार से मुक्त हो गया है। पीएम मोदी ने उनसे बुजुर्ग व पुराने कार्यकर्ताओं की सक्रियता और उपयोगिता पर भी सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि समाज के प्रबुद्ध, बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ताओं के पास 20 से लेकर 50 वोट होते हैं। उनके माध्यम से हमें उन मतदाताओं तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हमें अपने ही सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ने का संकल्प लेना चाहिए।पीएम ने कहा कि 10 वर्षों से यूपी से सांसद रहने के दौरान अब इस क्षेत्र को समझना आसान हो गया है। यूपी के लोग स्वार्थ से नहीं, भावनाओं से जुड़ते हैं। हमें यह ख्याल रखना चाहिए कि हमारे काम और व्यवहार से किसी को ठेस नहीं पहुंचे। पन्ना प्रमुख मतदाताओं के संपर्क में रहें। पीएम मोदी ने कहा कि रामनवमी और नवरात्र पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम के लिए योजना बनानी चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों से आसानी से जुड़ाव हो सके।उन्होंने महिलाओं की भागीदारी और पार्टी के प्रति सोच पर भी चर्चा की। पीएम ने कहा कि पहली बार मतदान करने वाली महिलाओं से देश और समाज पर चर्चा करनी चाहिए। वे हमारे कामकाज को किस रूप में देखती हैं, यह समझना चाहिए और अपनी विचारधारा से उन्हें जोड़ना चाहिए। पीएम मोदी को बताया कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने व अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण से माहौल सकारात्मक है। प्रधानमंत्री के सवाल पर बूथ अध्यक्ष ने बताया कि चाचा-भतीजा की सरकार में गुंडई और भ्रष्टाचार चरम पर रहा। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद गुंडाराज और भ्रष्टाचार पर नकेल कसी। भाजपा सरकार के कामकाज से जनता सहमत है। उन्होंने सरकार की योजनाएं गिनाते हुए बताया कि इससे लोग खुश हैं। पीएम मोदी ने हल्के अंदाज में कहा कि आपको बहुत सारी योजनाएं याद हैं, इसका मतलब आप बहुत सक्रिय हैं।पीएम मोदी ने पुराने दिग्गज कार्यकर्ताओं से जुड़ाव की जानकारी ली। बूथ अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पूर्व जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक प्रमुख सहित अन्य पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क किया जाता है। उनके जरिए उनके प्रभाव वाले मतदाताओं से भी मुलाकात होती है। पीएम ने कहा कि कभी कुछ लोगों को उनसे मिलाने के लिए ले जाएं। उनका आशीर्वाद मिलेगा तो जीत बेहद आसान होगी।

आतंकवाद के ...

अखंडता का हर तरह से सम्मान करें तो उचित होगा।डोभाल ने इस मौके पर मास्को के क्रोकस सिटी हॉल में गत दिनों हुए आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए उसकी घोर निंदा की। भारतीय एनएसए ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के खतरे को जड़ मिटाने के लिए दोहरे मापदंडों को त्यागने की जरूरत है। सुरक्षा के मुद्दे पर आयोजित इस सम्मेलन में उनका ऐसा कहना स्पष्टत: आतंकवाद के प्रायोजक पाकिस्तान और उसके समर्थक चीन की तरफ था। इस मौके पर डोवाल ने यह भी कहा कि एससीओ सदस्य देश एक दूसरे की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का हर तरह से सम्मान करें तो उचित होगा। उनका ऐसा कहना चीन द्वारा चलाई जा रही बीआरआई परियोजना को लेकर उठ रहे प्रश्नों के आलोक में देखा जाना चाहिए।भारत के स्पष्ट बोलने वाले एनएसए ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे तमाम तरह के आतंकवादी गुटों को लगातार समर्थन देने का आरोपी ठहराया। इसके साथ ही उन्होंने इसके लिए पैसा उपलब्ध कराने वालों और मदद देने वालों पर भी उंगली उठाई। पता चला है कि डोभाल ने लश्कर-ए-तैयबा, अल कायदा व उसके साथी गुट, जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस सहित तमाम आतंकवादी संगठनों की तरफ से दुनिया के लिए पैदा हुए संकट पर विस्तार से बोला।भारत की नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हम दूसरे देशों के साथ कारोबार तथा जुड़ाव में वृद्धि करने का हमेशा तैयार रहते हैं। इस प्रकार का कदम इस प्रकार उठाना चाहिए जिससे एससीओ सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कोई आंच न आए। यहां ध्यान देना होगा कि डोभाल का यह संकेत चीन द्वारा क्षेत्र और सड़क संपर्क को लेकर बीआरआई परियोजना में सतर्कता बरतने की मांग करने से जुड़ा था।सम्मेलन में भारत के एनएसए ने गत 22 मार्च को रूस की राजधानी मास्को के क्रोकस सिटी हॉल में आतंकवादी हमले का उल्लेख किया और उसकी कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने वहां मौजूद रूस के एनएसए पेत्रुशेव को कहा कि भारत हर तरह के आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने के अभियान में रूस की सरकार तथा वहां के नागरिकों के साथ एकजुटता से खड़ा है। डोभाल ने साफ कहा कि सीमा पार आतंकवाद या अन्य किसी भी प्रकार की आतंकवादी हरकतों को सही नहीं ठहराया जा सकता। सम्मेलन में अफगानिस्तान में एससीओ की ओर से फौरन मानवीय सहायता पहुंचाने की वकालत करते हुए डोभाल ने उस देश में एक समावेशी तथा प्रतिनिधि सरकार के गठन, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी, महिलाओं, बच्चों तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने जैसे विषयों पर भी विचार व्यक्त किए तथा इन्हें आवश्यक बताया।भारतीय एनएसए ने शस्त्रों तथा मादक पदार्थों की सीमा पार से तस्करी पर चिंता व्यक्त की तथा आतंकवादियों द्वारा ड्रोन जैसी तकनीकों के प्रयोग की काट करने की जरूरत पर जोर दिया। डोभाल ने अफगानिस्तान में आतंकवादी संजाल की बराबर बनी हुई मौजूदगी के साथ ही वहां के सुरक्षा हालात को लेकर भी चिंता प्रकट की। उनका कहना था कि चूंकि भारत उसके एकदम पड़ोस में है इसलिए वहां भारत की दृष्टि से सुरक्षा और आर्थिक हित जुड़े हैं। सम्मेलन में अफगानिस्तान में एससीओ की ओर से फौरन मानवीय सहायता पहुंचाने की वकालत करते हुए डोभाल ने उस देश में एक समावेशी तथा प्रतिनिधि सरकार के गठन, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी, महिलाओं, बच्चों तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने जैसे विषयों पर भी विचार व्यक्त किए तथा इन्हें आवश्यक बताया।इस सम्मेलन में एससीओ के सदस्य देशों की सुरक्षा परिषदों के सचिव, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव भी मौजूद थे। डोभाल ने कजाकिस्तान की इस पहल तथा सम्मेलन की सफल अध्यक्षता के प्रति भारत का समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत सक्रिय तथा रचनात्मक तौर पर एससीओ तथा इसके सदस्य देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करने को समर्पित है। उल्लेखनीय है कि एससीओ समूह में चीन, रूस, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश हैं।

अपनी पत्नियों...

चला रही है। यह कैंपेन मालदीव के इंडिया-आउट कैंपेन से मिलता जुलता है। बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी भी मालदीव से प्रेरित होकर इंडिया-आउट कैंपेन चलाने की कोशिश कर रही है। इस कैंपेन को इसी साल 17 जनवरी को शुरू किया गया था। उस दौरान इसे भारत विरोधी मानसिकता से सने कुछ कथित एक्टिविस्ट और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने शुरू किया था। इसके जरिए इन सभी ने सोशल मीडिया पर भारत और भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की मांग की। हालांकि, इन लोगों को इनके ही देश में इनकी ही सरकार का समर्थन हासिल नहीं है।बांग्लादेश में मालदीव से प्रेरित होकर इंडिया-आउट कैंपेन चलाने वाले मालदीव का हाल भूल गए कि मालदीव की क्या गत हुई। वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने भारत विरोधी कैंपेन चलाया तो भारत ने लक्षद्वीप को प्रमोट कर दिया और उसकी परिणति यह हुई कि मालदीव की अर्थव्यवस्था को 30 फीसदी अर्थव्यवस्था को नुकसान हो गया।इंडिया-आउट का कैंपेन चलाने वाली बांग्लादेश की विपक्षी पार्टियों को यह समझने की जरूरत है कि वो रोजमर्रा की चीजों तक के लिए भारत पर आश्रित हैं। बांग्लादेश के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारत से भेजे जाने वाले सामानों पर निर्भर हैं। इनमें सब्जियां, तेल, कॉस्मेटिक, कपड़े, मोबाइल और गाड़ियां शामिल हैं। देश की बड़ी आबादी भारत से आने वाले लग्जरी आइटम जैसे ज्वेलरी और फैशनेबल कपड़े भी खरीदती है। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की इंडस्ट्री में भारत से एक्सपोर्ट होने वाले कच्चे माल से लेकर कॉटन और कुशल कारीगरों की भी काफी डिमांड है।उल्लेखनीय है कि चीन के बाद भारत बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। बांग्लादेश कुल मिलाकर 6.8 लाख करोड़ की वस्तुओं का आयात करता है, जिसमें से 1.15 लाख करोड़ रुपए का इम्पोर्ट बांग्लादेश भारत से ही करता है।

अपराधियों की...

ईसाई ओइक्या परिषद सहित तमाम हिंदू संगठन सरकार से चंद्रनाथ मंदिर और कांताजी मंदिर को तीर्थस्थल घोषित करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन उनकी आवाज अनसुनी की जा रही है।

18वीं सदी में निर्मित कांताजी मंदिर टेराकोटा वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह न केवल विश्व स्तर पर बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप में यूनेस्को-सूचीबद्ध स्थल भी है। इस वर्ष 1 मार्च को दिनाजपुर-1 के नवनिर्वाचित विधायक जकारिया जका ने मंदिर की भूमि पर अवैध मस्जिद की नींव रखी थी और अगले ही दिन से निर्माण कार्य शुरू हो गया। हिंदुओं ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ा। इसके बाद यह मामला देश-विदेश की मीडिया में आया तो आनन-फानन में प्रशासन ने मस्जिद निर्माण पर रोक लगा दी। लेकिन यह रोक दिखावे के लिए थी। वास्तव में मस्जिद का निर्माण कार्य और तेज कर दिया गया। आखिरकार 23 दिन बाद दिनाजपुर के डिप्टी कमिश्नर शकील अहमद ने 24 मार्च को विवादित स्थल का दौरा किया और कांताजी मंदिर की भूमि पर किसी भी तरह के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया।कट्टरपंथी मुसलमान दक्षिण-पश्चिमी चटगांव में 1,020 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित चंद्रनाथ मंदिर की जमीन पहले ही कब्जा कर चुके हैं और अब वहां मस्जिद बनाने की योजना बना रहे हैं। इस पहाड़ी का नाम चंद्रनाथ है और इसीलिए शक्तिपीठ का नाम चंद्रनाथ मंदिर पड़ गया। मान्यता है कि माता सती का दाहिना हाथ इसी पहाड़ी पर गिरा था। इस मंदिर का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। इस मंदिर का पहला उल्लेख त्रिपुरा साम्राज्य के माणिक्य राजवंश के इतिहास राजमाला में हुआ है।हिंदुओं के लिए पवित्र इस चंद्रनाथ पहाड़ी पर दो झरने और कुछ जलधाराएं भी हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। पहले यहां केवल हिंदू श्रद्धालु ही आते थे, लेकिन बीते कुछ वर्ष से मुसलमान भी इस पहाड़ी पर ट्रैकिंग के लिए आने लगे। इसके बाद मुल्ला-मौलवियों की आवाजाही शुरू हुई। फिर देखते-देखते पहाड़ी पर कई मुसलमानों ने होटल खोल लिए और यहां आने वाले आगंतुकों को गोमांस परोसने लगे। इनमें कई रसूख वाले हैं, जिनके सत्तारूढ़ अवामी लीग से नजदीकी संबंध हैं। इसलिए हिंदू चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। पहाड़ी पर इस्लामी सभाएं होती हैं और उनमें हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला जाता है। बीफ पार्टी तो सामान्य बात हो गई है।कट्टरपंथी पहले ही बांग्लादेश के कई हिंदू मंदिरों की जमीनों पर कब्जा कर चुके हैं, जिन्हें मुक्त कराने के लिए वे लंबे समय से सरकार से गुहार लगा रहे हैं। इनमें प्रमुख हैं- ढाकेश्वरी मंदिर (ढाका), आदिनाथ मंदिर (महेशखाली), कॉक्स बाजार भवानीपुर शक्तिपीठ (भवानीपुर), जेशोरेश्वरी काली मंदिर (श्यामनगर), बाबा लोकनाथ ब्रह्मचारी आश्रम (बरोदी), नारायणगंज काल भैरव मंदिर व ब्राह्मणबरिया पुठिया मंदिर परिसर (राजशाही) और ढाका के शेरपुर उपजिला स्थित बोगरा रमणा काली मंदिर। बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद के उपाध्यक्ष और बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई ओइक्या परिषद के संयुक्त सचिव मनिंद्र कुमार नाथ का कहना है कि इन तमाम मंदिरों के अलावा देशभर के अन्य हिंदू तीर्थ स्थलों की हजारों एकड़ जमीन जिहादियों के कब्जे में है। 1908 में ढाकेश्वरी मंदिर के पास 20 बीघा जमीन थी, जो अवैध कब्जे के बाद सिकुड़ कर अब मात्र 7.5 बीघा रह गई है। इसी तरह, कांताजी मंदिर के पास 156 एकड़ से अधिक जमीन थी, लेकिन अभी लगभग 63 एकड़ जमीन ही बची है। शेष जमीन मुसलमानों ने कब्जा ली है। मंदिर की 6.48 एकड़ जमीन पर अब मस्जिद खड़ी की जा रही है। मंदिर की जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 1951 में वहां 22 प्रतिशत हिंदू थे, जो 2022 में घटकर 7.5 प्रतिशत रह गए हैं। वहीं, मुसलमानों की आबादी बढ़कर 91 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो 1951 में 76 प्रतिशत थी। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के अनुसार, बांग्लादेश से हर साल 2.30 लाख हिंदू पलायन करते हैं। धार्मिक उत्पीड़न के कारण 1964 से 2013 के बीच 1.10 करोड़ हिंदू पलायन कर गए। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, 2011 की जनगणना से पता चला कि 2000 से 2010 के बीच 10 लाख हिंदू गायब हो गए।बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का कहना है कि पहाड़ी पर आने वाले मुसलमान जानबूझकर अल्लाह हू अकबर और ला इलाहा इल्लल्लाह जैसे उत्तेजक इस्लामी नारे लगाते हैं और हिंदुओं से दुर्व्यवहार करते हैं। इस कारण दोनों पक्षों के बीच अक्सर झड़प होती रहती है। पिछले वर्ष दिसंबर के उत्तरार्ध में भी झड़प हुई थी। अप्रैल 2023 से कुछ मौलवियों ने हर शुक्रवार को मंदिर के पास नमाज पढ़ना शुरू कर दिया। अब उनकी योजना पहाड़ी पर मस्जिद बनाने की है। इसके लिए एक झूठी कहानी फैलाई जा रही है कि पहाड़ी पर एक मस्जिद थी, जिसे तोड़कर हिंदुओं ने मंदिर बना दिया। मस्जिद बनाने की योजना बनाने वाले जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश और हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश से संबद्ध हैं। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश का देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के साथ गठबंधन है, जबकि हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश का जुड़ाव सत्तारूढ़ अवामी लीग से है।चटगांव के एक बड़े व्यापारी धनंजय दास कहते हैं कि हिन्दुओं का अपने ही धर्मस्थल पर जाना खतरे से खाली नहीं रहा है। मुसलमान उत्तेजक मजहबी नारे तो लगाते ही हैं, हिंदुओं को गालियां भी देते हैं। वे हिंदू तीर्थयात्रियों से दुर्व्यवहार करते हैं और अक्सर उन्हें मालौस (बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए एक अपमानजनक शब्द) बुलाते हैं। वह कहते हैं, अब तो ऐसा लगता है कि कट्टरपंथी मुसलमान किसी भी समय पहाड़ी पर कब्जा कर लेंगे।हिंदू संगठन सरकार से इस पहाड़ी को तीर्थस्थल घोषित करने, गोमांस और मांसाहारी भोजन पकाने-बेचने पर प्रतिबंध लगाने के साथ हिंदू तीर्थयात्रियों का उत्पीड़न रोकने के लिए पुलिस तैनात करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन हिंदुओं की इस मांग को बांग्लादेश की पंथनिरपेक्ष सरकार शायद ही पूरा करेगी, क्योंकि हिंदुओं की गुहार पर सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद ही इस्लामी कट्टरपंथियों का मनोबल बढ़ा है और वे पहले से अधिक आक्रामक हो रहे हैं।

लद्दाख में चीन...

आधुनिकीकरण, विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को शामिल करने और विभिन्न मौजूदा वैश्विक स्थितियों के प्रभाव के आकलन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करके चर्चा की गई।अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने सेनाओं का ध्यान भविष्य की तरफ आकर्षित करते हुए कहा कि आने वाले भविष्य में जो युद्ध होंगे वो हाइब्रिड के साथ ही अपरंपरागत और असममित युद्ध होंगे। उनमें ऐसे हथियारों का इस्तेमाल संभव है, जो सामान्यतः इस्तेमाल न किए जाते हों। उन्होंने आगे कहा, साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का एक अविभाज्य हिस्सा बन गए हैं। यह आवश्यक है कि सशस्त्र बलों को योजना बनाते और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। गौरतलब है कि विपक्ष मुख्यत: कांग्रेस लगातार झूठ फैलाने की कोशिश करती रही है कि चीन भारत की सीमाओं पर कब्जा कर रहा है और सरकार चुप होकर बैठी है। ऐसे में इसके जरिए रक्षा मंत्री ने कांग्रेस को मुंहतोड़ जबाव भी दिया।

अयोध्या, काशी के बाद अब फोकस मथुरा-वृंदावन पर : योगी

सांसद प्रत्याशी हेमा मालिनी के लिए सीएम योगी ने किया प्रचार

मथुरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा और वृंदावन पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि मथुरा-वृंदावन में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने न्यायालयों में चल रहे मामलों में भी जीत मिलने की उम्मीद जताई। साथ ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों को चेतावनी भी दी कि मातृ शक्ति का अपमान करने वालों को पूरा देश सबक सिखाने के लिए तैयार है। सीएम ने कहा कि मथुरा राधा रानी और यमुना मइया की भूमि है। यहां मातृशक्ति पर ओछी टिप्पणी करने वालों को भगवान भी बचा पाएंगे या नहीं, इसमें भी संदेह है। मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां सेठ बी.एन. पोद्दार इण्टर कॉलेज मैदान में आयोजित विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्तमान सांसद और बीजेपी की ओर से लोकसभा प्रत्याशी हेमा मालिनी के पक्ष में प्रचार किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाईं।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान सांसद हेमा मालिनी को तीसरी बार प्रतिष्ठित मथुरा सीट से नामांकन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीसरी बार हेमा जी यहां से प्रत्याशी बनी हैं तो दूसरी पार्टियों के पास प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहे। उन्हें उधार में प्रत्याशी लेने पड़ रहे हैं और जब उधार में भी नहीं मिल रहे तो कांग्रेस के नेता अपना आपा खो चुके हैं। मातृ शक्ति पर अपमानजनक टिप्पणी करके आधी आबादी का अपमान करने पर उतारू हो चुके हैं। मगर इंडी गठबंधन वालों को जानकारी होनी चाहिए कि ये राधे रानी और यमुना मइया की भूमि है। अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो पूरा भारत ऐसा सबक सिखाएगा कि राजनीति करने लायक नहीं रहोगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, मगर इसका मतलब ये नहीं कि हम मातृशक्ति का अपमान करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें व्यक्तिगत रूप से कोई पसंद हो न हो, मगर हम कला, संस्कृति और जाति को टार्गेट नहीं कर सकते। अगर कोई ऐसा कर रहा है तो वो अपने लिए खुद गड्ढा खोद रहा है। उन्होंने कहा कि मथुरा कला की भूमि है। भगवान कृष्ण ने 16 कलाओं के साथ यहीं पर अवतार लिया है। कला का सम्मान करने के लिए इससे अच्छी भूमि कौन हो सकती है। इसलिए भारत की सुविख्यात सिने अदाकारा जिन्होंने अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से भारत की संस्कृति और सभ्यता को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में पूरा जीवन लगा दिया हो। इनके मंचन को देखने के लिए दुनियाभर के लाखों लोग जुटते हैं। इसका सम्मान कौन भारतीय नहीं करेगा, यदि ये भी कांग्रेसियों को बुरा लगता है, तो उन्हें भगवान भी बचा पाएगा या नहीं इसपर संदेह होता है।

सीएम योगी ने सवाल किया कि 60 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने काशी, मथुरा और अयोध्या में विकास क्यों नहीं किया। हेमा मालिनी जी के सुझाव पर मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव का विकास ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से यहां विकास कार्यों को सुनिश्चित किया गया है। ऐसे ही सभी तीर्थों में विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कई जगह न्यायालयों में मामला होने के कारण हमें रुकना पड़ता है।

मगर हम यही मानकर चलते हैं कि अंतत: हमारी जीत होनी है। हमने अयोध्या के लिए 500 साल तक इंतजार किया मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे और अंतत: परिणाम हमारे पक्ष में आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिर क्या वजह थी कि अयोध्या में श्रीराम के मंदिर का निर्माण सपा, बसपा और कांग्रेस ने नहीं किया। ये लोग तो रामभक्तों पर गोली चलाते थे। कोई जय श्रीराम भी कह देता था तो उनपर लाठी और गोलियां चलती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी और अयोध्या में विकास के कार्य ला-इनअप हैं। अब हमारा पूरा फोकस ब्रज भूमि पर है।

84 कोसी, गोवर्धन परिक्रमा, बरसाना परिक्रमा और यमुना मइया की शुद्धि के साथ ही यहां के कुंडों का सौंदर्यीकरण जैसे सभी कार्य यहां की जनभावना के आधार पर किये जाने हैं। ये सभी कार्य युद्ध स्तर पर आगे बढ़ने वाले हैं। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है। ये एक संदेश है जो पूरे देश के लिए स्पष्ट होना चाहिए। अयोध्या और काशी में काम हो चुका है। अब मथुरा वृंदावन के विकास के लिए तीसरी बार हेमा जी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने के लिए सभी को लगना होगा। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे की तर्ज पर यमुना मइया की शुद्धि के लिए अभियान चलाया जाएगा।

धर्म नगरी मथुरा से सीएम ने दिया बड़ा संदेश

राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे: योगी

मथुरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बृहस्पतिवार को सीएम योगी आदित्यानाथ पहुंचे। सीएम पद की शपथ लेने के बाद वह 39वीं बार सीएम मथुरा पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने विपक्ष को निशाने पर रखकर, सरकार की योजनाएं और उपल्बधियां गिनाईं।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि मथुरा-वृंदावन की भूमि कल की भूमि है। भगवान कृष्ण के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 16 कलाओं के साथ अपना अवतार लिया था। कल का सम्मान करने के लिए इससे अच्छी भूमि और कोई नहीं हो सकती है। इसीलिए, भारत की सिनेमा जगत की प्रतिष्ठित अभिनेत्री हेमा मालिनी को भाजपा ने यहां से तीसरी बार चुनावी मैदान में उतारा है।

योगी ने कहा कि हेमा मालिनी ने भारत की नृत्य संस्कृति, सिने संस्कृति को पूरे जगत में पहचान दिलाई है। कांग्रेसियों को यह बात बुरी लगती है। उनको भगवान भी बचा पाएगा या नहीं उसको लेकर संदेह होता है। दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया आज पूरी होने जा रही है। चुनाव युद्ध स्तर पर आगे बढ़ रहा है। विकास और संस्कृति की चर्चा पूर्व के कार्यक्रम में की। चारों ओर एक ही आवाज आ रही है। हर मन

में एक ही बात है कि इस बार फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। पहली बार भारत में भारतवासियों ने देखा है कि उनकी समृद्धि राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए सरकार काम कर रही है।

विश्व स्तरीय इंफ्रा स्ट्रक्चर से लेकर गरीब कल्याण योजनाओं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मोदी ने पिछले 10 साल से काम किया। जबकि, 60 वर्ष राज करने वाले कांग्रेस पार्टी ने कोई विकास कार्य नहीं किया। काशी विश्वनाथ में मोदी के राज में कॉरिडोर बना। कांग्रेस में उसके विषय में कभी सोचा नहीं था। सीएम योगी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस और सपा को भी अवसर दिया। बसपा को भी अवसर दिया। मगर, सभी पार्टियों ने जनता को ठगा। ब्रज का विकास भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है। अयोध्या के लिए 500 वर्षों का इंतजार किया, मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे। मथुरा का मामला भी कोर्ट में है, निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में पहले मथुरा-वृंदावन की तरह कुंज गालियां थीं। आज वहां पर फोरलेन और सिक्सलेन के हाईवे हैं। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद वहां हर वर्ग खुश है। वहां समृद्धि आई है। रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। कई गुना लोगों की आमदनी बढ़ गई है। भाजपा ने पहले ही कहा था कि काशी और अयोध्या में जो कार्य करना है, उसको लाइनअप किया है। अब लोगों को पूरा फोकस ब्रज भूमि पर करना है। यमुना मैय्या की शुद्धिकरण से लेकर मथुरा-वृंदावन के कुंडो के संरक्षण का काम भाजपा सरकार करेगी। हेमा मालिनी तीसरी बार रिकार्ड मतों से जीत कर संसद में जाएंगी। अयोध्या, काशी, मथुरा में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है। यहीं से संदेश भी जाना चाहिए। मथुरा का संदेश पूरे उत्तर प्रदेश के लिए स्पष्ट होना चाहिए कि काशी का काम हो गया है, अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं, अब मथुरा की बारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिस विकसित भारत की संकल्पना को लोगों के सामने रखा है। उसे विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और उसे विकसित उत्तर प्रदेश के लिए विकसित मथुरा का होना बहुत जरूरी है। सरकार के पास जो संभावना होगी, उसी में विकास कराया जाएगा। स्पिरिचुअल टूरिज्म को विकसित किया जाएगा। यमुना शुद्धिकरण के लिए जो कार्य करने होंगे, वह किए जाएंगे। रंगोत्सव, कृष्ण उत्सव के कार्यक्रम कराकर मथुरा की पहचान को आगे बढ़ने का काम भाजपा सरकार ने किया है। नमामि गंगे परियोजना की तर्ज पर यमुना मैय्या को भी शुद्धिकरण से जोड़ने का काम किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले की सुनवाई अब 18 अप्रैल को

प्रयागराज, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इसके पहले सुनवाई शुरू होते ही मस्जिद की ओर से पक्ष रखा गया। जबकि, मंदिर की ओर से कहा गया कि मस्जिद पक्ष याचिका की पोषणीयता पर जिन तर्कों का सहारा ले रहा है, वह बेबुनियाद है। मस्जिद पक्ष का दावा है कि यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट, लिमिटेशन एक्ट और वक्फ एक्ट से बाधित नहीं है।

तब पूर्वांचल में चली थी कांग्रेस की सुनामी, पार्टी ने जीती थी 400 सीटें

वाराणसी, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। चार दशक पहले पूर्वांचल में कांग्रेस की सुनामी चली थी। सभी सीटों पर कब्जा था। चार दशक पहले कांग्रेस ने 400 का करिश्माई आंकड़ा छुआ था। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पूरे देश में कांग्रेस के प्रति सहानुभूति की लहर थी। कांग्रेस की आंधी में कई राजनीतिक धुरंधरों का सियासी तिलिस्म टूटा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व के सहारे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने मौजूदा आम चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है, मगर कांग्रेस यह करिश्मा चार दशक पहले ही कर चुकी है। 1984 के आम चुनाव में देश में कांग्रेस की सुनामी में कई सियासी सूरमाओं को धूल चाटनी पड़ी थी। पूर्वांचल समेत समूचे देश में कांग्रेस ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए लोकसभा की 414 सीटों पर कब्जा जमाया था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के तुरंत बाद देश में आम चुनाव हुए थे। एनटी रामाराव की तेलुगू देशम पार्टी 30 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी।

1984 के आम चुनाव में वाराणसी सीट से श्यामलाल यादव ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने सीपीआई-एम के ऊदल को 94.630 मतों से हराया था। श्यामलाल यादव को 1,53,076 मत मिले थे जबकि ऊदल को 58,646 मत प्राप्त हुए थे। चंदौली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी की पुत्रवधू चंद्रा त्रिपाठी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी। रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस के रामप्यारे पनिका को जीत हासिल हुई थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के संतोष सिंह और लालगंज सीट से कांग्रेस के ही रामधन ने शानदार जीत दर्ज कर दिल्ली का रुख किया था। वहीं जौनपुर सीट से कांग्रेस के कमला प्रसाद सिंह, मछलीशहर से श्रीपति मिश्र और घोसी सीट से राजकुमार राय ने जीत दर्ज कर पूरब में कांग्रेस का झंडा बुलंद किया था।

उस चुनाव में मिर्जापुर-भदोही सीट से कांग्रेस के टिकट पर उमाकांत मिश्र विजयी हुए थे। कांग्रेस लहर में बलिया में चंद्रशेखर भी अपना दुर्ग नहीं बचा पाए थे। उन्हें कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी ने परास्त किया था। गाजीपुर सीट से कांग्रेस के जैनुल बशर ने जोत दर्ज की थी जबकि बलिया से सटी सलेमपुर सीट से रामनगीना मिश्र कांग्रेस के टिकट पर जीते थे। 1984 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 49.10 फीसदी वोट हासिल हुए थे। बोटों के लिहाज से यह भी एक रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड को आज तक कोई तोड़ नहीं पाया है। सीटों की बात करें तो कांग्रेस के खाते में 414 सीटें आई थीं। भाजपा को 7.74 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि उसके खाते में सिर्फ दो सोट ही आई थी।

जनता पार्टी को 6.89 फीसदी वोट के साथ दस सीटें और लोकदल को 5.97 फीसदी वोट के साथ तीन सीटें हासिल हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी ने 22 सीटें जीती थी। उसे 5.87 फीसदी मत मिले थे। आंध्र प्रदेश को तेलुगु देशम पार्टी को कांग्रेस के मुकाबले सर्वाधिक 30 सीटें मिली थी। उसे 4.31 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे।

पढ़ाई के लिए वीजा लेकर आए नाईजीरियाई ने बना डाला गिरोह

आगरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा के थाना हरीपर्वत पुलिस ने ई-कॉमर्स साइट पर प्रोडक्ट बेचने के बहाने व्यापारी से ठीक करने वाले दो विदेशी ठगो को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी तीन साल से स्टडी वीजा पर नोएडा में रह रहे थे। वहीं से अपना नेटवर्क चलाते थे।

जनवरी महीने में हरीपर्वत थाना क्षेत्र के आलू व्यापारी राजीव पा-लीवाल आठ लाख रुपए की साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि दिसंबर में उन्होंने आलू की बोरी खरीदने के लिए ऑनलाइन 3.50 का ऑर्डर दिया था। मगर ठाकुर ने नई-नई स्कीम बात कर करीब 8 लख रुपए की ठगी कर ली।

एसीपी हरी आदित्य कुमार ने बताया कि साइबर टीम ने ई कामर्स साइट के आइपी एड्रेस के माध्यम से दो नाईजीरियन अकुम्बे बोमा और माइकल बूनवी नाम के दो आरोपियों गिरफ्तार किया। अब तक आरोपी करीब 100 से 150 व्यापारियों से करीब 15 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। ई-कॉमर्स साइट के माध्यम से हर व्यापारी से हर सामान की डिलीवरी का आर्डर लेते थे। रुपए लेने के बाद डिलीवरी नहीं देते थे।

तस्करी का गढ़ बन रहा लखनऊ एयरपोर्ट

साढ़े आठ करोड़ की सिगरेट और 27 करोड़ का सोना बरामद

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। अमौसी एयरपोर्ट तस्करी का गढ़ बनता जा रहा है। एयरपोर्ट पर तीन माह में 8.47 करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट व पूरे वित्तीय वर्ष में 27.09 करोड़ रुपए का सोना बरामद किया गया है। ऐसे में कस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। कस्टडी से 29 तस्करों के भागने बाद कस्टम पर शक और गहरा गया है।

अमौसी एयरपोर्ट पर खाड़ी देशों से तस्करी कर लाए जाने वाले सोने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वहीं, बैंकॉक व दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से विदेशी सिगरेट तस्करी कर लाई जाती है। कस्टम की टीम मुस्तैदी की बात कहकर तस्करों को पकड़ रही है, कस्टम की टीम सिगरेटों की तस्करी को उजागर करती है, लेकिन सोने की तस्करी में मिलीभगत कर लेती है। एयरपोर्ट पर जनवरी से अब तक सिगरेट तस्करी के कुल 105 मामले पकड़े गए हैं, जिसमें 58,45,280 सिगरेट बरामद की गई हैं। इनकी कुल कीमत 8 करोड़ 47 लाख 37 हजार 800 रुपए है। वहीं, सोने की तस्करी की बात की जाए तो वित्तीय वर्ष में कुल 72 मामले पकड़े गए। इसमें तस्करों कुल 43,904 ग्राम सोना बरामद किया है, जिसकी कीमत 27 करोड़ 9 लाख 55 हजार 833 रुपए बताई जा रही है।

कस्टम की गिरफ्त से भाग गए 29 स्मगलर

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट से हिरासत में लिए गए 36 तस्करों के पास से कस्टम विभाग ने 3.12 करोड़ रुपए की सिगरेट बरामद की। बाद में पता चला कि तस्कर पेट में सोना छिपाकर भी लाए हैं लेकिन अगले ही दिन एक तस्कर ने बीमारी का बहाना किया। इसका फायदा उठाकर 29 तस्कर कस्टम की कस्टडी से भाग गए। बुधवार को कस्टम विभाग के सहायक आयुक्त ने एक नामजद समेत 36 पर एफआईआर दर्ज कराई।

शारजाह में एक अप्रैल की सुबह 7.10 बजे अमौसी एयरपोर्ट पहुंची फ्लाइट से उतरे 36 सिगरेट तस्करों को कस्टम विभाग की टीम ने पकड़ा था। जानकारी पर डीआरआई की टीम ने जांच की तो पता चला कि इनमें से 30 तस्कर पेट में सोना छिपाकर लाए हैं। इस बीच तस्कर मोहम्मद काशिफ ने बीमार होने का नाटक किया। अधिकारी उसकी बीमारी में उलझ गए। उसे अस्पताल भी लेकर गए। इस बीच 29 तस्कर भाग गए।

सिगरेट बरामदगी के पीछे सोना पार कराने का खेल

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश से सिगरेट तस्करी के पीछे एक बड़ा खेल चल रहा है। सिगरेट के साथ ये तस्कर पेट में सोना छिपाकर लाते हैं, लेकिन सिगरेट जब्तीकरण के बाद कस्टम की कस्टडी से आसानी से चले जाते हैं। इससे आसानी से करोड़ों का सोना पार कर ले जाते हैं। दूसरी तरफ कस्टम विभाग सिगरेट की बरामदगी कर गुडवर्क भी कर लेता है। दरअसल, एक अप्रैल को कस्टम ने शारजाह से आए जिन 36 तस्करों को 3.12 करोड़ की सिगरेट के साथ पकड़ा, उनमें से 30 तस्कर पेट में सोना भी छिपाकर लाए थे। दूसरे दिन 29 तस्कर कस्टम की टीम को चकमा देकर भाग गए तो यह मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया था, इसलिए तत्काल पुलिस को सूचना देकर एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतर तस्करों के पास से सिगरेट बरामद होती है। जानकारी के मुताबिक सिगरेट साजिश के तहत लाई जाती है, ताकि टीम का ध्यान उस ओर मुड़ जाए और तस्कर आसानी से सोना लेकर एयरपोर्ट से निकल जाएं। पिछले एक साल में करोड़ों रुपए की सिगरेट बरामद हुई है। पूरी संभावना है कि वह सभी तस्कर सोना भी लाए थे। सरोजनीनगर पुलिस ने करीब एक माह पहले डेढ़ दर्जन संदिग्ध लोग पकड़े थे। ये विदेश से आए थे। पुलिस की जांच में सामने आया था कि ये लोग सोना छिपाकर लाए थे। पुलिस ने सभी तस्करों को कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया था, लेकिन करीब पांच घंटे बाद ही सभी छूट गए थे। सवाल है कि आखिर उन्हें क्यों छोड़ा गया। क्या कोई कार्रवाई की गई या नहीं, इसकी कोई जानकारी नहीं है। सिगरेट की आड़ में सोना पार करने के खेल के पीछे विभागीय स्तर पर साठगांठ है। क्योंकि इतनी आसानी से कस्टडी से बिना चेकिंग एयरपोर्ट से बाहर निकलना आसान नहीं होता है। इसलिए ये बेहद गंभीर प्रकरण है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बीआरएस ने केमिकल फैक्ट्री विस्फोट पीड़ितों के लिए की 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग

संगारेड्डी, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने मांग की है कि राज्य सरकार एक समाप्त हो चुके रिएक्टर के संचालन के लिए एसबी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करे और रिएक्टर विस्फोट में मृतकों के परिजनों के लिए 50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि का भुगतान करे, जिसमें अब तक 6 लोगों की जान चली गई है। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और घायलों को 25 लाख रुपये दिए जाएं।

पूर्व मंत्री ने गुरुवार को एमएनआर मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया जहां 30 घायलों में से 12 का इलाज चल रहा था। बाद में, उन्होंने एसबी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड का दौरा किया जहां उन्होंने मृतकों और घायलों के परिवार के सदस्यों से बातचीत की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारियों ने दावा किया कि प्रबंधन ने एक समाप्त हो चुके रिएक्टर का संचालन किया था

जिसके कारण दुर्घटना हुई।

सरकार और कंपनी प्रबंधन पर मृतकों और घायल परिवार के सदस्यों की देखभाल नहीं करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मंत्री ने सरकार से सभी घायलों को कॉर्पोरेट अस्पतालों में मुफ्त इलाज प्रदान करने के अलावा शवों को एम्बुलेंस की व्यवस्था करने का आग्रह किया ताकि परिजनों को शवों को उनके घर तक ले जाने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने पीड़ित परिवार के सदस्यों का समर्थन करने के बजाय उन्हें तितर-बितर करने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रत्येक मृतक के परिवार को 50,000 रुपए देगी, इसके अलावा शवों को सुरक्षित स्थानांतरित करने के लिए सभी सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने कलेक्टर वल्लुरु क्रांति से फोन पर बात की और पीड़ित परिवार के सदस्यों के लिए जिला प्रशासन से सहयोग मांगा। राव ने राहत प्रदान करने में लापरवाही बरतने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और एसबी ऑर्गेनिक्स के प्रबंधन की आलोचना की है।

श्री राम कथा को लेकर श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा में सभा आज

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी 22 से 30 अप्रैल तक एग्जीबिशन ग्राउंड नामपल्ली में होने वाली विशाल दिव्य श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ की तैयारियां परवान पर हैं। 9 दिनों तक चलने वाली इस श्री रामकथा को लेकर आज 5 अप्रैल को शाम 6 बजे काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में सभा का आयोजन किया गया है।

जिसमें श्री राम कथा सेवा समिति के संयोजक तुलसीराम बंसल ने सभी यजमानों, कथा सहयोगियों, श्री गोपाल गौशाला के ट्रस्टियों, आजीवन सदस्यों और विभिन्न समितियों से जुड़े लोगों से भाग लेने का आग्रह किया गया है। सभा में कलश यात्रा को लेकर साड़ियों और बाकी सामान का वितरण भी किया जाएगा, साथ ही तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिये विभिन्न समितियों के कामों की समीक्षा होगी।तुलसीराम बंसल ने बताया कि भाग्यनगर में इस वक्त प्रभु श्रीराम के अयोध्या धाम में विराजने के बाद से ही बड़ा उत्साह बना हुआ है। और इसी कड़ी में यह बड़ा आयोजन होने जा रहा है।

जिसको लेकर तगड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। कथा सुरीले अंदाज में होने वाली है जिसमें मानस मर्मज्ञ संत श्री मुरलीधर महाराज प्रभु राम के प्रसंग बहुत ही रोचक तरीके से बताने वाले हैं। साथ ही इसी दौरान 108 रामचरितमानस नवाह परायण का भी आयोजन होने वाला है। साथ ही इस कथा के दौरान रामचरितमानस, प्रभु श्री राम और गौ माता की अद्भुत झांकियां भी हर किसी का मन मोहने वाली हैं।

बीआरएस नेता सुरेंद्र रेड्डी कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेवेला सांसद रंजीत रेड्डी के नेतृत्व में अत्तापुर के बीआरएस नेता एम सुरेंद्र रेड्डी गुरुवार को अपने अनेक समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी का फटका पहनाकर उनका स्वागत किया।

भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र का किया गया स्वागत

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लाल बजार स्थित विजय कुमार अग्रवाल के निवास स्थान पर गुरुवार सुबह अल्पाहार का आयोजन किया गया, जिसमें मलकाजगिरी से भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र के साथ अन्य कार्यकर्ताओं ने अल्पाहार का आनंद लाभ उठाया। उन्होंने सभी लोगों से पीएम मोदी की कार्यशैली का अभिवादन किया और सभी से आने वाले समय में मोदीजी के हाथ मज़बूत करने का आह्वान किया। समाज की विभिन्न संस्थाओं से आए अध्यक्षों, कॉलोनी के महालक्ष्मी सोसाइटी मेंबर्स के अध्यक्ष किरन कुमार ने ईटेला राजेंद्र का सम्मान शॉल द्वारा किया। अवसर पर राम कुमार अग्रवाल, रामधारी अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, रिगालियाँ स्मार्ट स्पेस के पार्टनर दीपक अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद केडिया, अग्रवाल समाज

सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के चेयरमैन राजेश कुमार अग्रवाल, सुनील चौंकानी, संतोष चैखानी, अशोक अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, श्याम चौखानी, सुधीर, विनय, रोहित, विनोद अग्रवाल, राजेश, राकेश अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, अश्विन एवं अन्य उपस्थित रहे।

आगामी 12 से 15 अप्रैल तक उमियाधाम मेडचल में आयोजित श्री उमिया माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लेने हेतु तेलंगाना गुजराती समाज, जलाराम बापा मंदिर, ठाकुरजी हवेली, गुजराती सेवा मंडल के पदाधिकारियों को निमंत्रित करते हुए श्री कच्छ कडावा पाटीदार समाज अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी, हंसराज पटेल व अन्य।

अत्तापुर के गौतम आश्रम में 9 को मनाया जाएगा उगादी उत्सव

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर स्थित श्री महर्षि गौतम आश्रम में उगादी उत्सव 9 अप्रैल को भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस सम्बन्ध में गुर्जर गौड ब्राह्मण ट्रस्ट रामबाग अत्तापुर के नवनिर्वाचित कार्यसमिति की प्रथम सभा का आयोजन सभी न्यासीगणों के साथ ट्रस्ट भवन मे सायंकाल 8 बजे महर्षि गौतमजी के जयकारे के साथ प्रारंभ हुई। चेयरमैन संजय पंचारिया ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी सत्र में ट्रस्ट द्वारा संचालित कार्यों पर

सभी के विचार आमंत्रित कर सम्पूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की।

पूर्व चेरमेन जयप्रकाश जोशी एवं पूर्व मैनेजिंग ट्रस्टी श्रवण कुमार व्यास के कार्यों की प्रशंशा की एवं भविष्य में निरंतर सहयोग की कामना की गई।

सभा पटल पर अरविंद उपाध्याय (गुरु स्वामी), प. काशीराम शर्मा, विजय कुमार उपाध्याय, कोषाध्यक्ष चांदरतन उपाध्याय, विजय कुमार जोशी, विजय कुमार व्यास, विनोद कुमार त्रिवेदी, सुरेश कुमार दुबे, श्रीकिशन पंचारिया, भगवानदास जोशी, पवन कुमार जोशी, राजेश कुमार सिवाल, अमूल जोशी ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। सभा का संचालन मैनेजिंग ट्रस्टी धर्मेंद्र जोशी ने किया।

सभा की समस्त कार्यवाही को जुगल किशोर उपाध्याय ने सम्पादित कर अपने अनुभव कौशल का परिचय दिया।

दो ग्रामीणों की मौत के बाद हरकत में आया वन विभाग

हाथी की गतिविधि पर नजर रखने को नाइट विजन कैमरे सहित ड्रोन टीम तैनात

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना वन विभाग की अदूरदर्शिता और लचर तैयारियों के कारण दो लोगों की जान चली गई। लगभग 70 से 75 हाथियों का झुंड पिछले कुछ हफ्तों से महाराष्ट्र छोर पर प्राणहिता नदी के किनारे घूम रहा है। इसके बावजूद राज्य वन विभाग हाथियों के नदी पार कर तेलंगाना क्षेत्र में प्रवेश करने की संभावनाओं का अनुमान लगाने में नाकाम रहा। इसके अलावा, कुमराम भीम आसिफाबाद में फील्ड स्टाफ नाइट विजन कैमरे, नाइट ड्रोन और अन्य उपकरणों से सुसज्जित नहीं है जो उन्हें जंगली जानवरों की आवाजाही को अधिक प्रभावी ढंग से ट्रैक करने में मदद कर सके। ऐसी खबरें हैं कि हाथी ने पिछले दिनों छत्तीसगढ़ में कुछ लोगों पर हमला किया था। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि यह वही हाथी है या नहीं, लेकिन यह महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के जंगलों में प्रवेश कर गया और प्राणहिता नदी को पार करके तेलंगाना में प्रवेश कर गया।बुधवार और गुरुवार के हमलों के बाद, वन विभाग ने हाथी की गतिविधि पर नज़र रखने के लिए नाइट विज़न कैमरे सहित एक ड्रोन टीम तैनात की। इसके अलावा महाराष्ट्र से एक हुल्ला पार्टी (जो जलती हुई मशाल लेकर और ड्रम बजाने के पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके हाथी को भगाने का कार्य करती है) को भी तैनात किया जा रहा है। छह सदस्यीय टीम के गुरुवार रात या शुक्रवार सुबह पहुंचने की उम्मीद थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह जल्द ही कार्रवाई में बदल जाएगा। इसके अलावा, हाथी वापस महाराष्ट्र की ओर जा रहा है और 15 टीमें उसकी गतिविधियों पर नज़र रख रही हैं। हाथी रात में चलना पसंद करते हैं और वे एक रात में 15 से 20 किलोमीटर की दूरी आसानी से तय कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा, इस दर से, शुक्रवार रात या शनिवार तक हाथी के प्राणहिता नदी पार करने की पूरी संभावना है, बशर्ते कि उसे स्थानीय ग्रामीणों द्वारा परेशान न किया जाए।

ऊंटो की राजस्थान के लिए रवानगी 7 को

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दादावाड़ी के वार्षिक ध्वजारोहण कार्यक्रम में परम पूज्य मुनिराज तीर्थ सुंदर विजय जी की प्रेरणा से एवं जीव दया कार्यकर्ता सुरेंद्र भंडारी के प्रयत्न से 11 ऊंट को नगर में बचाया गया। जिन्हें राजस्थान भिजवाने के लिए धर्म सभा में उपस्थित जीव दया प्रेमियों ने अपना योगदान लिखाया।

रविवार 7 अप्रैल को इन उटो को सिकंदराबाद से राजस्थान के लिए रवाना किया जाएगा।

दादावाड़ी ट्रस्ट के मानद मंत्री मानिकचंद समदरिया ने अनुरोध किया है की जिन्होंने भी इस कार्य में योगदान दिया उनसे प्रार्थना है कि दोपहर 1 बजे पार्स पद्मावती जिनालय के पास पधार कर इन उटो की ट्रकों को रवाना करें।

छांछ सेवा आयोजित

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में हैदराबाद में बढ़ती गर्मी व तापमान में नगरवासियों एवं राहगीरों को राहत दिलाने के उद्देश्य से गुरुवार को नगर के रिकाब गंज क्षेत्र भंडारा चौक में राम रस सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह रामरस सेवा (छांछ सेवा) कार्यक्रम पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में पवन भट्टड, सुनील अन्य कि उपस्थिति में बड़े आयोजित किया गया श्र जिसका स्थानीय लोगों तथा राहगीरों ने लाभ उठाया।

डीबी गर्ल्स जूनियर कॉलेज में विदाई समारोह आयोजित

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित दुर्गाप्रसाद बनवारीलाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज में गुरुवार को विदाई समारोह के अंतर्गत कार्पे डायम साइज द डे आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन, सरस्वती वंदना व वंदे मातरम गान गाकर किया गया।

इस अवसर पर मंच पर समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, डीबी गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पान्डेंट व राधे कृष्णा वूमेन्स कॉलेज समन्वयक मनीष कुमार अग्रवाल व राधे कृष्णा वूमेन्स कॉलेज के कॉरस्पान्डेंट डॉ. महेश कुमार केडिया, समिति की अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन व अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल व डीबी गर्ल्स जूनियर की प्राचार्या डॉ. सरिता अग्रवाल मंचासीन रहीं।

इस अवसर पर समिति की अन्य संस्थाओं के प्राध्यापक, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। मंचासीन गुणमान्यों को पुष्पगुच्छ द्वारा सम्मानित किया गया। मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि छात्र अपने कर्तव्यों व अधिकारों का उपयोग और पालन अवश्य करें। अकादमिक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता, कॅरियर परामर्श व प्लेसमेन्ट विद्यार्थी को समिति द्वारा सुविधा दी जाएगी।

अपने संदेश में उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में 10वीं के बाद 5 वर्ष मेहनत कीजिए, अपने जीवन का निर्णय लें और कुछ हासिल करे। कॉलेज के कॉरस्पान्डेंट मनीष कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि इण्टरमीडिएट आपके जीवन का बांध यहीं से आप जीवन निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण के लिये बधाई दी।

प्राचार्य डॉ. सरिता अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कॉलेज के कार्यकलापों का विवरण दिया और कहा कि समिति द्वारा शिक्षा के लिये विद्यार्थीयों को सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने अपने संदेश में कहा कि सपने देखो उसे पूर्ण करने के लिये मेहनत कर उसे प्राप्त करो। अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने उत्पने संदेश में कहा कि समिति में शैक्षणिक वर्ष में छात्रों के लिये कई बदलाव संशोधित किये गये हैं। तकनीकी कौशल, शैक्षणिक गतिविधियां, व्याख्याताओं की प्रतिभा समिति में दृष्टिगोचर होगी।

समिति की ओर से विद्यार्थियों को सभी सुविधाएँ उपलब्ध की जायेगी ताकि वे अपने जीवन को सफल बना सके। इस अवसर पर प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिये प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसको निर्णायक गुंजन मित्तल व संगिता सोनी रहे। मिस डीबी अपेक्षा माने, हार्ट ऑफ गोल्ड – धनलक्ष्मी, स्कॉलर सुप्रीम हर्षिता जैन, स्टैलिश स्टार आरुषी शर्मा को चयनित किया गया।

द्वितीय वर्ष की छात्राएँ हर्षिता जैन, धनलक्ष्मी व रूपा श्री ने कॉलेज के प्रति अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन, प्राचार्या डॉ. अग्रवाल व विद्यार्थी हिरल पाल, इशिका सरदार ने संयुक्त रूप से किया। अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगाण के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज हैदराबाद–सिकंदराबाद के तत्वावधान में आकांक्षा ग्रुप महिला मंडल द्वारा 6 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य नखराली गणगौर उत्सव कार्यक्रम की प्रचार सामग्री का विमोचन करती हुई आकांक्षा ग्रुप की सदस्याएं।

तीन गाड़ियों में भरी 65 गायों को कटने से बचाया गया

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र गोरक्षा दल के साथ गोरक्षा दल टाइगर फोर्स एवं गौरक्षा दल तेलंगाना, ध्यान फाऊंडेशन एवं हिंदू तख्त के संयुक्त तत्वावधान में गाय बचाओ के विशेष अभियान में 3 गाड़ियों में भरी 65 गायों को पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे गोवंश को कत्लखाने ले जाया जा रहा था। पकड़ी गई गाड़ियों से कुल 65 गोवंश को बचाकर गायों को जीवन दान दिया गया। गाड़ियों को पकड़ कर बचाए गए गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से येडेश्वरी गोकुल गौशाला धाराशिव में सुरक्षित छोड़ा गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गोरक्षादल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह, गौ रक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, गौज्ञान फाऊंडेशन नितेश विजय वर्गीय, युग तुलसी फाउंडेशन के के. शिव कुमार, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, गोरक्षा दल तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, रविंदर गौड, डॉ. इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, राज राठौड़, सतीश सिंह, सचिन सरवानी, बलबीर सिंह, अभिषेक सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

वारंगल शहर में दुर्गेशम मंदिर मे सिखवाल समाज व राजस्थानी सभी समाज की महिलाओं ने दशा माता का व्रत रखते हुए दशा माता की पूजा की। चैत्र मास की दशमी तिथि को दशा माता का पर्व मनाया गया। इस बार दशामाता की पूजा का आंनद उठाया।

हाथी के हमले में किसान की मौत पर वन मंत्री ने जताया दु:ख

वारंगल, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वन, पर्यावरण और वानिकी मंत्री कोंडा सुरेखा ने कोमुरमभीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर वन क्षेत्र के कोंडापल्ली गांव में एक हाथी के हमले में कारू पोशन्ना नामक एक अन्य व्यक्ति की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

मंत्री ने उनके परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। सरकार की गाइडलाइन के अनुसार प्रभावित परिवार की आर्थिक मदद की जाएगी। मंत्री द्वारा 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाएगा। मंत्री सुरेखा ने कहा कि तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमा के माध्यम से आसिफाबाद जिलों में प्रवेश करने वाले हाथियों के हमलों की एक श्रृंखला के मद्देनजर चिंतालमनेपल्ली, पेंचिकल पटे, बेजूर और दहेगाम क्षेत्रों में धारा 144 लागू की गई है। यह स्पष्ट किया गया है कि वन अधिकारी समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। मंत्री सुरेखा ने लोगों को स्थिति सामान्य होने तक सतर्क रहने की सलाह दी।

सभी बीआरएस विधायकों को अयोग्य घोषित किया जाए : येन्नम श्रीनिवास

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महबूबनगर विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव फोन टैपिंग के आरोपों पर नेताओं को कानूनी नोटिस के जरिए धमकी दे रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने फोन टैपिंग प्रकरण में शामिल होने का झूठा आरोप लगाने के लिए महबूबनगर विधायक, वन

मंत्री कोंडा सुरेखा और केके महेंद्र रेड्डी को कानूनी नोटिस भेजा। गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उन्हें भी अपना फोन टैप किए जाने पर संदेह है।

श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि बीआरएस ने पैसे बांटने के लिए टास्क फोर्स वाहनों का इस्तेमाल किया था। सभी बीआरएस विधायक अयोग्यता के पात्र हैं और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने के लिए उन्हें अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए।

मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद की जाएगी : कोंडा सुरेखा

वारंगल, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संगारेड्डी जिले के हतनुरा मंडल में चंदापुर मे वन, पर्यावरण और उपभोक्ता मामलों की मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने एसबी ऑर्गेनिक्स उद्योग में रिएक्टर विस्फोट में कई श्रमिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मौके पर जाकर अधिकारियों व कर्मचारियों से आग लगने की घटना के कारणों के बारे में जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने घोषणा की कि घायलों को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है और उनके ठीक होने तक हर तरह की सहायता प्रदान की जाएगी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अग्निकांड में मरने वाले लोगों के परिवारों को हरसंभव मदद की जायेगी।

तेज़ रफ़्तार लॉरी ने एपीएसआरटीसी बस को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे 40 यात्री

अमरावती, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में 40 यात्री बाल-बाल बच गये। ये सभी यात्री एपीएसआरटीसी बस से नेल्लोर से कावली जा रहे थे। ये यात्री जिस बस में यात्रा कर रहे थे, उसे एक तेज़ रफ़्तार लॉरी ने टक्कर मार दी। घटना में बस चालक और चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के वक्त बस में 40 यात्री सवार थे। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पहुंच कर निरीक्षण किया। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया। हादसे के कारण सड़क पर भारी ट्रैफिक जाम हो गया। बस और लॉरी को क्रेन की मदद से अलग किया गया। इसके बाद यातायात सुचारू हो गया।

बहरहाल, पुलिस मामला दर्ज कर हादसे की जांच कर रही है। पुलिस ने सड़क पर वाहन तेज गति से न चलाने की सलाह दी है। हर चालक को वाहन चलाते समय परिवार के सदस्यों का ध्यान रखना चाहिए। चेतावनी दी कि शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जागरूकता सम्मेलन का आयोजन

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शी टीम प्रभारी सुनीता ने स्कूली छात्राओं को बताया कि शी टीमें लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। जिला पुलिस अधीक्षक के. सुरेश कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) प्रभाकर राव ने केजीबीवी स्कूल मोदी ग्राम केरामेरी मंडल में शी टीम की जागरूकता बैठक आयोजित की।

इस मौके पर सुनीता ने कहा कि अगर कोई भी छात्र-छात्राओं व महिलाओं के साथ हिंसा, छेड़खानी व साइबर अपराध का शिकार हो तो तुरंत संपर्क करें। टीम से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

यह भी बताया गया है कि किसी भी आपात स्थिति में डायल 100 पर कॉल की जानी चाहिए। उन्हें 8712670564 पर टीम आसिफाबाद से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं प्रबंधन, शी टीम के सदस्य, श्रीलता स्वप्ना ने भाग लिया।

ब्रांड मोदी और ब्रांड विरोधी के बीच लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

आगामी आम चुनाव से पहले सियासी नेताओं की बयानबाजियां तेज हो गई हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि लोकसभा चुनाव ब्रांड मोदी और ब्रांड विरोधी के बीच मुकाबला है। यह राष्ट्रपति पद का मुकाबला बन गया है। नरेंद्र मोदी के साथ लोगों के भावनात्मक जुड़ाव को देखने पर इसमें कोई शक नहीं रह जाता कि कौन जीतेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 370 सीट के घोषित लक्ष्य को दक्षिणी राज्यों और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ट सीट से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी तमिलनाडु में सात-आठ सीट जीतेगी, तेलंगाना में आठ, आंध्र प्रदेश में चार और करेल में कुछ सीट जीतना 1000 फीसदी तय है। आलोक का यह चौंकाने वाला दावा है, क्योंकि भाजपा ने वाम दलों और कांग्रेस के वर्चस्व वाले राज्य में कभी भी लोकसभा सीट नहीं जीती है। वर्तमान में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में इसकी कोई सीट नहीं है और तेलंगाना में चार सीट हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनका अनुमान तमिलनाडु जैसे राज्य को लेकर बहुत आशावादी है, उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। लोगों में हिंदुत्व की भावना बढ़ी है। द्रविण राजनीति की अपनी सीमा है। उन्होंने कहा कि मोदी के एक दशक लंबे कार्यकाल का असर हिंदुओं में उनके धर्म में पुनरुत्थान के गौरव करने के रूप में आया है। लोग अब अपनी हिंदू पहचान का दिखावा करने में शर्मिंदगी महसूस नहीं करते हैं। हालांकि, हिंदू होना और भारतीय होना एक ही है।

आलोक ने अपने गृह राज्य के बारे में कहा कि वहां भी मोदी की ब्रांड इक्विटी है, जो भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत सुनिश्चित करेगी। उनसे जब पूछा गया कि जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के एनडीए में वापस आने से नीतीश की चुनावी स्थिति राज्य में मजबूत रहेगी, तो उन्होंने ना में जवाब दिया। उन्होंने कहा, यह चुनाव इस तरह हो रहा है कि या तो आप मोदी के साथ हैं या मोदी के खिलाफ हैं। इसमें नीतीश और अन्य लोग चीजों को जोड़ेंगे, लेकिन एक ब्रांड नहीं बन सकते। आलोक ने भाजपा से अपने सियासी करियर की शुरुआत की थी और फिर पार्टी में लौटने से पहले वह जदयू में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा, भारत में भले ही राष्ट्रपति प्रणाली की सरकार नहीं है। लेकिन लोग इसी तर्ज पर वोट देते हैं। लोग चुनावों के दौरान एक नेता के इर्द-गिर्द घूमते रहे हैं।

टास्क फोर्स ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेलने वालों को दबोचा

कागजनगर, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले की टास्क फोर्स पुलिस को जानकारी मिली कि कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जेडीचेनु गांव और पंचिकलपेट मंडल के उपनगरों में आईपीएल क्रिकेट सट्टेबाजी जमकर चल रही है।

टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने कहा कि पांच लोगों को सरकार द्वारा प्रतिबंधित एप्लिकेशन के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट सट्टेबाजी खेलने के आरोप मंस पकड़ा गया और उनके पास से 30,000 रुपए नकद और पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए। इस कार्य में टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप, पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

लालू के सामने लेट गई कांग्रेस

कांग्रेस में विलय के बावजूद पप्पू यादव को टिकट नहीं

पूर्णिया, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

जन अधिकार पार्टी का विलय करवाकर कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव ने आज अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया। इसके बाद सियासत शुरू हो गई। कांग्रेस ने उन्हें इंडी गठबंधन का प्रत्याशी बताने से साफ तौर पर इनकार कर दिया। कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि पप्पू यादव कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार नहीं हैं। कांग्रेस के कोटे में जो 9 सीट आई है उसमें पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र नहीं है। राजद नेत्री बीमा भारती ही इंडी गठबंधन की साझा प्रत्याशी हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी का एक-एक वर्कर और एक-एक कार्यकर्ता बीमा भारती को जिताएगा।इधर, नामांकन के बाद पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वह कांग्रेस को बिहार में आगे बढ़ाना चाहते हैं। वह कांग्रेस के साथ हैं। वहीं दावा करते हुए कहा पप्पू यादव ने कहा कि मुझे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। मैंने अपनी पार्टी को विलय कर लिया था इसलिए निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ रहा है। जब मेरी भावना कांग्रेस में समर्पित है और मुझे कांग्रेस परिवार से अलग करने की कोशिश की गई। पप्पू यादव ने स्पष्ट कहा कि मरते दम तक मुझे कोई कांग्रेस परिवार से अलग नहीं कर सकता। कांग्रेस के उम्मीदवार के जिताने के लिए मेरे एक-एक वर्कर हर परिस्थिति में काम करेंगे।पप्पू यादव ने राजद और लालू-तेजस्वी पर हमला बोला। पप्पू यादव ने यहां तक कह दिया कि मेरी राजनीतिक हत्या की साजिश रची गई थी। जिस किसी ने मेरे पॉलिटिकल डेथ की कोशिश की और जिसने परिवार के पीछे नफरत दिखाया। मुझे समझ नहीं आया कि यह कैसी नफरत थी? पप्पू यादव के कहा कि आज का दिन मेरी जिंदगी के अध्याय का है क्योंकि मैंने सबका दिल जीता है और मुझे सभी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा पूर्णिया से गरीबी मिटाना, हर परिवार के बच्चों की खुश रखने का मेरा संकल्प है। हर परिवार के लिए जीने और कोसी-सीमांचल को बिहार में नंबर बनाने का मेरा लक्ष्य है। हर तरह के भ्रष्टचार को मिटाना मेरा लक्ष्य है। साथ ही पूर्णिया को दुनिया के मानचित्र पर लाना है। पप्पू यादव ने कहा कि मुझे जनता का आशीर्वाद मिल चुका है।

वाहन जांच के दौरान ढाई लाख रुपए जब्त

तानूर, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संसदीय चुनावों अधिनियम के तहत राज्य में चुनाव अचार संहिता के कार्यान्वयन के संदर्भ में तानूर पुलिस ने नकद राशि और शराब की अवैध आपूर्ति को रोकने के लिए महाराष्ट्र के सीमावृति चौकियों पर निगरानी स्थापित की है। जवाला बी ग्राम से महाराष्ट्र सीमा पर मौजूद चेक पोस्ट पर बुधवार शाम को तानूर एसआई लोकम संदीप ने साथी पुलिस कर्मचारियों के साथ सीमा चेक पोस्ट पर वाहन जांच की जांच के दौरान विभिन्न व्यक्तियों से कुल 2 लाख, 50 हजार नकद जब्त किए। एसआई संदीप ने कहा कि दो लोगो के पास नकदी राशि से संबंधित उचित दस्तावेज नहीं होने के कारण दो लाख पचास हजार रूपये जब्त कर संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

सार-संक्षेप

इस साल अब तक आंध्र में 258 करोड़ नकदी जब्त

अमरावती, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के एस जवाहर रेड्डी ने बुधवार को बताया कि अधिकारियों ने राज्य में एक जनवरी से अब तक 258 करोड़ रुपए नकद, शराब और नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के एस जवाहर रेड्डी ने बुधवार को बताया कि अधिकारियों ने राज्य में एक जनवरी से अब तक 258 करोड़ रुपए नकद, शराब और नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। रेड्डी ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को बरामदगी के बारे में जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि 1 जनवरी से आज तक 258 करोड़ रुपए नकद, शराब, ड्रग्स और अन्य प्रलोभन जब्त किए हैं। आंध्र प्रदेश की सीमा पांच राज्यों से लगती है और राज्य की सीमाओं पर 150 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं।

31 मार्च से अब तक 2.52 किलो सोना जब्त

मुंबई, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुंबई सीमा शुल्क ने 31 मार्च के बाद से अब तक पांच अलग-अलग मामलों में 2.52 किलो से अधिक सोना जब्त किया है। जब्त सोने की कुल कीमत 1.46 करोड़ रुपए आंकी गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोगों ने सोने को कपड़ों में तो कुछ ने शरीर में छिपा रखा था।

दो करोड़ रुपए की नब्बे हजार लीटर शराब जब्त

मंगलुरु, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से दक्षिण कन्नड़ संसदीय क्षेत्र में अब तक एक करोड़, 95 लाख रुपए मूल्य की 90,443 लीटर शराब एवं 8,69,950 रुपए के मादक द्रव्य बरामद किये गये हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से बुधवार तक अधिकारियों ने 90,443 लीटर शराब जब्त की है जिसकी कीमत 1,95,47,179 रुपए है जबकि बुधवार तक इस लोकसभा क्षेत्र में 8,69,950 रुपए कीमत के विभिन्न मादक द्रव्य भी बरामद किये गये हैं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस दौरान आबकारी विभाग के नियमों के उल्लंघन और अन्य अपराधों सहित कुल 278 प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं।

ईवीएम की फर्जी सूचना देने पर यूट्यूबर गिरफ्तार

तिरुअनंतपुरम, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बारे में भ्रामक सूचना देने के आरोप में पुलिस ने एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि वेनिस टीवी एंटरटेनमेंट नामक चैनल पर मतपत्र के माध्यम से लोगों से मतदान के लिए अभियान चलाने का आग्रह किया जा रहा था। इस संबंध में अलाप्पुझा दक्षिण थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा, आरोपी ने यह कृत्य समाज में दरार और तनाव पैदा करने के इरादे से किया था। मामले की जांच चल रही है।

35 साल से फरार हत्यारोपी पालघर से गिरफ्तार

पालघर, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

हत्या के मामले में 35 साल से फरार आरोपी को महाराष्ट्र के पालघर से गिरफ्तार किया गया है। मानिकपुर पुलिस थाना के वरिष्ठ निरीक्षक राजू माने ने बताया कि 30 नवंबर 1988 को सलीम अकबर अली की वसई के नवघर में कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन लोबो बहरीन भाग गया था और तीन साल पहले भारत लौटा। पुलिस एक अन्य आरोपी बेलूर को पकड़ने का अब भी प्रयास कर रही है।

जज के सामने ही खुद का गला रेतने की कोशिश की

बेंगलुरु, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक हाईकोर्ट परिसर में बुधवार को एक व्यक्ति ने मुख्य न्यायाधीश निलय विपिनचंद्र अंजारिया के सामने चाकू से गला रेतकर आत्महत्या की कोशिश की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत श्रीनिवास को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि श्रीनिवास मैसूर का रहने वाला है। उसने कोर्ट के हॉल वन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मचारियों को एक फाइल सौंपी और गला रेत लिया। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अभी मामले की जांच में जुटी है।

बीएसएफ की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत

सिपाहीजाला, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के अंतर्गत एनसी नगर सीमा चौकी (बीओपी) क्षेत्र में बीएसएफ की गोलीबारी में शहीद मियां नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई। सिपाहीजाला के एसपी ने बताया कि बीएसएफ जवान संदिग्ध तस्करों पर गोलीबारी कर रहे थे। इस बीच मियां को गोली लग गई। इससे उनकी मौत हो गई। वहीं मुठभेड़ में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को लगाई फटकार

संदेशखाली की घटना शर्मनाक हर नागरिक की सुरक्षा जरूरी

कोलकाता, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कलकत्ता हाईकोर्ट में संदेशखाली में हिंसा पर दायर याचिकाओं की सुनवाई लगातार जारी है। गुरुवार को उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

संदेशखाली में महिलाओं से यौन शोषण और जमीन हड़पने के आरोपी शाहजहां शेख को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। तृणमूल कांग्रेस नेता को बंगाल पुलिस द्वारा 55 दिनों की भागदौड़ के बाद पकड़ा गया था। इसके बाद उसे सीबीआई को सौंप दिया गया। शाहजहां और उसके दो साथियों शिबू हाजरा और उत्तम सरदार पर महिलाओं से गैंगरेप का आरोप है। इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। शाहजहां शेख तृणमूल कांग्रेस का जिला स्तर का नेता है। 5 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने राशन घोटाला मामले में उसके घर पर छापा मारा था। उस दौरान शाहजहां के 200 से ज्यादा समर्थकों ने ईडी की टीम पर हमला कर लिया था। उस वक्त अफसरों को मौके से जान बचाकर भागना पड़ा। तब से ही टीएमसी नेता फरार हो गया था। 26 फरवरी के दिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली मामले में शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कोई रोक नहीं है और उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके बाद 29 फरवरी को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने आदेश देते हुए कहा था कि शाहजहां को हर हाल में चार मार्च को होने वाली सुनवाई में पेश किया जाए। इस पूरे मामले में उच्च न्यायालय ने हैरानी जताते हुए कहा कि संदेशखाली में महिलाओं से यौन शोषण और जमीन हड़पने की सूचना पुलिस को चार साल पहले ही दी गई थी। इसके बाद भी पुलिस ने चार्जशीट दायर करने में चार साल का लंबा समय लगा दिया।

सोने के तस्कर को सऊदी अरब से लाया गया भारत

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सोने की तस्करी के मामले में एक आरोपी को सऊदी अरब से भारत लाया गया है। सीबीआई के प्रयासों से आरोपी को भारत लाया गया। आरोपी के खिलाफ इंटरपोल ने रेड नोटिस भी जारी किया हुआ था। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने साल 2020 में सोने की तस्करी का मामला दर्ज किया था। इस मामले में शौकत अली आरोपी है, जिसे भारत लाया गया है।

दरअसल जुलाई 2020 को सऊदी अरब से जयपुर में करीब 18.5 किलोग्राम सोने की तस्करी की गई थी। इस मामले की जांच एनआईए कर रही है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में 18 लोगों को आरोपी बनाया था, जिसमें शौकत अली भी शामिल था। शौकत अली भारत में सोने की तस्करी के मामले में वांछित था और लंबे समय से सऊदी अरब में रह रहा था। जब्त की गई 18 किलो सोने की छड़ों की कीमत करीब नौ करोड़ रुपए आंकी गई थी। इमरजेंसी लाइट की बैटरी में छिपाकर ये सोना भारत लाया गया था।

सीबीआई ने आरोपी शौकत अली के खिलाफ 13 सितंबर 2021 को रेड नोटिस जारी कराया। इसके बाद यह रेड नोटिस इंटरपोल के सभी सदस्य देशों को भेजा गया, ताकि अगर आरोपी उनके देश में है तो उसे वहीं से गिरफ्तार किया जा सके। इंटरपोल का नोटिस मिलने के बाद सऊदी अरब की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सीबीआई के ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर की मदद से सीबीआई ने सऊदी अरब की नेशनल सेंट्रल ब्यूरो एजेंसी से समन्वय किया और आरोपी को भारत लाया गया।

पीएफआई का हाथ थामने पर बढ़ा विवाद तो कांग्रेस ने दी सफाई

तिरुवनंतपुरम, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल के वायनाड से नामांकन दाखिल करने के साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी विवादों से घिरते जा रहे हैं। भाजपा नेता आरोप लगा रहे थे कि कांग्रेस ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन स्वीकार कर लिया है। हालांकि, अब सबसे पुरानी पार्टी ने साफ कर दिया कि उसने एसडीपीआई का समर्थन स्वीकार नहीं किया है। वहीं, उसने यूडीएफ का समर्थन करने के लिए मतदाताओं का स्वागत किया है। बता दें, केरल में लोकसभा चुनाव 26 अप्रैल को होंगे।

विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता का विरोध करती है। इन परिस्थितियों में डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया द्वारा यूडीएफ को दी जाने वाली सहायता को देखा जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छा के अनुसार मतदान कर सकता है। हम चाहते हैं कि हर कोई यूडीएफ को वोट दे, लेकिन संगठनों के मामले में हमारा यही रुख है।

गौरतलब है, प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनावों के लिए केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, उस समय सतीशन ने कहा था कि यूडीएफ एसडीपीआई के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंचा है। कई पार्टियां यूडीएफ को समर्थन दे रही हैं, लेकिन उसने एसडीपीआई के साथ कोई चर्चा नहीं की है और न ही कोई समझौता हुआ है।

अमेठी लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराने वाले केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने इस पर हैरानी जताई थी कि उन्होंने (राहुल गांधी) कथित तौर पर प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा था कि उसका समर्थन स्वीकार करके राहुल ने नामांकन दाखिल करने के दौरान ली गई संविधान की शपथ का भी उल्लंघन किया है।

सोनिया समेत 14 लोगों ने राज्यसभा सांसद की शपथ ली

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने आज राजस्थान से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लीं। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा उनसे मिलने पहुंचे। सोनिया गांधी के अलावा केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव और 14 अन्य नेताओं ने राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है। नए संसद भवन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इन सभी नेताओं को शपथ दिलाई। जहां एक तरफ सोनिया गांधी ने राजस्थान से तो वहीं अश्विनी वैष्णव ने ओड़ीशा से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने कर्नाटक से, भाजपा नेता आरपीएन सिंह उत्तर प्रदेश से, भाजपा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है। वाईएसआरसीपी के गोला बाबू, मेधा रघुनाथ रेड्डी, येरुम वेंकट सुब्बा रेड्डी ने आंध्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों के रूप में शपथ ली है। शपथ समारोह के बाद इन सभी ने राज्यसभा के अध्यक्ष के साथ तस्वीर भी खिंचवाईं।

सोनिया गांधी ने पहली बार राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए राजस्थान से निर्विरोध चुनी गई थीं। लंबे अरसे बाद ऐसा हुआ जब नेहरू-गांधी परिवार का कोई सदस्य राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लिया है। सोनिया गांधी के सियासी सफर पर बात करें तो 1999 से वह लगातार लोकसभा चुनाव जीतती रही हैं और इसकी सदस्य बनी हुई हैं। 1999 में सोनिया उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से जीतकर लोकसभा पहुंचीं। इसके बाद 2004 में उनके बेटे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी राजनीति में कदम रखा। राहुल अमेठी सीट से चुनाव मैदान में उतरे और सोनिया रायबरेली सीट से चुनाव मैदान में उतरीं। रायबरेली वही सीट थी जहां से कभी सोनिया की सास इंदिरा गांधी चुनाव लड़ा करती थीं। 2004, 2009, 2014 और 2019 में लगातार चार बार रायबरेली सीट से सोनिया लड़ीं और जीतीं। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सोनिया राज्यसभा जा रही हैं। इससे यह तय हो गया है कि 57 साल बाद नेहरू-गांधी परिवार का कोई सदस्य राज्यसभा जाएगा।

सोनिया गांधी से पहले नेहरू-गांधी परिवार के सिर्फ दो सदस्य ही राज्यसभा सदस्य रहे हैं। दोनों ही महिलाएं थीं। इनमें से एक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी, जबकि दूसरी उमा नेहरू थी। दरअसल, उमा नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई की पत्नी थी। उमा का कार्यकाल 1962-1963 में रहा था। वहीं, 1964 में इंदिरा गांधी राज्यसभा पहुंची। इंदिरा गांधी 1964 से 1967 तक राज्यसभा सदस्य रहीं। दोनों नेताओं ने राज्यसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। इंदिरा जब पहली बार प्रधानमंत्री बनीं, उस वक्त वह राज्यसभा की ही सदस्य थीं। 1967 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने रायबरेली सीट से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी।

पहली भारतीय अंतरिक्ष उड़ान की 40वीं वर्षगांठ पर रूस ने बधाई दी

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

आज से 40 साल पहले भारत ने आंतरिक्ष में प्रवेश किया था, जिसमें रूस ने भारत की मदद की थी। भारतीय वायुसेना के तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। इस मौके पर रूस ने भारत को बधाई दी है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने सोवियत सोयुज टी-11 अंतरिक्ष यान पर पहली भारतीय अंतरिक्ष उड़ान की 40वीं वर्षगांठ पर सभी भारतीयों को बधाईदी। उन्होंने कहा कि 3 अप्रैल 1984 को विंग कमांडर राकेश शर्मा के साथ पहली भारतीय अंतरिक्ष उड़ान भरी गई थी, जिसमें दो रूसी यात्री भी सवार थे।

सोवियत रॉकेट सोयुज टी-11 पर सवार होकर बाहरी अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने की 40वीं वर्षगांठ पर, भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने कहा, उस समय वे सिर्फ 35 साल के थे जब स्टार सिटी में प्रशिक्षण लेने के बाद अंतरिक्ष में उड़ान भरने का मौका मिला। उन्होंने कहा, उस ऐतिहासिक लम्हे के 40 साल बीत चुके हैं। बीते चार दशक भारत और रूस के संबंधों के लिहाज से बेहद उपयोगी रहे हैं।

राकेश शर्मा ने मिशन गगनयान का जिक्र करते हुए कहा, हमारे चार नामित अंतरिक्ष यात्री जो जल्द ही अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं, उन्हें उसी जगह प्रशिक्षित किया गया है जहां 40 साल पहले उन्हें ट्रेनिंग दी गई थी। राकेश शर्मा ने कहा, चार लोगों की मौजूदा पीढ़ी को उसी तरह का प्रशिक्षण मिला है जैसा मुझे मिला था। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि प्रौद्योगिकी के अलावा, जिस तरह से मानव शरीर को अंतरिक्ष यात्रा की तीव्रता का सामना करने के लिए तैयार किया जाता है, उसमें कोई बदलाव नहीं आया है।

राहुल के रोड शो से गायब रहे कांग्रेस और मुस्लिम लीग के झंडे

तिरुवनंतपुरम, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल के वायनाड लोकसभा सीट पर सियासी हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कल वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने वायनाड में रोड शो किया था। इसी रोड शो को लेकर अब केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि रोड शो के दौरान कांग्रेस अपना या इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का झंडा नहीं दिखा सकी क्योंकि वह भाजपा से डरी हुई थी।

विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के रुख से संकेत मिलता है कि वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वोट तो चाहती है, लेकिन उनका झंडा नहीं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि कांग्रेस उस स्तर तक गिर गई है, जहां वह सांप्रदायिक ताकतों से डरती है। राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। केरल में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा।

वायनाड लोकसभा सीट पर हमेशा ही सबकी निगाह होती है। इस बार कांग्रेस पार्टी पर सवाल इसलिए खड़े हो गए हैं क्योंकि साल 2019 में जब इस निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो हुआ था तब आईयूएमएल के झंडे कांग्रेस से ज्यादा दिखाई दे रहे थे। जबकि इस बार न तो कांग्रेस और न ही आईयूएमएल के झंडे दिखाई दिए। विजयन ने कहा कि इस बार झंडे इसलिए नहीं दिखाई दिए क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने आईयूएमएल के झंडों को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया था। साल 2019 में जब चुनावी अभियान चरम पर थे, तब वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने कांग्रेस नेता के रोड शो के दौरान आईयूएमएल के हरे झंडे होने पर कहा था कि क्षेत्र में एक जुलूस के दौरान यह समझना मुश्किल था कि यह भारत था या पाकिस्तान। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस अपने झंडे के पीछे के बलिदानों और इतिहास को भूल गई है। ऐसा लगता है कि वह संघ परिवार की इस बात को मान रही है कि वे अपने झंडे को त्याग दें।

इस साल अब तक 3.27 लाख पर्यटक काजीरंगा उद्यान आए

गुवाहाटी, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

असम स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) तेजी से लोगों के बीच प्रसिद्ध होता जा रहा है। जल्द ही एक लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हॉटस्पॉट बन जाएगा। जबसे यह उद्यान बना है, तबसे लेकर अबतक इस साल यहां सबसे अधिक संख्या में पर्यटक आए हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान दुनिया में एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी के अलावा स्तनधारियों और पंखों वाले दुर्लभ पशु-पक्षियों की समृद्ध विविधता के लिए जाना जाता है। यह वैश्विक राष्ट्रीय उद्यानों में एक अद्वितीय रत्न है। असम के गोलाघाट और नागांव क्षेत्रों में स्थित, इसकी सीमा उत्तर में ब्रह्मपुत्र नदी और दक्षिण में कार्बी आंगलोंग पहाड़ों से लगती है। हरे-भरे चाय के बागानों से घिरा, राष्ट्रीय उद्यान परिवारों की पसंद बन रहा है। सन् 1974 में बना यह राष्ट्रीय उद्यान पूर्वोत्तर भारत का गौरव है। हाल के आंकड़ों से यहां पर्यटन में भारी वृद्धि का पता चलता है। साल 2023-2024 में इस काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में कुल 3,27,493 पर्यटक आए, जिनमें 3,13,574 भारतीय और 13,919 विदेशी पर्यटक थे। केएनपीटीआर में तीन प्रशासनिक प्रभाग शामिल हैं, पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग, विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग और नागांव वन्यजीव प्रभाग। सभी प्रभागों में पर्यटन में वृद्धि हुई है, जो गैर-पारंपरिक पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता को दर्शाता है।

पिछले साल अक्टूबर में मानसून के बाद लोगों के लिए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व फिर से खोला गया था। यहां घूमने आए लोगों के लिए जंगल सफारी और हाथी सफारी सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं, कार्बी-आंगलोंग में साइकिल चलाने तथा पानबारी वन रेंज और चिरांग में ट्रेकिंग करने का विकल्प देना भी कहीं न कहीं फायदेमंद रहा। इसके अलावा चोरान-अहम (कार्बी) और अजुन उकुम (मिसिंग) जातीय रेस्तरां ने लोकप्रियता हासिल की, जबकि बुराचापोरी में महिलाओं के नेतृत्व वाले रेस्तरां बिसाग-ना (बोडो) ने भी प्रसिद्धी हासिल की। इतना ही नहीं, इस साल डॉल्फिन देखने के लिए बोट सफारी की सुविधा शुरू की गई थी।आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में, कुल 3,10,458 पर्यटक पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग घूमने आए थे। वहीं, 1,728 पर्यटकों ने विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग का आनंद लिया था। हालांकि, इस साल अब तक कुल 3,20,961 लोग पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग घूमने आए। वहीं नागांव वन्यजीव प्रभाग देखने आए लोगों की संख्या 3,484 रही।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Padmavathi spouse of Palivela Ratnarao R/o 6-3-146, SPL 184, P & T colony, suncity, Bandlagudajagir, Rajendra Nagar, R R dist T S change my name from **PADMAVATHI** to **PALIVELA PADMAVATHI** vide affidavit dt:04-04-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME

I, Krishna Kumari spouse of Kattula Anjaiah R/o plot no.197, SPL block, P& T colony, suncity, Bandlagudajagir, RajendraNagar, R R dist, T S changed my name from **KRISHNA KUMARI** To **KATTULA KRISHNA KUMARI** Vide affidavit dt:04-04-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME

I, PARVATI is legally wedded spouse of Service No. JC-769372H, Rank: SUB, Name: VIRENDER KUMAR, Unit: DGQA, SQAE (L), Bangalore, residing at Vill: BHAINSWAL KALAN (BAWALA), PO: BHAINSWAL KALAN, Teh: GOHANA, Dist: SONIPAT State: HARYANA, Pin:131409,Changed my name from **PARVATI** to **PARWATI DEVI** affidavit Signed by Advocate and Notary Tallapally Laxman BA, LLM

CHANGE OF NAME & DOB

I, VINOD BALA MISRA Spouse of Late UMA KANT MISHRA, R/o.5-8-43/9, Royal Garden, Near Elite Colony, J J Nagar Post, Yapral, Jawahar Nagar, Medchal Malkajgiri Dist have changed my name and DOB from **VINOD BALA MISRA**, DOB: **20-8-1952** to **VINOD BALA**, DOB: **15-12-1951** vide affidavit dt:3-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

हाई कोर्ट ने बंडी संजय की गिरफ्तारी पर 11 जून तक लगाई रोक

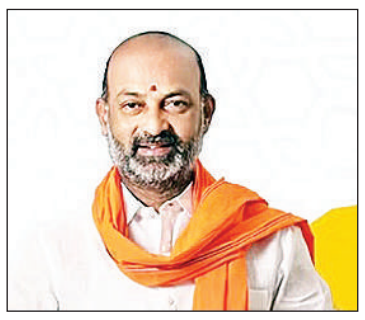

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य पुलिस को चेंगिचेर्ला झड़प मामले मिं करीमनगर के सांसद बंडी संजय कुमार और पांच अन्य को 11 जून तक गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति के लक्ष्मण की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने गुरुवार को यह आदेश जारी किया। पीठ ने पुलिस से मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने को भी कहा। बंडी संजय और पांच अन्य ने चेंगिचेर्ला घटना में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए दो आपराधिक याचिकाएं दायर की थीं।राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। भाजपा नेता और अन्य पर दो समुदायों के बीच झड़प के दौरान पुलिस को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, बंडी संजय और अन्य ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को जबरन हटा दिया। भाजपा नेता ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और आरोप को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है। यहां बता दें कि 27 मार्च को चेंगिचेर्ला के पित्तलबस्ती में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी।

जंगली हाथी ने किसान को कुचलकर मार डाला

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में जंगली हाथी ने एक किसान को कुचलकर मार डाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ से पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में घुसे झुंड से अलग हुए हाथी ने कौथला मंडल के बुरेपल्ले गांव में अपने खेत में काम कर रहे एक किसान पर हमला कर दिया, जिसमें वर्षीय अल्लूरी शंकर की मौके पर ही मौत हो गई। गांव में हाथी की मौजूदगी से इलाके के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

तेलंगाना के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन्यजीव वार्डन मोहन परगाईन के मुताबिक, यह नर हाथी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के रास्ते छत्तीसगढ़ में दाखिल हुआ। हाथियों के एक झुंड का हिस्सा जो दो दिन पहले गढ़चिरौली जंगल में घुस गया था, हाथी उससे अलग हो गया और प्राणहिता नदी को पार करने के बाद तेलंगाना गांव में प्रवेश कर गया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ झुंड के साथ इसके पुनर्मिलन की सुविधा के लिए काम पर था।

उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे इसके करीब जाने का जोखिम न उठाएं क्योंकि यह खतरनाक और जीवन के लिए खतरा हो सकता है। वन अधिकारियों की टीमें सुरक्षित दूरी से हाथी की गतिविधि पर नजर रख रही थीं और उसे भगाने की कोशिश कर रही थीं। इस बीच, वन विभाग ने मृतक किसान के परिवार के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है।

बीआरएस ने रेवंत सरकार पर लगाया बुनकरों को प्रताड़ित करने का आरोप

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को रोककर राजनीतिक कारणों से राज्य में बुनकरों को दंडित कर रही है। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्य में बुनकरों की गंभीर स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा। उन्होंने सरकार से बुनकरों के लिए चल रही सभी कल्याण और विकास गतिविधियों को जारी रखने की अपील की।

केटीआर ने अपने पत्र में सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले चार महीनों में, बुनकरों के लिए पिछली सरकार की सभी कल्याणकारी गतिविधियों को वर्तमान सरकार ने रोक दिया है, जिससे बुनकर समुदाय में संकट पैदा हो गया है। उन्होंने याद दिलाया कि कृषि क्षेत्र में कुप्रबंधन के कारण राज्य में पहले से ही किसान आत्महत्या कर रहे हैं। केटीआर ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सभी बुनाई कल्याण गतिविधियों, विशेष रूप से बथुकम्मा साड़ी उत्पादन कार्यक्रम को रोक दिया है, जिससे राज्य में लगभग 30,000 पावरलूम बुनकरों के बीच संकट पैदा हो गया है। चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के कारण लंबित बिलों का भुगतान नहीं होने से मास्टर बुनकरों को भी काफी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिसका असर पावरलूम मजदूरों पर भी पड़ रहा है। पहले ही, कुछ पावरलूम मजदूरों ने आत्महत्या कर ली है। केटीआर ने कांग्रेस सरकार से इन बुनाई कल्याण गतिविधियों को राजनीतिक चश्मे से न देखने का अनुरोध किया और सरकार से सभी चल रही कल्याणकारी गतिविधियों को जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने बथुकम्मा साड़ियों के ऑर्डर जारी करने की भी मांग की, जिससे राज्य के अधिकांश बुनकर समुदाय को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यदि यह सरकार पिछली सरकार की कल्याणकारी गतिविधियों को जारी रखने के लिए तैयार नहीं है, तो उसे कम से कम नई नीतियों और पहलों के साथ आना चाहिए जिससे बुनकरों को अधिक लाभ होगा। केटीआर ने मुख्यमंत्री को यह भी चेतावनी दी कि यदि सरकार संकटग्रस्त बुनकर समुदाय को कोई राहत नहीं देती है, तो मुख्य विपक्षी भूमिका में बीआरएस पार्टी राज्य में पिछड़े बुनकर समुदाय की ओर से लड़ना जारी रखेगी।

संगारेड्डी की फार्मा इकाई में विस्फोट में मरने वालों की संख्या छह हुई

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संगारेड्डी जिले में एक रासायनिक विनिर्माण इकाई में विस्फोट में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर छह हो गई, क्योंकि मलबे के नीचे एक और कर्मचारी का शव मिला। हथनूर मंडल के चंदापुर गांव में बुधवार शाम थोक दवा बनाने वाली कंपनी एसबी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड में एक रासायनिक रिएक्टर में विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए। केमिकल रिएक्टर में विस्फोट के बाद प्लांट में आग लग गई। विस्फोट के प्रभाव से औद्योगिक परिसर की एक संरचना ढह गई।बचावकर्मियों ने गुरुवार को मलबे से एक शव बरामद किया। मृतक की पहचान उसी मंडल के निवासी वड्डे रमेश (38) के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि रिएक्टर से धुआं निकलने के बाद कंपनी के निदेशक रवि शर्मा और अन्य कर्मचारी रिएक्टर का निरीक्षण कर रहे थे। रिएक्टर में विस्फोट हुआ जिसके परिणामस्वरूप लोग हताहत हुए। मरने वालों में हैदराबाद के रवि शर्मा (38) भी शामिल हैं। तमिलनाडु के दयानंद (48), आंध्र प्रदेश के सुब्रमण्यम (36), मध्य प्रदेश के सुरेश पॉल (54) की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में से एक चंदापुर गांव के चकली विष्णु (35) ने इलाज के लिए हैदराबाद ले जाते समय दम तोड़ दिया। संगारेड्डी कलेक्टर वल्लुरु क्रांति के अनुसार, दुर्घटना में 16 कर्मचारी घायल हो गए और उनका संगारेड्डी के सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

मृतक के परिजनों से मिले पलवई हरीश बाबू

कागजनगर, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने मंडल के ब्यूरपल्ली गांव में हाथी के हमले में मारे गए अल्लूरी शंकर के परिजनों से मुलाकात की और वित्तीय सहायता प्रदान की।उन्होंने मृतकों के परिजनों को महाराष्ट्र की तरह 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार में से एक को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए और वन अधिकारियों को हाथी को वापस छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में भेजने की व्यवस्था करनी चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जेडपीटीसी एल्मुले मलाया, अजमीरा बलराम, तकीरे शंकर, तिप्पर्ति शंकर, कुकुदकर रमेश, दन्नुरी साई, कृष्णा और अन्य शामिल थे।

सूखे को देखते हुए मजदूरों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं : कलेक्टर

आसिफाबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमरमभीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से मजदूरों को काम देना चाहिए। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर स्थानीय संगठन दीपक तिवारी के साथ ग्राम पंचायत बरगुड़ा में चल रहे बाढ़ जल मार्ग डायवर्जन कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यस्थल पर मजदूरों को दी जाने वाली बुनियादी सुविधाएं जैसे टेंट, मेडिकल किट, पेयजल सुविधा और ओआरएस पैकेट की जांच की गई। उन्होंने श्रमिकों से बातचीत कर मास्टर रोल रजिस्टरों के प्रबंधन, जॉब कार्डों की जांच व उनके अद्यतनीकरण की प्रक्रिया की जांच करने के साथ ही कई सुझाव व सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम उठाए जाएं कि रोजगार गारंटी योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो सके। मजदूरों ने बताया कि काम का पैसा जनवरी माह में मिल गया था। उन्होंने कहा कि बाकी पैसा भी जल्द मिले, इसके लिए कदम उठाया जायेगा। उन्होंने कहा कि सौ दिन का काम पूरा कर चुकी महिलाओं के लिए ऊटनूर के कुमराम भीम कॉम्प्लेक्स में सिलाई प्रशिक्षण और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और इच्छुक महिलाओं को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का यह अच्छा अवसर है। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास परियोजना निदेशक सुरेंद्र, मंडल विकास अधिकारी सुरेंद्र, एपीओ चंद्रशेखर, स्टाफ व अन्य लोगों ने भाग लिया।

आंध्र प्रदेश में 66 लाख लाभार्थियों को कल्याण पेंशन वितरण की प्रक्रिया शुरू

अमरावती, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।
आंध्र प्रदेश में 66 लाख लाभार्थियों को कल्याण पेंशन वितरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पंचायती राज और ग्रामीण विकास के प्रधान सचिव शशिभूषण कुमार ने बताया कि बुधवार को 25 लाख से अधिक लाभार्थियों ने अपनी पेंशन प्राप्त की। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, जिलाधिकारियों ने तीन से छह अप्रैल 2024 तक सभी पेंशनभोगियों को पेंशन के सुचारू वितरण के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं। राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार को स्वयंसेवकों को काम में शामिल करने से प्रतिबंधित किया हुआ है, जिसकी वजह से पेंशन के वितरण में देरी हुई।

राज्य में सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और विपक्ष ने पेंशनभोगियों की कठिनाई के मुद्दे को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाया।

कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने पेंशन वितरण के लिए 1,952 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। प्रधान सचिव के मुताबिक, कुल 14,994 में से 13,699 वार्ड और ग्राम सचिवालयों ने पेंशन वितरण की कवायद शुरू कर दी है। बयान के मुताबिक, कुमार ने बताया कि जिलाधिकारियों को बेहद कमजोर श्रेणियों के लाभार्थियों को उनके दरवाजे तक पेंशन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

गर्मियों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएं : कलेक्टर वेंकटेश

आसिफाबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि गर्मियों में पेयजल सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के समन्वय से उपाय किए जाएं। उन्होंने अपर जिलाधिकारी दीपक तिवारी के साथ आसिफाबाद नगर पालिका क्षेत्र के दसनापुर गांव में 1 लाख 50 हजार लीटर क्षमता की पानी की टंकी का दौरा किया। इसके बाद कलेक्टर ने बताया कि गांव में ओएसएचआर टैंक की समय-समय पर सफाई करायी जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अन्यथा, बीमारियाँ प्रबल होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि आसपास के क्षेत्रों का नियमित रूप से क्लोरीनेशन किया जाए। उन्होंने कहा कि गांव में बिना किसी रुकावट के पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा गर्मियों में पानी की कमी न हो इसके उपाय किए जाएं।

जहां आवश्यक हो, बेकार बोरों की मरम्मत करायी जाये। इस मौके पर कलेक्टर ने गांव के लोगों से बातचीत की। गांव की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पेयजल की समस्या हो तो भी अधिकारियों को सूचित किया जा सकता है। गर्मी की गंभीरता को देखते हुए पर्याप्त सावधानियां बरती गई हैं। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त आर. भुजंगाराव, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग एई शैलेन्द्र, ग्रिड एई श्रीनिवास एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

वॉटर टैंक में मिली 30 बंदरों की लाशें, बदबू की शिकायत के बाद हुई कार्रवाई

हैदराबाद, 04 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नलगोंडा जिले में एक पानी की टंकी में 30 बंदरों की लाश मिली। जिस टंकी में बंदरों की लाश मिली थी, उससे 200 घरों में पानी सप्लाई किया जाता था। जानकारी के अनुसार, यह मामला नलगोंडा इलाके के नंदीकोंडा नगर पालिका वार्ड का है। यह मामला तब सामने आया, जब आसपास के रहने वाले लोगों ने पानी से बदबू आने की शिकायत की। शिकायत करने के बाद मामला दर्ज हुआ और जांच शुरू की गई। पानी की टंकी का उपयोग हिल कॉलोनी में लगभग 200 परिवारों को पीने के पानी की आपूर्ति के लिए किया जा रहा था और नगर निगम के कर्मचारियों ने इसके ऊपर धातु की चादरें लगा दी थीं।

अधिकारियों को संदेह है कि भीषण गर्मी के कारण बंदर पानी के लिए धातु की चादरों के माध्यम से टैंक में घुस गए होंगे, लेकिन बाहर नहीं आ सके और डूब गए।

पुलिस का कहना था कि जांच तब शुरू हुई जब तब उन्होंने देखा कि पानी में बंदरों की लाशें तैर रहीं थी। सभी लाशों को नगर निगम कर्मचारियों ने बाहर निकाला। वार्ड लोगों का कहना है कि नलगोंडा में अधिकारियों की लापरवाही की वजह से ऐसा हुआ। मामले में जांच के दौरान पता चला कि यह घटना लापरवाही की वजह से हुई। 10 दिनों से बंदरों की लाशें टैंक के अंदर थीं। टैंक का ढक्कन खुला रह गया था। जब बंदर पानी पीने गए तो वे उसमें फंस गए और डूबने की वजह से उनकी मौत हो गई।

फिलहाल विभाग लोगों के लिए पानी सप्लाई की व्यवस्था कर रहा है। इतनी बड़ी संख्या में बंदरों के शव बरामद होने के बाद क्षेत्र के निवासी उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित हैं क्योंकि वे वही पानी पी रहे थे। उन्हें संदेह है कि बंदरों की मौत 10 दिन पहले हुई थी जबकि वही पानी उन्हें पीने के लिए दिया गया था। नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर हिल कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने इस लापरवाही के लिए नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक केटी रामाराव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने लोगों की सेहत से ज्यादा राजनीति पर ध्यान दिया। नगर निगमों में समय-समय पर होने वाली साफ-सफाई के लिए बनाए प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.